राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 बिहार और तेलंगाना के बीच कृषि क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग : विजय

गृहमंत्री को खुली चुनौती देने वाला हिस्ट्रीशीटर अर्जुन अयांकी 12

वर्ष : 14 | अंक : 123 | पटना,मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

भारत की अखंडता, संप्रभुता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है तिरंगा : सम्राट

- मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान-2026 का गांधी मैदान में तिरंगा झंडा लहराकर किया विधिवत शुभारंभ
- जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा
- 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान, बढ़-चढ़ कर शामिल हों

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत सोमवार को जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का गांधी मैदान में मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर एवं तिरंगा झंडा लहराकर विधिवत शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में भारत माता की जयघोष, राष्ट्रभक्ति की धुन एवं ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बिहार सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में तिरंगा यात्रा की शुरूआत हुई है, जो 17 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है। हमारे पूर्वजों एवं स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई है। तिरंगा उनके त्याग, बलिदान और हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह देश की अखंडता, संप्रभुता, एकता, लोकतंत्र और स्वाभिमान की पहचान है। तिरंगे के सम्मान एवं देश की रक्षा के लिए लाखों वीर सैनिकों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के तीनों रंगों का अपना महत्व है। केसरिया रंग साहस, त्याग एवं बलिदान का, सफेद रंग शांति का तथा हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है। भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश को विकसित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। भारत आज

विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वर्ष 2047 तक विकसित एवं सशक्त राष्ट्र बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान जनभागीदारी का कार्यक्रम है। पूरे बिहार के लोगों से अपील है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करें। पंचायत, नगर निकाय एवं जिला स्तर पर भी अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्र की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत 21 लाख तिरंगे झंडों का वितरण किया गया है। पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास एवं आवास विभाग भी इस अभियान में योगदान दे रहे हैं। यह बिहार के 14 करोड़ लोगों की भागीदारी का अभियान है। उन्हेंने कहा कि हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी शहादत देकर हमें स्वतंत्रता और तिरंगा प्रदान किया है। इसकी गरिमा एवं सम्मान की रक्षा करना युवा पीढ़ी का दायित्व है। हम सभी मिलकर भारत को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र की रक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी बिहारवासियों से राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने लोकनायक को किया नमन

तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए जेपी गोलंबर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने सबसे पहले लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सेल्फी विद तिरंगा प्वाइंट के समक्ष तस्वीर भी खिंचवाई।कार्यक्रम को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ प्रमोद कुमार ने भी संबोधित किया।

ये रहें मौजूद

कार्यक्रम में कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण मंत्री अरूण शंकर प्रसाद, लघु जल संसाधन मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन, पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र कुमार रौशन, ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार, समाज कल्याण मंत्री श्वेता गुप्ता, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश सहित अन्य मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, मुख्य सचिव प्रत्य अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव शीर्षत कपिल अशोक, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के सचिव नवीन कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी, छात्र-छात्रायें तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बिहार पेंशन दिवस : मुख्यमंत्री ने 1 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में भेजी 1157 करोड़ रुपए की राशि

गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध :मुख्यमंत्री

- सभी पात्र सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खातों में प्रत्येक माह की 10 तारीख को डीबीटी के माध्यम से पेंशन राशि की जाती है हस्तांतरित।
- कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित नहीं रहेगा। छूटे हुए सभी पात्र लाभार्थियों को जिलाधिकारी पेंशन योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

प्रात : किरण

पटना मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रति व्यक्ति 1100 रुपए की दर से कुल 1157 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि का हस्तांतरण किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी तथा सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति भी जुड़े हुये थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज राज्य के 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में 1157 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। पेंशन दिवस के इस अवसर पर सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिये राशि 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए की गयी। हमलोगों की सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में प्रत्येक महीने की 10 तारीख को राशि हस्तांतरित कर दी जायेगी। यह सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह एवं तकनीक आधारित जनकल्याणकारी व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हमलोगों की सरकार गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग एवं समाज के वंचित वर्गों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

कोई भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र लाभार्थी छूटे नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र लाभार्थी छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरण समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से होता रहे ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को सम्मानपूर्वक सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए किये जाने से लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ 70 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। इसके लिये 23 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी राज्य सरकार की तरफ से खर्च की जा रही है। गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा की निदेशक डॉ प्रीति ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

ये रहें मौजूद

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, समाज कल्याण मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एचआर श्रीनिवास, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, सामाजिक सुरक्षा की निदेशक डॉ प्रीति सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं

बिहार में राजस्व संग्रह में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी

जुलाई तक सरकारी खजाने में आए 19,253 करोड़

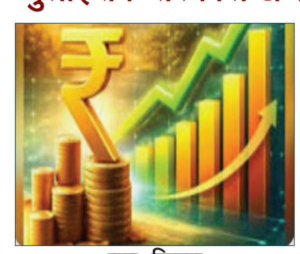

प्रात : किरण

पटना। बिहार में चालू वित्तीय वर्ष के शुरूआती महीनों में राजस्व संग्रह में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जुलाई 2026 तक राज्य के प्रमुख राजस्व संग्रह विभागों ने कुल 19,253 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में हुए संग्रह की तुलना में यह करीब 18 प्रतिशत अधिक है। सोमवार को उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में यह जानकारी सामने आई।

छह प्रमुख विभागों से 19 हजार करोड़ राजस्व संग्रह

वाणिज्य-कर, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन, परिवहन, खनन एवं भूतत्व तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के जरिए यह राजस्व संग्रह किया गया है।इन विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने संग्रह से जुड़ी प्रगति की जानकारी दी। पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी राशि को राज्य के राजस्व संग्रह में सकारात्मक वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

राजस्व में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी सकारात्मक संकेत

चालू वित्तीय वर्ष में जुलाई तक हुआ राजस्व संग्रह पिछले वर्ष की समान अवधि से लगभग 18 प्रतिशत अधिक है। सरकार की ओर से राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए लगातार विभागवार समीक्षा की जा रही है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले राजस्व में करीब 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी को राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को राजस्व संग्रह की रफ्तार और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तय समय-सीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्यकुशलता बढ़ाई जाए और राजस्व अर्जन को अधिकतम करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। सरकार का जोर है कि राजस्व संग्रह बढ़ने से राज्य में चल रही विकास योजनाओं और अन्य सरकारी कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिले। बैठक में वित्त विभाग के सचिव संजय कुमार सिंह, सचिव (व्यय) रचना पाटिल के साथ संबंधित विभागों के प्रधान सचिव और सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संसद ने टैक्स बिल को मंजूरी दी, सीतारमण ने कहा- यूपीआई लेनदेन रहेंगे मुफ्त

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद ने सोमवार को कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक-2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा ने विधेयक पर चर्चा के बाद इसको लोकसभा में वापस भेज दिया। इस विधेयक में विदेशी निवेश के नियमों, डिजिटल पेमेंट (यूपीआई/एमडीआर), कच्चे हीरे के व्यापार में छूट और आरईआईटी/ इनविट्स पर टैक्स से जुड़े बदलाव शामिल हैं। इसे लोकसभा ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए साफ किया कि यह कानून यूपीआई पर कोई टैक्स नहीं लगाता है और डिजिटल पेमेंट सिस्टम मुफ्त बना रहेगा। पिछले हफ्ते लोकसभा से पास हुए इस विधेयक को राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब और संक्षिप्त चर्चा के बाद वॉइस वोट (मौखिक मतदान) से वापस भेज दिया।

सीतारमण ने राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जोर देकर कहा कि इसमें यूपीआई पर किसी भी तरह के टैक्स या लेनदेन चार्ज का प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा, क्या उपभोक्ता को कोई यूपीआई चार्ज देना होगा ? नहीं। सीतारमण ने सदन को बताया लॉन्च के समय से यूपीआई कंज्यूमर्स के लिए मुफ्त रहा है।

संक्षिप्त खबरें

ईडी के निदेशक राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल बढ़ा

नई दिल्ली /एजेंसी। सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। श्री नवीन का कार्यकाल आगामी 13 अगस्त को समाप्त हो रहा था। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनका कार्यकाल 13 अगस्त 2027 या अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया है। इसमें 31 जुलाई 2027 को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद सेवा विस्तार भी शामिल है।

श्री नवीन भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 1993 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने 14 अगस्त 2024 को ईडी के निदेशक का पदभार ग्रहण किया था। उससे पहले 15 सितंबर 2023 से वह प्रभारी निदेशक के तौर पर ईडी प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।उनके पास आईआईटी कानपुर से बीटेक और एमटेक तथा ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से एमबीए की डिग्री है।

तारापुर को मिलेगी वैश्विक आध्यात्मिक पहचान, बनेगा योग और वेलनेस टूरिज्म हब

पटना।बहर सरकार ने पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान करने और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुंगेर जिले के तारापुर प्रखंड के गाजीपुर गांव में सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटकीय सुविधाएं विकसित होंगी। हाल ही में कैबिनेट ने तारापुर के गाजीपुर में 15.01 एकड़ सरकारी जमीन को तमिलनाडु के कोयंबटूर के वेल्लियांगिरी फुटहील स्थित ईशा फाउंडेशन को 99 वर्षों की लीज पर मात्र 1 रुपये प्रतिवर्ष के टोकन रेंट पर देने की मंजूरी दे दी है। ईशा फाउंडेशन यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का योग केंद्र आदि बनाऐगी।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में 11 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी के आदेश

प्रात : किरण

आरा। बिहार के बहुचर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में आरा की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन एसडीएम और एसडीपीओ समेत 11 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। भोजपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की अदालत ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 अगस्त तक न्यायालय में पेश करने का निर्देश दिया है। हालांकि, भोजपुर पुलिस ने इस कार्रवाई की जानकारी होने से इनकार किया है।

अदालत की यह कार्रवाई शाहपुर थाना कांड संख्या 178/2026 से जुड़ी बताई जा रही है। इस मामले में अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 73 के तहत गैर-जमानती वारंट जारी करने सहित जांच की प्रगति से संबंधित कई बिंदुओं पर अदालत से निर्देश देने की मांग की थी। जिन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ वारंट जारी होने की बात कही जा रही है, उनमें जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीएम संजीत कुमार, तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर के तत्कालीन थानाध्यक्ष राजेश मालाकार, दारोगा अंकित आर्यन, हरिचंद्र कुमार, एएसआई रामाशंकर यादव, एसटीएफ के विकास कुमार, अक्षय कुमार और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली, अगले हफ्ते होगी सुनवाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग वाली 4 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। इस मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई होगी।

कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दो सप्ताह के लिए सुनवाई टालने की मांग की गई। सरकार ने कहा कि उसकी तरफ से पेश हो रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए सुनवाई टाल दी जाए।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक नई एसआईटी बनाने का निर्देश दिया था जिसके बाद यूपी सरकार की ओर से नई एसआईटी का गठन किया गया था। नई एसआईटी का नेतृत्व लखनऊ रेंज की आईजी किरण एस कर रही हैं। इस एसआईटी टीम में अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी गौरव ग्रोवर, बाराबंकी के एएसपी रितेश कुमार के अलावा वित्तीय लेन-देन और अभिलेखों की जांच के लिए एक ऑडिटर को भी शामिल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जांच ने फिर रफ्तार पकड़ी है। नई विशेष जांच टीम के गठन के बाद जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है।

छात्रों के आंदोलन पर सरकार चर्चा कराने और गृह मंत्री के जवाब के लिए तैयार: रीजीजू

नई दिल्ली/एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि सरकार देश भर के छात्र आंदोलनों और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा कराने तथा इस पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को जवाब शांतिपूर्ण ढंग से सुनना होगा।रीजीजू ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सरकार की ओर से विपक्ष को स्पष्ट रूप से पेशकश की गई है कि वह छात्र आंदोलनों तथा उनसे संबंधित गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है।उन्होंने कहा, मेरा विपक्ष से केवल इतना कहना है कि जब चर्चा का जवाब दिया जा रहा हो।

गृह मंत्री अमित शाह को छात्रों और युवाओं पर की गई बर्बरता का जवाब देना होगा : खड़गे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को संसद घेराव के दौरान दिल्ली पुलिस के जवानों द्वारा छात्रों पर की गई बर्बरता पर स्पष्टीकरण मांगी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री को जवाब देना ही होगा। वह बताएं कि किसके आदेश पर दिल्ली पुलिस ने छात्रों पर बल प्रयोग किया।

प्रेस वार्ता के दौरान खड़गे ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह छात्रों और युवाओं पर की गई बर्बरता पर जवाब दें क्योंकि दिल्ली में उन पर लाठीचार्ज हुआ और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। साथ ही, पैलेट गन और इलेक्ट्रिक शॉक बैटन का भी इस्तेमाल किया गया। छात्रों और युवाओं के साथ क्रूरता की गई लेकिन अमित शाह ने सदन में अब तक जवाब नहीं दिया जबकि विपक्ष के लोग लगातार मांग उठा रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि हमारी पहली मांग है कि केंद्रीय गृह मंत्री आकर बताएं कि छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों किया गया। दूसरी मांग यह है कि ट्रस्टियों ने राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी की, ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी खुद इस बारे में जानकारी दें। अब तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने पिछले 15 दिनों में इन मुद्दों पर कुछ नहीं कहा है जबकि हम सभी इन मुद्दों पर लड़ाई लड़ रहे हैं।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

हंगामे के बीच चार विधेयक पेश, अधिकरण सुधार विधेयक लोकसभा से पारित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में सोमवार को विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच चार महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए। इनमें से अधिकरण सुधार विधेयक, 2026 को सदन ने पारित कर दिया। इसके अलावा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधिकरण सुधार विधेयक पेश किया। विधेयक में देश के विभिन्न अधिकरणों के कामकाज में एकरूपता लाने, उनकी स्वतंत्रता, पारदर्शिता

और जवाबदेही मजबूत करने तथा अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति एवं सेवा शर्तों के लिए समान व्यवस्था करने के वास्ते राष्ट्रीय अधिकरण आयोग गठित करने का प्रस्ताव है।

विधेयक के अनुसार, आयोग अधिकरणों के अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति, उनके प्रदर्शन की समीक्षा तथा उनके खिलाफ शिकायतों की जांच से संबंधित कार्य करेगा। इसमें अध्यक्ष और सदस्यों की योग्यता, चयन, नियुक्ति, वेतन, सेवा शर्तों और पद से हटाने की प्रक्रिया के लिए भी प्रावधान किए गए हैं।

केंद्रीय खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें खनिज अधिकारों, कराधान और खनिज अन्वेषण से जुड़े मौजूदा प्रावधानों में बदलाव तथा कुछ मामलों में केंद्र की मंजूरी से संबंधित प्रावधान प्रस्तावित हैं। विपक्षी सदस्य एन.के. प्रेमचंद्रन ने विधेयक का विरोध करते हुए इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक पेश किया। इसमें संविधान की पहली अनुसूची में राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव केरल विधानसभा के 24 जून 2024 के सर्वसम्मत प्रस्ताव पर आधारित है।

सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक पेश किया। इसमें एनसीडीसी के वित्तीय अधिकारों और कार्यक्षेत्र का विस्तार करने तथा सहकारी क्षेत्र को व्यापक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

इस बीच विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक, फिर दोपहर दो बजे तक स्थगित की गई। हंगामा जारी रहने के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले एनसीपी के 8 सांसद

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सभी 8 लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सांसदों का प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी से मिला।

बैठक में महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों की समस्याएं प्रधानमंत्री के सामने रखीं।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए एनसीपी (एसपी) सांसद अमोल आर. खोले ने बताया कि सभी सांसदों के अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दे थे। इनमें सरकार की नीतियों, नदियों को जोड़ने की योजना, रेलवे और किसानों की कर्जमाफी जैसे मुद्दे शामिल थे।उन्होंने बताया कि पुणे-नासिक सेमी हाई-स्पीड रेलवे को लेकर भी चर्चा हुई। इस परियोजना के मुद्दे पर हाल ही में बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ था।

अमोल खोले ने कहा कि संसद में लगातार हंगामे के कारण सांसद इन मुद्दों को सदन में नहीं उठा पा रहे थे। इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों की बातें ध्यान से सुनीं। उनका व्यवहार काफी सकारात्मक रहा ।

जब देशभक्ति की धुनों से गूंज उठा एम्स पटना परिसर

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच 24 सदस्यीय ब्रास बैंड ने बांधा देशभक्ति का समां

■ इस तरह की प्रस्तुतियां स्वतंत्रता दिवस समारोह को और अधिक जीवंत एवं प्रेरणादायक बनाती हैं: प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना(सारे जहाँ से अच्छा, ऐ मेरे वतन के लोगों जैसी देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों ने सोमवार को एम्स पटना परिसर के माहौल को पूरी तरह राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सशस्त्र सीमा बल, फ्रंटियर हेडक्वार्टर्स, पटना के 24 सदस्यीय ब्रास बैंड ने एम्स पटना के प्रशासनिक भवन के सामने शानदार संगीतमय प्रस्तुति देकर परिसर में देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को जीवंत कर दिया।

रइ के जवानों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और राष्ट्रीय धुनों की गूंज ने कुछ ही पलों में पूरे परिसर को भावनाओं से भर दिया। डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों, विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक इस विशेष प्रस्तुति का आनंद लिया। अनुशासन और जोश से सजी बैंड की प्रस्तुति ने वातावरण में ऐसा रंग भरा कि एम्स परिसर मानो देशभक्ति के सुरों का मंच बन गया।

बैंड मास्टर हेड कांस्टेबल जी.डी रूपेश रंजन के नेतृत्व में 24 सदस्यीय टीम ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और ऊर्जा के साथ विभिन्न देशभक्ति गीतों एवं राष्ट्रीय धुनों की प्रस्तुति दी। ब्रास बैंड की दमदार ध्वनि ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के वीरों, उनके त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को याद करने का अवसर प्रदान किया।इस अवसर पर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल, उप निदेशक (प्रशासन) निलोत्पल बल एवं डीन (एकेडमिक्स) प्रो. पूनम प्रसाद भदानी सहित वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, विद्यार्थी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने सशस्त्र सीमा बल, फ्रंटियर हेडक्वार्टर्स, पटना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की प्रस्तुतियां स्वतंत्रता दिवस समारोह को और अधिक जीवंत एवं प्रेरणादायक बनाती हैं। उन्होंने रइ के पूरे बैंड दल की शानदार प्रस्तुति की सराहना की।

यह संगीतमय आयोजन केवल एक बैंड प्रस्तुति नहीं बल्कि देश के प्रति सम्मान, अनुशासन, एकता, सेवा और बलिदान की भावना को स्वर देने वाला अवसर रहा। एम्स पटना परिसर में गूंजती देशभक्ति की धुनों ने उपस्थित सभी लोगों में राष्ट्र के प्रति गर्व और समर्पण की भावना को और प्रबल किया।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ रइ बैंड टीम का उत्साहवर्धन किया। देशभक्ति के सुरों से सजा यह आयोजन स्वतंत्रता दिवस समारोह की श्रृंखला में एक यादगार और भावपूर्ण अध्याय बन गया।

लोजपा (रामविलास) अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक, शाकिब रजा बने गया जिलाध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

गया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक सोमवार को गया में आयोजित की गई है। इस बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल ने की। इस दौरान संगठन की गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी रणनीति और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।इस बैठक में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त गया जिलाध्यक्ष के रूप में शाकिब रजा को जिम्मेदारी सौंपी गई हू। प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद शाकिब रजा ने संगठन की गतिविधियों को तेज करने तथा प्रकोष्ठ को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया है।मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सलीम साहिल ने कहा कि 20 मई से बिहार में पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है और सभी कार्यकताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहना होगा।सलीम साहिल ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान लगातार अल्पसंख्यक समाज के हितों की बात करते रहे हैं। संगठन के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज के लोगों को पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कार्यकताओं से समाज के लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को सभी वर्गों तक पहुंचाने का आह्वान किया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मजबूत संगठन केवल पदाधिकारियों के प्रयास से नहीं बनता, बल्कि कार्यकताओं की जमीनी सक्रियता और आपसी समन्वय से संगठन को मजबूती मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

फतुहा स्टेशन रोड में टारगेट कोचिंग सेंटर का उद्घाटन, छठी से दसवीं तक होगी पढ़ाई

फतुहा। स्टेशन रोड स्थित आरजी कम्पीटीटिव क्लासेस के बगल में सोमवार को टारगेट कोचिंग सेंटर का उद्घाटन आरजी कम्पीटीटिव क्लासेस के निदेशक अमित कुमार राज ने फीता काटकर किया। कोचिंग के निदेशक अनीष कुमार ने बताया कि संस्थान में कक्षा छह से दसवीं तक बिहार बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाएगी। इस अवसर पर अमित कुमार राज ने कहा कि एक रोटी कम खाएं, लेकिन बच्चों को जरूर पढ़ाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। कार्यक्रम में वालेश्वर सिंह, कन्हैया सर, रौशन जी, सन्नी, मिथुन, नितेश, सुनील, गौतम, धीरेंद्र, साहिल, आयुष, शिवम, देवराज, फुलवंती देवी, आरती, पिंकी, खुशी, आशा, सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नशामुक्ति अभियान के तहत नवोदय पब्लिक स्कूल में दिलाई गई नशामुक्ति की प्रतिज्ञा

फतुहा। सोमवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, फतुहा स्टेशन रोड की ओर से नशामुक्त प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत नवोदय पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के माध्यम से स्कूल, कॉलेज एवं सामाजिक संस्थानों में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करते हुए नशामुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई जा रही है। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक अरुण पटेल, नवोदय पब्लिक स्कूल के सभी शिक्षकगण, बीके लक्ष्मी नारायण सिंह भाई जी, बीके अंजू, बीके रेखा बहन सहित विद्यालय के सभी बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के निदेशक अरुण पटेल को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

नवोदय पब्लिक स्कूल में छात्रों को डेंगू प्रतिरोधक होम्योपैथिक दवा निःशुल्क वितरित

फतुहा। सोमवार को शहर के स्टेशन रोड स्थित नवोदय पब्लिक स्कूल में प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल के नेतृत्व में छात्रों के बीच डेंगू प्रतिरोधक होम्योपैथिक दवा का निःशुल्क वितरण किया गया। डॉ. पटेल ने बताया कि होम्योपैथी में डेंगू से बचाव के लिए प्रतिरोधक दवा उपलब्ध है और उनके द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को निःशुल्क दवा दी जाती है। इसी क्रम में नवोदय पब्लिक स्कूल में सैकड़ों छात्रों को दवा वितरित की गई। उन्होंने बताया कि डेंगू की रोकथाम के लिए ईयूपेटोरियम पर्फोलिएटम 200 नामक होम्योपैथिक दवा का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि डेंगू होने के बाद दवा का उपयोग चिकित्सकीय सलाह के अनुसार किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से किसी भी दवा का सेवन चिकित्सक की सलाह से ही करने की अपील की। मौके पर स्कूल के निदेशक अरुण पटेल सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

मस्ताना घाट पर गंगा में डूबने से 19 वर्षीय युवक की मौत

फतुहा। मस्ताना घाट पर सोमवार को गंगा में स्नान करने के दौरान 19 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बांकीपुर गोरख निवासी गनौरी मिस्त्री के पुत्र गौतम कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गौतम सुबह दोस्तों के साथ मस्ताना घाट पर क्रिकेट खेलने गया था। कुछ देर खेलने के बाद प्यास लगने पर वह घर जाकर पानी पीने चला गया और वापस घाट पहुंचकर तीन दोस्तों के साथ गंगा में स्नान करने लगा। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। करीब एक घंटे बाद स्थानीय नाविक की मदद से गौतम को गंगा से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फतुहा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं हादसे के बाद घाट पर लोगों की भीड़ जुट गई।

तेजस्वी यादव से अरविंद यादव ने की शिष्टाचार मुलाकात

फतुहा। फतुहा प्रखंड राजद के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया प्रत्याशी अरविंद यादव ने बीते रविवार की संध्या पटना के कौटिल्य निवास वेटनरी कॉलेज के समीप पूर्व उपमुख्यमंत्री सह राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अरविंद यादव ने अपना परिचय देते हुए संगठन एवं राजनीतिक गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वे आजीवन तेजस्वी प्रसाद यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे तथा इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर पूर्व पटना जिला राजद अध्यक्ष भोला सिंह, पिताबंरपुर पंचायत के राजद नेता सुजीत कुमार आदि थे।

कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की महत्वपूर्ण बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने की। बैठक में संगठन राष्ट्रीय महामंत्री रणविजय रोशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत चंद्रवंशी, राष्ट्रीय महामंत्री संजय सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए मजबूत संगठन, सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। चंद्रवंशी समाज को गांव से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की राजनीतिक और शासन में भागीदारी बढ़ाने के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से निरंतर संघर्ष करना होगा। समाज के युवाओं को संगठन से जोड़ना, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना तथा समाज के प्रतिभावान लोगों को आगे लाना महासभा की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सामाजिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी समाज के लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिए। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के विकास, सुशासन, रोजगार, सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए जनता की आकांक्षाओं को समझते हुए लोकतांत्रिक तरीके से सकारात्मक भूमिका निभाना आवश्यक है।

दांगी जाति के पात्र सदस्यों को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने का निर्देश

● दांगी जाति का प्रमाण पर बनाने के लिये डीएम ने की विशेष समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

गया।जिला पदाधिकारी, गया श्री शशांक शुभंकर ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अंचलाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दांगी जाति के पात्र सदस्यों को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। प्रणाम पत्र निर्गत करने में कुछ अंचलों में समस्या आ रही थी। जिला पदाधिकारी ने सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश के आलोक में सभी अंचलाधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि दांगी जाति के पात्र आवेदकों को जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करें।

जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करने में किसी भी पात्र आवेदक को अनावश्यक कठिनाई न हो तथा प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन किया जाए।जिला पदाधिकारी ने कहा कि पूर्व में दांगी जाति के पूर्वजों द्वारा कई स्थानों पर अभिलेखों एवं खतियान में कोईरी जाति का उल्लेख किया जाता रहा है। ऐसी स्थिति में संबंधित अभिलेखों की समुचित जांच करते हुए स्थानीय स्तर पर स्थल जांच भी कराई जाए तथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं नियमानुसार पात्रता की पुष्टि के बाद दांगी जाति का प्रमाण-पत्र निर्गत किया जाए। इस मामले में त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रतिनिधियों के माध्यम से प्रमाणित कराया जा सकता है।

सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि इस मामले में पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्य करते हुए दांगी जाति के पात्र लोगों को जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को सुगम एवं त्वरित बनाया जाए।

विश्व आदिवासी दिवस पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दी शुभकामनाएं

बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों और प्रदेशवासियों, विशेषकर आदिवासी एवं जनजातीय समाज के लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि भारत की आदिवासी एवं जनजातीय समाज की परंपराएं, लोक-संस्कृति, भाषाएं, कला, प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली और समृद्ध विरासत हमारी राष्ट्रीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। आदिवासी समाज ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ-साथ देश के सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमें विकास की मुख्यधारा में आदिवासी समाज की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनकी संस्कृति, परंपरा और अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ह्लसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व की भावना से ही एक समृद्ध, सशक्त और विकसित भारत का निर्माण संभव है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक शिव भक्तों की सेवा में जुटे रहे

पटना- धार्मिक आस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक बैकुंठधाम गौरीशंकर मंदिर में सेवा कार्य में जुटे रहे। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के दौरान स्वयंसेवकों ने प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फाउंडेशन की आपदा प्रबंधन टीम के आपदा मित्र मंदिर परिसर में तैनात रहे ।टीम में लाइफ जैकेट, टॉर्च और रस्सी जैसी बचाव सामग्री भी मौजूद थी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद की जा सके।

स्वयंसेवकों ने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को कतार में लगने, साफ-सफाई रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय कर भीड़ नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया गया।प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक गोपी ने बताया बैकुंठधाम मंदिर में हर बड़े आयोजन पर हमारे स्वयंसेवक सेवा के लिए उपस्थित रहते हैं। हमारा उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो और पूजा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने किया सराहना ड्यूटी के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों ने फाउंडेशन के युवाओं के अनुशासन और सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों के सहयोग से प्रशासनिक काम आसान हो जाता है। प्रेम यूथ फाउंडेशन लगातार धार्मिक स्थलों, सामाजिक कार्यक्रमों और आपदा के समय प्रशासन का सहयोग करता आ रहा है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने किया पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

■ आरा स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज 10.08.2026 को पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने इस रेलखंड के रेलवे ट्रैक, रेल पुलों आदि का मुआयना किया। महाप्रबंधक ने रेल ट्रैक के बेहतर रख-रखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए संरक्षित रेल परिचालन के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आरा जं. पर चल रहे निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा पर पूरा करने का निर्देश दिया । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा ।निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा आरा जं. पर नवनिर्मित सिक लाइन शेड, कोचिंग डिपो आरा का निरीक्षण के उपरांत उद्घाटन किया गया । इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय द्वारा आरपीएफ बैरक सह पोस्ट, आरा एवं रेलवे कॉलोनी, आरा में कर्मचारियों के कल्याणार्थ हेल्थ सेंटर का उद्घाटन किया गया । निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार तथा मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष से मिले बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना कोलकाता। अपने पश्चिम बंगाल दौरे के क्रम में आज बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पश्चिम बंगाल विधान सभा के अध्यक्ष रथिन्द्र बोस से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। रथिन्द्र बोस ने बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने डॉ. प्रेम कुमार को पश्चिम बंगाल विधान सभा से संबंधित कई महत्वपूर्ण पुस्तकें तथा पश्चिम बंगाल विधान सभा द्वारा प्रकाशित डायरी सम्मान स्वरूप भेंट की। डॉ. प्रेम कुमार ने भी पश्चिम बंगाल विधान सभा अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया।रथिन्द्र बोस ने डॉ. प्रेम कुमार को विधान सभा की कार्यप्रणाली तथा सदन के अंदर विधायकों के बैठने की व्यवस्था का भी अवलोकन कराया। इस अवसर पर उनके बीच दोनों राज्यों की विधान सभा की गौरवशाली परंपराओं, लोकतांत्रिक व्यवस्था, विधायी कार्यप्रणाली तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर विस्तृत एवं सार्थक परिचर्चा हुई।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार विधान सभा देश की प्राचीन और महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक संस्थाओं में से एक है। बिहार विधान सभा ने समय-समय पर जनहित के मुद्दों को सदन में उठाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने तथा जनता की आकांक्षाओं को शासन व्यवस्था तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल केवल पड़ोसी राज्य ही नहीं, बल्कि दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक एवं भावनात्मक संबंध भी अत्यंत गहरे हैं।

अंतिम संस्कार में गया युवक गंगा नदी में नहाने के दौरान डूबा, खोजबीन शुरू

दानापुर। नगर के अंतर्गत अंतिम संस्कार में गए एक युवक गंगा नदी में नहाने गए तेज बहाव में डूब गया। डूबने की खबर मिलते हैं उसके परिवार एवं आसपास के लोग जुट गए। परिजन चीत्कार कर उठे। उधर लोग उसे निकालने के प्रयास में जुट गया। पर सफलता नहीं मिली। सूचना पर पहुंची अकिलपुर थाना पुलिस ने डूबे हुए युवक को निकालने को लेकर एसडीआरएफ की बुलाई। बताया जाता है कि दियारा क्षेत्र के अकिलपुर थाना अंतर्गत क्षेत्र के पुरानी पानापुर निवासी भागदेव राय का पुत्र 30 वर्षीय सुबोध कुमार अपने कुटिया में एक महिला की मौत पर उनकी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पुरानी पानापुर घाट पर गया था। अंतिम संस्कार के बाद सुबोध गंगा नदी में स्नान करने लगा। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जिला परिषद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने बताया कि सुबोध के गोतिया में किसी महिला का निधन हो गया था। इस अंतिम संस्कार में सुबोध गया था। स्नान करने के दौरान वो गंगा में डूब गया। डूबने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग एवं परिजन चित्कार करते हुए गंगा घाट पहुंचे। उधर लोग अपने स्तर से भी डूबे हुए व्यक्ति की तलाश में जुट गए। पुलिस डूबे हुए व्यक्ति को निकालने की कार्रवाई में जुटी।

केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज हेतु 07 करोड़ से अधिक के आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर । पूर्व मध्य रेल के केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (उररल), पटना में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज हेतु महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह एवं पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरएफसी) द्वारा प्रदत्त रु. 7,28,20,943/- के चिकित्सा उपकरणों का का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार दूबे, अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ एन.के.सजीव, चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्र सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे ।

इंडियन रेलवे फाईनेन्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदत्त निधि से लैप्रोस्कोपिक मशीन, ईकोकार्डियो स्कैनिंग मशीन, मल्टीरपैरा कर्डियक मॉनिटर, मोटराईज्डो बेड, सीटीजी मशीन, ओटी टेबल, ईसीजी मशीन जैसे आधुनिक चिकित्सा उपकरण खरीदे गये है। इस अस्पताल में खरीदे गये चिकित्सा उपकरण से ईलाज की गुणवत्तात में काफी सुधार होगा ।

इस अवसर पर महाप्रबंधक द्वारा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/आईआरएफसी धन्यवाद दिया इसके साथ ही पीसीएमएम, पीएफए व चिकित्सा निदेशक को सीमित समय में इन मशीनों के खरीद करने के लिए प्रशंसा की।

पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह ने कहा कि अस्पताल में विशेष अवसरों पर सभी मरीजों को चिकित्सा सहायता दी जा जाती रही है जो निरंतर जारी रहेगी। विशिष्ट अतिथि श्री मनोज कुमार दूबे ने कहा आईआरएफसी के भारत में 52वें स्थान की लाभकारी संगठन है जिसका कुछ अंश कल्याााणकारी कार्य में दिया जाता है। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ संध्या किरण, एसीएचडी/सामान्य एवं डॉ ए. के. ओझा, एसीएचडी/एडमिन द्वारा घन्यवाद ज्ञापन किया गया।

हां घरों में होते थे 40 प्रतिशत से ज्यादा प्रसव, वही पंचायतें बन रही देश में नजीर

● 11 जिलों की 80 पंचायतें बनीं गृह प्रसव मुक्त मॉडल मुजफ्फरपुर ने पेश की सबसे बड़ी मिसाल

लेखिका- डॉ मीणा सामंत, निदेशक, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, जयप्रभा मेदांता हॉस्पिटल, पटना

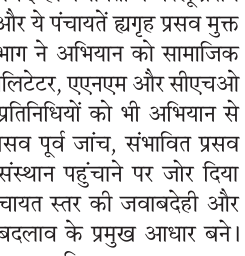

पटना। पहले बच्चे के जन्म के समय मैंने घर पर प्रसव कराया था। उस समय अनजाने में अपनी और बच्चे दोनों की जान जोखिम में डाल दी थी। दाई बार-बार कह रही थी कि सब ठीक है, लेकिन मेरा खून बहना बंद नहीं हो रहा था। दूसरे बच्चे के समय मैंने सरकारी अस्पताल में प्रसव कराया। वहां डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने जिस तरह सुरक्षा और देखभाल दी, वैसा भरोसा घर पर कभी नहीं मिल सकता था।मुजफ्फरपुर के गायघाट प्रखंड के बाघा खाल गांव की नीलम देवी का यह अनुभव बिहार में बदलती सोच की तस्वीर है। करीब दो वर्ष पहले तक 11 जिलों के 27 प्रखंडों की 80 पंचायतों में 40 प्रतिशत से अधिक प्रसव घरों में होते थे। जागरूकता की कमी, स्वास्थ्य संस्थानों की दूरी, समय पर परिवहन नहीं मिलना और पीढ़ियों से चली आ रही सामाजिक मान्यताएं इसकी प्रमुख वजह थीं। अब इन्हीं पंचायतों में घरेलू प्रसव घटकर 5 से 8.5 प्रतिशत के बीच रह गया है और ये पंचायतें ह्यगृह प्रसव मुक्त मॉडल के रूप में सामने आई हैं।स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सामाजिक व्यवहार परिवर्तन से जोड़ा। आशा, आशा फैसिलिटेटर, एएनएम और सीएचओ को विशेष उन्मुखीकरण दिया गया। पंचायत प्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ा गया। गर्भवती महिलाओं की ट्रैकिंग, प्रसव पूर्व जांच, संभावित प्रसव तिथि की निगरानी और समय पर स्वास्थ्य संस्थान पहुंचाने पर जोर दिया गया।मुजफ्फरपुर में समुदाय की भागीदारी, पंचायत स्तर की जवाबदेही और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ा विश्वास बदलाव के प्रमुख आधार बने। जिले की 19 पंचायतों में घरेलू प्रसव घटकर महज 2 प्रतिशत रह गया।गायघाट की बाघा खाल पंचायत की मुखिया विभा कुमारी ने बताया कि वर्षों पुरानी सोच बदलना सबसे बड़ी चुनौती थी। घर-घर जाकर अस्पताल में प्रसव के फायदे बताए गए और जरूरत पड़ने पर वाहन व आशा कार्यकताओं का सहयोग दिया गया। आज पंचायत में कोई प्रसव घर पर नहीं होता।मुजफ्फरपुर के सिविल सर्जन डॉ. सुधीर कुमार के अनुसार, घरेलू प्रसव को 2 प्रतिशत तक सीमित करना जनभागीदारी, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और स्वास्थ्यकर्मियों की मैदानी मौजूदगी का परिणाम है।सारण के पानापुर प्रखंड की बसहियां और कोंध पंचायतों में, जहां एक वर्ष पहले लगभग 45 प्रतिशत प्रसव घरों में होते थे, अब संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला है। जिलाधिकारी अमन समीर की निगरानी में ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम बनाई गई। कोंध के मुखिया अमरेंद्र सिंह और बसहियां की मुखिया हीरा देवी के नेतृत्व में घर-घर संवाद किया गया।किशनगंज के बहादुरगंज, दिघलबैंक, टेढ़ागाछ, पोठिया, कोचाधामन और ठाकुरगंज जैसे दूरस्थ प्रखंडों की अनेक पंचायतों में संस्थागत प्रसव 95 से 100 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। वहीं लखीसराय में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार के निर्देश पर नियमित समीक्षा, स्वास्थ्य संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार और एंबुलेंस उपलब्धता पर जोर दिया जा रहा हैपटना एम्स की एडिशनल प्रोफेसर एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. इंदिरा प्रसाद के अनुसार, संस्थागत प्रसव मातृ और शिशु सुरक्षा की अनिवार्य नींव है। प्रसव के दौरान पोस्टपार्टम हेमरेज जैसी आपात स्थिति में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं निर्णायक होती हैं।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं में बिहार की उल्लेखनीय उपलब्धि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मिशन परिवार विकास अभियान/पखवाड़ा के तहत बिहार में परिवार नियोजन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए 11 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 के बीच विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों की जानकारी दी गई तथा इच्छुक लाभार्थियों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।11 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के दौरान राज्य में परिवार नियोजन की विभिन्न सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई। इस दौरान 19,065 महिला बंध्याकरण, 470 पुरुष नसबंदी और 50,453 कॉपर-टी संस्थापन किए गए। वहीं, 93,787 लाभार्थियों को गर्भनिरोधक सूई (अंतरा) की सेवा प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त गर्भनिरोधक गोलियां (माला-एन, छाया एवं ईसी) तथा अन्य गर्भनिरोधक साधनों का वितरण किया गया।महिला बंध्याकरण ऑपरेशन में पटना जिला 1,364 ऑपरेशन के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद बेगूसराय में 1,280 और वैशाली में 1,058 महिला बंध्याकरण ऑपरेशन किए गए। जनसंख्या अनुपात के आधार पर खगड़िया, नवादा, बेगूसराय और वैशाली ने निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 80 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की।पुरुष नसबंदी में वैशाली जिला 70 ऑपरेशन के साथ प्रथम रहा। सिवान में 64, जबकि बेगूसराय और रोहतास में 47-47 पुरुष नसबंदी ऑपरेशन किए गए। जनसंख्या अनुपात के आधार पर वैशाली, सिवान, औरंगाबाद, रोहतास, नवादा, शेखपुरा और बेगूसराय निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध बेहतर प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की।

मुख्यमंत्री के साथ तिरंगा यात्रा में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी

तिरंगा हमारी आन, बान और शान, हर घर-प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराना राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य : सरावगी

- हर घर तिरंगा अभियान को जनआंदोलन बनाने का लें संकल्प

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। स्वतंत्रता दिवस के पहले राजधानी पटना सोमवार को पूरी तरह देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आई। बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित तिरंगा यात्रा में हजारों की संख्या में बच्चे, युवा और आम नागरिक हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक निकली इस तिरंगा यात्रा ने राजधानी के माहौल को राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और उत्साह से भर दिया। बैंड की थाप और हाथों में लहराते तिरंगे के बीच पूरा मार्ग भारत माता की जय और राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत नजर आया।प्रदेश अध्यक्ष ने जेपी गोलंबर पहुंचकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक आयोजित तिरंगा यात्रा में पैदल सहभागिता की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी बच्चों और अन्य प्रतिभागियों के साथ हाथ में तिरंगा लेकर करीब डेढ़ किलोमीटर तक पैदल चले। यात्रा के समापन पर प्रदेश अध्यक्ष ने कारगिल चौक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर मां भारती की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस अवसर पर सरावगी ने कहा कि हमारा तिरंगा हमारे मान, सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है।

आज तिरंगा यात्रा एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। पूरे देश में तिरंगा यात्रा की धूम है और बिहार में भी गांव-गांव तक राष्ट्रभक्ति का यह संदेश पहुंच रहा है।उन्होंने कहा कि पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई है, जबकि 12 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर तिरंगा यात्राएं आयोजित की जाएंगी। गांव-गांव में भी लोग तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं।

उन्होंने सभी लोगों से अपने आवास और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने तथा हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर और हर प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्रा निकालने का अभियान पूरे देश में जनभागीदारी का स्वरूप ले चुका है। राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के माध्यम से भी देशभक्ति की भावना को मजबूत किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और यह हमें राष्ट्र के लिए सदैव अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष का हर घर तिरंगा अभियान वंदे मातरम् को समर्पित है और हम सभी इसके 150वें वर्ष का स्मरण कर रहे हैं। राष्ट्र प्रथम का प्रेरक मंत्र देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश हर घर और हर हृदय तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है।तिरंगा यात्रा में बिहार मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ सदस्य, विधायक, जनप्रतिनिधि, भाजपा के प्रदेश के सभी महामंत्री, प्रदेश पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। बच्चों और युवाओं की बड़ी भागीदारी ने यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया। हाथों में तिरंगा लेकर पैदल चलते लोगों ने राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति अटूट समर्पण का संदेश दिया।

सर्वे कार्य सबसे महत्वपूर्ण, इसे पूरा करने के लिए सरकार पूरी तरह वचनबद्ध : दिलीप

- पांच जिलों के अधिकारियों के साथ विशेष सर्वेक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को पांच जिलों में चल रहे विशेष सर्वेक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जहानाबाद, लखीसराय, शिवहर, अरवल एवं शेखपुरा जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों के साथ सर्वेक्षण कार्य के प्रगति की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

मंत्री ने कहा कि विशेष सर्वेक्षण का कार्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और सरकार इसे पूरा करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। सर्वेक्षण कार्य पूरा होने से भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता आएगी और जमीन से जुड़े विवादों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि थानों में बड़ी संख्या में मामले भूमि विवाद से जुड़े होते हैं। ऐसे में विशेष सर्वेक्षण का सफल एवं समयबद्ध निष्पादन राज्य में भूमि विवादों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बैठक के दौरान भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत ने प्रजेंटेंशन के माध्यम से सर्वे कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। विभाग के सचिव जय सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्य के साथ-साथ गैप एनालिसिस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि सर्वेक्षण कार्यों में आ रही कमियों एवं चुनौतियों की पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि गैप एनालिसिस के आधार पर सर्वेक्षण कार्य की प्रगति की लगातार समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा किया जा सके।

समीक्षा के दौरान कुछ मौजों के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने की जानकारी सामने आने पर माननीय मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मियों को चिन्हित कर लापरवाही के लिए कड़ी कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण से जुड़े अभिलेख अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंत्री ने निर्देश दिया कि लेवल-7 के अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया जाए, जो सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने तक संबंधित दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करने, उनके सुरक्षित रख-रखाव तथा अभिलेखों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सभी जिलों में सर्वेक्षण से संबंधित रिकॉर्ड को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया।

मंत्री ने कहा कि दस दिनों के बाद पुनः सर्वेक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में राज्य के सभी एएसओ एवं संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन जुड़ेंगे। उन्होंने

ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव ने की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पटना। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से सोमवार को राज्य के सभी उप विकास आयुक्तों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय प्रधान सचिव पंकज कुमार ने की। बैठक में विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जिलावार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में वीबी-जी राम जी, जल-जीवन-हरियाली अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, सामाजिक अंकेक्षण, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यालयों का निरीक्षण, न्यायालयीन मामलों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण आदि विषयों की समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में वीबी-जी राम जी के तहत सामग्री एवं मजदूरी मद के एफटीओ, चल रही योजनाओं, कार्य पूर्णता, रोजगार की मांग एवं उपलब्धता, ई-केवाईसी, पौधारोपण और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई जहां श्रमिकों के ई-केवाईसी को प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर जोर दिया गया। बैठक में जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने एवं तालाब-पोखर के जीर्णोद्धार की प्रगति की समीक्षा हुई। जीविका के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज, पशुधन आधारित आजीविका एवं जीविका सुधा बिक्री केंद्र, सिलाई-सह-वेयरहाउस केंद्र, मनरेगा भुगतान, प्रखंड परिसर में दीदी अधिकार केंद्र की स्थापना एवं वित्तीय प्रबंधन से संबंधित विषयों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि अधिकारी लंबित जन शिकायतों एवं विभागीय मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करें। साथ ही एक्शन टेकेन रिपोर्ट (एटीआर) शीघ्र उपब्ध कराएं। कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों एवं ग्रामीण समुदाय तक प्रभावी रूप से पहुंचाना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है।

राज्य के 7,490 एकड़ नए क्षेत्रों में गन्ने की खेती का होगा विस्तार

पटना। राज्य में स्थापित होने वाली नई चीनी मिलों को देखते हुए बिहार के 7490 एकड़ नए क्षेत्रों में गन्ने की खेती का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए बिहार सरकार ने राज्य योजना के अंतर्गत कृषि रोड मैप के तहत नये क्षेत्रों में गन्ना फसल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 14.90 करोड़ रुपये स्वीकृत किया है। विदित हो कि राज्य सरकार ने बिहार में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बंद चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने के साथ ही नई चीनी मिलें लगाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। इसको लेकर नये क्षेत्रों में गन्ना फसल क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम शुरू किया गया है। ताकि राज्य में गन्ने की खेती का क्षेत्र विस्तार होने के साथ ही किसानों की आय में वृद्धि हो सके और नई एवं कार्यरत चीनी मिलों के लिए पर्याप्त मात्रा में गन्ना की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इसके लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 14.90 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। गन्ना उद्योग विभाग के अनुसार इस योजना के तहत राज्य में कुल 7,490 एकड़ अतिरिक्त क्षेत्रों में गन्ने की खेती को विस्तार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए किसानों को प्रोत्साहन एवं आवश्यक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना के कार्यान्वयन में सहायक निदेशक, ईख विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।गन्ना उद्योग विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे नये क्षेत्रों में गन्ना खेती अपनाकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं और गन्ना क्षेत्र विस्तार के साथ अपनी आय में वृद्धि करें।

पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाएः डीएम

पटना। प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने संबंधित अधिकारियों, बैंकों एवं कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने योजना के तहत सोलर पैनल स्थापना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के उच्च मानकों के साथ सभी कार्य को पूरा किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है। इसका उद्देश्य परिवारों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली के खर्च को कम करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से आच्छादित करने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार किया जाए तथा सोलर पैनल स्थापना में अनावश्यक विलंब नहीं हो।बैठक में बताया गया कि योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों के घरों पर निःशुल्क सोलर पैनल स्थापित किए जा रहे हैं। इस योजना अंतर्गत पटना जिला में नवंबर माह तक कुल 5,585 सोलर पैनल स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरुद्ध अब तक 441 सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने शेष लक्ष्य को निर्धारित अवधि में पूरा करने के लिए कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि वे कार्यकारी एजेंसी सनफीड इको सोलूशन्स के कार्यों का निरंतर अनुश्रवण करें तथा कंपनी द्वारा पर्याप्त मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि वर्तमान में प्रतिदिन लगाए जा रहे 100 सोलर पैनल की संख्या बढ़ाएं एवं कल से प्रतिदिन 150 सोलर पैनल स्थापित कराना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्यबल एवं संसाधनों में आवश्यक वृद्धि की जाए तथा क्षेत्रवार कार्य की नियमित समीक्षा की जाए। सोलर पैनल स्थापना की गति बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का लाभ गैर-बीपीएल परिवारों को भी दिया जा रहा है। ऐसे इच्छुक लाभुकों को सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

गैर-बीपीएल परिवार के लाभुक द्वारा 1 किलोवाट का सोलर संयंत्र स्थापित करने पर 30,000 रुपये, 2 किलोवाट के संयंत्र पर 60,000 रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर अधिकतम 78,000 रुपये तक की सब्सिडी दी जाती है।

इसके अतिरिक्त, इच्छुक लाभुकों को सोलर पैनल स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है।योजना के अंतर्गत ऋण आवेदनों को बैंकों द्वारा अस्वीकृत किए जाने के मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि छोटे-मोटे एवं सुधार योग्य कारणों के आधार पर ऋण आवेदनों को अस्वीकृत नहीं किया जाए।

हर घर तिरंगा अभियान के जरिए गांव-गांव तक देशभक्ति की भावना का संचार करने का प्रयासः राम कृपाल यादव

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य के सभी सहकारी समितियों एवं कार्यालयों द्वारा हर घर तिरंगा-2026 का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। राज्यभर के जिला स्तरीय सहकारी बैंक, पैक्सों (प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों) एवं अन्य सहकारी संस्थानों द्वारा सोमवार को बाइक रैली निकाल कर लोगों को जागरुक किया गया है। साथ ही, पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्राएं भी निकाली गयीं, जिनमें सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहकारी समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की है। सभी जिला मुख्यालयों के महत्वपूर्ण चौक-चौराहों से गुजरती हुई बाइक रैली एवं तिरंगा यात्रा लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहीं। अगले एक सप्ताह में विभाग द्वारा जिला एवं पंचायत स्तर पर विविध जागरुकता कार्यक्रमों का संचालन प्रस्तावित है, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, रंगोली, सेल्फी विद तिरंगा इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं । सहकारिता विभाग के मंत्री राम कृपाल यादव के अनुसार, राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहकारिता विभाग का महत्वपूर्ण योगदान है। विभाग की पंचायत स्तर तक मजबूत उपस्थिति है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से गांव-गांव तक आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुरूप 17 अगस्त 2026 तक इस अभियान को संचालित किया जा रहा है।

एनडीए सरकार में गलत करने वालों को बख्शा नहीं जाता, विपक्ष अपने गिरेबान में झाँके : लेशी सिंह

- जनसुनवाई में मंत्री लेशी सिंह एवं सुनील कुमार ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार की मंत्री लेशी सिंह एवं सुनील कुमार ने प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के विधि-सम्मत त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में लेशी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के निदेर्शानुसार सोमवार से शुक्रवार तक नियमित रूप से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसमें आने वाले सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाता है तथा जिस विभाग से संबंधित मामला होता है, उसके तत्काल निष्पादन हेतु आवश्यक पहल की जाती है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में गलत करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाता है। विपक्ष को अनर्गल आरोप लगाने के बजाय पहले अपने गिरेबान में झाँकना चाहिए और अपने अतीत को याद करना चाहिए।

अपराध और अपराधियों के प्रति एनडीए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति : सुनील

मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 में जब मा0 नीतीश कुमार ने बिहार की बागडोर संभाली, तब राज्य में कानून का राज स्थापित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा। उनके नेतृत्व में बिहार को भय और अराजकता के माहौल से बाहर निकालकर सुशासन की दिशा में आगे बढ़ाया गया। आज बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर और प्रतिबद्ध है। प्रदेश में कहीं भी आपराधिक घटना होती है, तो सरकार और प्रशासन द्वारा अपराधियों के विरुद्ध पूरी सख्ती के साथ त्वरित कार्रवाई की जाती है। एनडीए सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है।

बिहार और तेलंगाना के बीच कृषि क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग : विजय

- तेलंगाना में स्थित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कृषि संस्थानों का करेंगे भ्रमण, बिहार में लागू करने की संभावनाओं पर होगा मंथन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। तेलंगाना दौरे पर रवाना होने से पहले कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के कृषि क्षेत्र को आधुनिक, तकनीक आधारित एवं रोजगारोन्मुख बनाने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से यह दौरा महत्वपूर्ण है। इस दौरान तेलंगाना में कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, आधुनिक तकनीकों एवं सफल प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की जाएगी। उनके साथ कृषि विभाग के प्रधान सचिव, कृषि निदेशक एवं उद्यान निदेशक भी रहेंगे।

दौरे के दौरान कृषि मंत्री तेलंगाना के माननीय कृषि मंत्री, कृषि विभाग के सचिव एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कृषि, सिंचाई, फसल विविधीकरण, डिजिटल कृषि, कृषि प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही, तेलंगाना में स्थित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कृषि संबंधी संस्थानों का भ्रमण कर वहाँ हो रहे अनुसंधान, नवाचार एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से रूबरू होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार और तेलंगाना की कृषि परिस्थितियाँ अलग हैं, लेकिन किसानों की आय बढ़ाना दोनों राज्यों की साझा प्राथमिकता है। तेलंगाना में किए जा रहे सफल प्रयोगों एवं नवाचारों को समझते हुए बिहार की परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी तकनीकों और मॉडलों को अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में बीज उत्पादन एवं बीज विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत बीज कृषि उत्पादकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण आधार है।

इस दौरे से कृषि तकनीक, सिंचाई एवं जल प्रबंधन, बागवानी, कृषि प्रसंस्करण, ऋद्धड आधारित मूल्यवर्धन, कृषि उद्यमिता एवं निर्यात के क्षेत्र में नई संभावनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।

पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम करें : चिराग

- लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक : संगठन विस्तार एवं आगामी चुनावों की तैयारियों पर हुई चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की अध्यक्षता में आयोजित हुई।बैठक में पार्टी की नीतियों, संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों तथा विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने तथा पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी सह प्रवक्ता निशांत मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन की तैयारियों, विभिन्न राज्यों में पार्टी की गतिविधियों को और तेज करने तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्राप्त हुए।

उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अपने संस्थापक पद्म भूषण स्वर्गीय रामविलास पासवान के विचारों और आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के संकल्प के साथ जनसेवा एवं जनहित के मुद्दों पर मजबूती से कार्य कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी का संगठन देश के विभिन्न राज्यों में निरंतर विस्तार कर रहा है।राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। संगठन की मजबूती, जनसेवा के संकल्प और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

वंदे मातरम् विधेयक का राज्यसभा से पारित होना ऐतिहासिक उपलब्धि

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राज्यसभा में वंदे मातरम विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। चिराग पासवान ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की देशभक्ति, त्याग, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सम्मान से जुड़ी हमारी अमूल्य धरोहरों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला यह निर्णय स्वागत योग्य है। ऐसे प्रयास भारत की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को और सशक्त करेंगे।

पर्यटन मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर प्रस्तावों पर स्वीकृति देने का किया अनुरोध

गयाजी से राजगीर तक बदलेगा पर्यटन का चेहरा, विभाग ने 2,130 करोड़ रुपये की योजना केंद्र को सौंपी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों के समग्र विकास की योजनाओं को गति देने के लिए पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के तहत बिहार सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्तावों पर शीघ्र विचार करते हुए सैद्धांतिक स्वीकृति देने का अनुरोध किया, ताकि राज्य के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर विकास कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू किए जा सकें।

पर्यटन मंत्री ने बैठक के दौरान गयाजी-बोधगया और नालंदा-राजगीर के लिए तैयार की गई व्यापक गंतव्य रणनीति एवं विकास योजना की जानकारी केंद्रीय मंत्री को दी। बिहार सरकार ने गयाजी-बोधगया के समग्र विकास के लिए 1,080 करोड़ रुपये तथा नालंदा-राजगीर के लिए 1,050 करोड़ रुपये की विकास योजना तैयार की है। दोनों योजनाओं के विस्तृत आधारभूत विश्लेषण प्रतिवेदन भी केंद्र सरकार को उपलब्ध कराए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के अनुरूप इन योजनाओं का उद्देश्य बिहार के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की पर्यटन क्षमता को बढ़ाना है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार, आधारभूत संरचना का विकास और पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित एवं टिकाऊ तरीके से बढ़ावा देना है।

हेरिटेज हाट और इंटरनेशनल फूड कोर्ट का भी प्रस्ताव

गयाजी-बोधगया विकास योजना के तहत हेरिटेज हाट, बोधगया और इंटरनेशनल फूड कोर्ट से जुड़ी दो योजनाओं का प्रस्ताव भी केंद्र को दिया गया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से बोधगया आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय कला, संस्कृति और खान-पान को भी बढ़ावा देने की योजना है।

इसके अलावा स्वदेश दर्शन योजना के तहत बेगूसराय जिले के सिमरिया घाट के विकास के लिए 1,216.02 लाख रुपये (लगभग 12.16 करोड़ रुपये) का परियोजना प्रस्ताव भी केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। इसकी स्वीकृति फिलहाल प्रतीक्षित है।

पर्यटन मंत्री ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री से अनुरोध करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों पर जल्द निर्णय लिया जाए और संबंधित योजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की जाए।

इससे गयाजी, बोधगया, नालंदा और राजगीर में प्रस्तावित विकास कार्यों को बिना विलंब आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से बिहार के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को विश्वस्तरीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक विरासत गंतव्य के रूप में विकसित करने के प्रयासों को गति मिलेगी।

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत तिरंगा यात्रा में सुधा ने उपलब्ध कराए निःशुल्क पेय पदार्थ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा द्वारा हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से कारगिल चौक, पटना तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा में शामिल प्रतिभागियों की सुविधा एवं सेवा के लिए बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड द्वारा यात्रा मार्ग में सुधा का विशेष स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल के माध्यम से तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों को निःशुल्क सुधा जल, लस्सी एवं छाछ सहित अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराए गए।इस अवसर पर बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, ने सुधा द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य सचिव का स्वागत किया गया।सुधा के स्टॉल पर तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों, नवयुवकों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने शीतल एवं पौष्टिक पेय पदार्थों का सेवन किया। भीषण गर्मी के बीच निःशुल्क पेय पदार्थों की यह व्यवस्था यात्रा में शामिल लोगों के लिए काफी उपयोगी एवं राहत देने वाली रही।

संक्षिप्त खबरें

सीईआईआर पोर्टल एवं ऑपरेशन मुस्कान के तहत खोया एंड्रॉयड मोबाइल बरामद

मधुबनी। बासोपट्टी थाना पुलिस ने सीई आईआर पोर्टल एवं ऑपरेशन मुस्कान के तहत कार्रवाई करते हुए खोया हुआ एक एंड्रॉयड मोबाइल बरामद कर लिया। बरामद मोबाइल को आवश्यक सत्यापन के बाद उसके वास्तविक धारक को सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से मोबाइल धारक को राहत मिली। थाना पुलिस ने लोगो से अपील की कि मोबाइल गुम या चोरी होने की स्थिति में तत्काल इसकी सूचना संबंधित थाना को दें तथा सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल की जानकारी दर्ज कराए, ताकि मोबाइल की बरामदगी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बाबा कुशेश्वरनाथ के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, पुलिस-स्वयंसेवकों ने संभाली कमान

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। सावन की दूसरी सोमवारी को मिथिलांचल के देवघर कहे जाने वाले बाबा कुशेश्वरनाथ मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा. एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की. आधी रात से ही शिवगंगा घाट पर स्नान और घुमावदार बैरिकेडिंग में कतार लग गई थी। पट खुलते ही गूंजा हर हर महादेव सुबह सरकारी पूजा के बाद करीब 2 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर का प्रवेश द्वार खोला गया .चंद्रकूप से जल लेकर भक्तों ने अरघा में जल, बेलपत्र और पुष्प चढ़ाए . गर्भगृह में अरघा से जल अर्पित करने की व्यवस्था होने से भीड़ में धक्का-मुक्की नहीं हुई .महिला और पुरुषों की कतार अलग-अलग थी . जो हजारी हाउस से लेकर बस स्टैंड तक पहुंच गई थी। शाम में बाबा की श्रृंगार पूजा और महाआरती के साथ जलाभिषेक का समापन हुआ. समस्तीपुर, खगड़िया, मधुबनी, सहरसा के अलावा नेपाल से भी श्रद्धालु पहुंचे भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का दावा किया गया था . लेकिन जमीनी हकीकत अलग दिखी . जिन चिन्हित स्थानों पर ड्यूटी के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त थे . वे अपने स्थानों पर नहीं मिले . मंदिर परिसर, शिवगंगा घाट और बाजार में दंडाधिकारी का कहीं अता-पता नहीं था . जबकि सुबह लगभग 7 बजे से कुछ दंडाधिकारी अपने ड्यूटी पर आ गए थे ऐसे में कमान पुलिस पदाधिकारियों और नव नियुक्त 300 स्वयंसेवकों ने संभाली स्वयंसेवकों ने बैच और टीशर्ट पहनकर श्रद्धालुओं को कतार में लगवाया और रास्ता दिखाया।

बीएड द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के शिक्षा संकाय में बीएड सत्र 2025-27 के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए सोमवार को द्वितीय वर्ष उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभाग के बहुउद्देशीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षु शिक्षकों को द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया एवं आगामी कार्ययोजना से अवगत कराना था। कार्यक्रम में शत-प्रतिशत प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार मिलन एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रशिक्षु शिक्षकों ने इतनी शक्ति हमें देना दाता, प्रार्थना प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष ने स्वागत संबोधन में पिछले वर्ष की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं व्यावहारिक अनुभवों की समीक्षा करते हुए आगामी सत्र की कार्ययोजना साझा की। उन्होंने प्रशिक्षु शिक्षकों के ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व एवं शिक्षण दक्षता के विकास पर जोर देते हुए विभाग के संदेश शिक्षार्थी नेतृत्व करें को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी सीखने की यात्रा का सक्रिय नेतृत्वकर्ता बनें। साथ ही सकारात्मक सोच के लिए उन्होंने कहा, जीवन में मुस्कुराना बहुत जरूरी है, मुस्कुराते रहिए। डॉ. निधि वत्स ने द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या की विस्तृत जानकारी दी।

अपहरण का आरोपी की जमानत याचिका खारिज

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार की अदालत ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण का आरोपी नेहरा थानाक्षेत्र के महरैल निवासी राकेश झा की जमानत याचिका खारिज कर दिया है लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि आरोपी नेहरा थानाकांड सं. 75/26 में गत 9 जुलाई से काराधीन है वहीं एडीजे श्री कुमार की कोर्ट ने डकैती के आरोप में संस्थित मनीगाछी थानाकांड सं.240/23 के अभियुक्त मकरन्दा गांव के कन्हैया राय का अग्रिम जमानत खारिज कर दिया है इसके अलावे अपर सत्र न्यायाधीश आदिदेव की अदालत ने रंगदारी की मांग करने और नही देने पर प्राणलेवा हमला करने , गाड़ी का शीशा तोड़कर मारपीट करने की आरोप में संस्थित हायाघाट थानाकांड सं. 103/26 के चार अभियुक्तों की अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिया है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन में मधुबनी अव्वल 4.88 लाख लाभार्थियों को मिले 55.65 करोड़

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को राज्य के सभी छह प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 1 करोड़ 1 लाख 32 हजार 888 लाभार्थियों के खातों में जुलाई 2026 की पेंशन राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया। इस दौरान कुल 11 अरब 57 करोड़ 71 लाख 84 हजार 700 रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में भेजी गई।मधुबनी जिले में 4 लाख 88 हजार 940 पेंशनधारियों के खातों में 55 करोड़ 65 लाख 45 हजार 300 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। जिला प्रशासन के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में मधुबनी में सबसे अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि का भुगतान हुआ है। समाहरणालय स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिलाधिकारी आनंद शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और असहाय महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिला प्रशासन सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत राज्यभर में लाभार्थियों को राशि का भुगतान किया गया है। इनमें बिहार राज्य निःशक्ता पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्ता पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव भी जाने। इंद्रकला देवी, सुनीता देवी, मेहरून निशा, राधा देवी, रामचंद्र राम और भोला प्रसाद ने मुख्यमंत्री, राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर बाल संरक्षण अधिकारी अजय कुमार राय सहित विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभार्थी मौजूद थे।

जिला समन्वय समिति की बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का डीएम ने दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीडब्ल्यूजेसी,एमजेसी, मानवाधिकार, लोकायुक्त, आरटीपीएस, लोक शिकायत निवारण, सीपीग्राम, ई-कंप्लायंस डैशबोर्ड, जनता दरबार, राजस्व जन शिकायत सहित विभिन्न मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें तथा मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब न हो।उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने विभाग से जुड़े मामलों की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में सर्वप्रथम अभियान बसेरा के अंतर्गत पर्चा वितरण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को पर्चा वितरण का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।साथ ही पर्चा वितरण से संबंधित सभी आवश्यक विवरणों को संबंधित पोर्टल पर भी अनिवार्य रूप से अपलोड करने को कहा। 15 अगस्त को जिले के सभी प्रखंड एवं अंचल स्तर पर पर्चा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारी समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया।उन्होंने जिले में राशन कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि जिले में अब तक 8,500 से अधिक राशन कार्ड का निर्माण किया जा चुका है।

दो दिवसीय सत्याग्रह और किसान महासभा के लिए प्रतिनिधियों का हुआ चयन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत लक्ष्मी नारायण सिंह के निजी आवासीय परिसर में भाकपा माले की बैठक मेघन भगत की अध्यक्षता एवं राज्य कमिटी सदस्य ललन कुमार के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम दिवंगत ट्रेड यूनियन नेता आर.एन. ठाकुर, पूर्व राज्य सचिव नंद किशोर प्रसाद और नीट पेपर लीक के तनाव में जान गंवाने वाले 21 छात्रों की याद में एक मिनट का मौन रखकर शोक जताया गया।प्रखंड सचिव अजय कुमार ने कार्य समीक्षा प्रतिवेदन पेश किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य खेग्रामस के आह्वान पर 13-14 अगस्त को दो दिवसीय सत्याग्रह के तहत सैकड़ों खेत मजदूर के कार्यकर्ता धरना देंगे, जिसे माले का पूर्ण समर्थन रहेगा। इसके अलावा, 20-21 सितंबर को जालंधर (पंजाब) में होने वाले अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए अनिल कुमार, दिनेश सिंह, लक्ष्मी नारायण सिंह, रंजीत कुमार और कपिल महतो को प्रतिनिधि चुना गया। मौके पर बैजनाथ महतो, विरेन्द्र राम, विपिन चौधरी, शिवनाथ चौधरी,संजय कुमार, अशोक सिंह, रामनारायण महतो, महेंद्र महतो, राम ललित पासवान, रंजीत सहनी,बैद्यनाथ सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पिपरौन में सीमा एवं सीमा स्तंभ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हर घर तिरंगा एवं वंदे मातरम अभियान के तहत विद्यार्थियों को सीमा सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की सी कंपनी पिपरौन के कार्यक्षेत्र में सोमवार को सीमा एवं सीमा स्तंभ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ह्यहर घर तिरंगा-2026 एवं वंदे मातर अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को राष्ट्रभक्ति, सीमा सुरक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पिपरौन प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा नेपाल एपीएफ के जवानों सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा, सीमा स्तंभों तथा नो मैन्स लैंड के महत्व की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सीमा स्तंभ अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों की जागरूकता एवं सहयोग से सीमा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से ह्यवंदे मातरम्ह्ण का गायन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को बढ़ावा देने के साथ ही हर घर तिरंगा अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रो में रहने वाले नागरिकों एवं विद्यार्थियों को सीमा सुरक्षा, सीमा स्तंभ तथा नो मैन्स लैंड के महत्व के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों के सहयोग एवं जागरूकता से भी सीमा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होने कहा कि हर घर तिरंगा एवं वंदे मातर जैसे अभियान देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। 48वीं वाहिनी द्वारा सीमावर्ती समुदाय के साथ निरंतर संवाद एवं समन्वय के माध्यम से भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सर्पदंश से 16 वर्षीय किशोरी की मौत,मौसा के यहां आई थी रहने

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के डुमरिया में सर्पदंश से एक 16 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनी कुमारी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बेगूसराय जिले के नावकोठी निवासी सरलू दास व नीलम देवी की पुत्री थी। घटना के बाद से परिजनों और रिश्तेदारों में कोहराम मच गया है।सोनी कुमारी विभूतिपुर थाना क्षेत्र के खा सटभका उत्तर वार्ड नंबर-12 डुमरियाचौक स्थित अपने मौसा नन्हकी दास के घर पर रह रही थी। परिजनों ने बताया कि वह तीन बहनों और एक भाई में से एक थी।बताया गया है कि घटना के वक्त वह घर पर ही थी, तभी अचानक एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। किशोरी की हालत बिगड़ती देख परिजनों ने आनन-फानन में उसे दलसिंहसराय के एक अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा काफी प्रयास किए जाने के बावजूद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।किशोरी की मौत के बाद अस्पताल से शव को वापस डुमरियाचौक स्थित उसके मौसा के घर लाया गया। घटना की सूचना पर विभूतिपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर प्रारंभिक प्रक्रिया के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया।इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव और मृतका के पैतृक निवास नावकोठी में शोक की लहर है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने और फायरिंग का वीडियो वायरल, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । सोशल मीडिया पर अवैध हथियार लहराते एवं फायरिंग करते हुए वीडियो/फोटो वायरल करने के मामले में बासोपट्टी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बासोपट्टी थाना क्षेत्र के जानकीनगर निवासी शिवम कुमार साह और मझौरा वार्ड नंबर-10 निवासी चंदन कुमार मंडल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 9 अगस्त को इंस्टाग्राम के माध्यम से दो युवकों द्वारा हाथ में अवैध आग्नेयास्त्र लहराने एवं फायरिंग करने का वीडियो/फोटो सामने आया था। इसके माध्यम से क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने तथा आम लोगों में भय एवं दहशत फैलाने का प्रयास किया जा रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मधुबनी ने बासोपट्टी थाना पुलिस को दोनों की शीघ्र गिरफ्तारी का निर्देश दिया। निर्देश के आलोक में पुलिस ने वायरल वीडियो का वैज्ञानिक एवं स्थानीय स्तर पर सत्यापन किया और सशस्त्र बल के साथ छापेमारी की। छापेमारी के दौरान जानकीनगर वार्ड नंबर-13 स्थित घर की घेराबंदी कर शिवम कुमार साह तथा मझौरा वार्ड नंबर-10 स्थित घर से चंदन कुमार मंडल को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से घटना में प्रयुक्त दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वायरल वीडियो में दिख रहा अवैध हथियार वे नेपाल से लेकर आए थे। इस मामले में बासोपट्टी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 279/24 दर्ज कर दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रेतर कानूनी कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार आरोपित शिवम कुमार साह का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और वह पूर्व में जेल जा चुका है।

15 अगस्त को होगा मधुबनी आर्ट्स ई-कॉमर्स पोर्टल का शुभारंभ

मधुबनी। मिथिला की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को देश- दुनिया के बाजार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन एवं मिथिला चित्रकला संस्थान की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को ह्यमधुबनी आर्ट्सह्ण ई-कॉमर्स पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा। इसके माध्यम से मधुबनी चित्रकला सहित मिथिला की अन्य कलाकृतियों को ऑनलाइन बाजार उपलब्ध कराया जाएगा और स्थानीय कलाकारो को व्यापक ग्राहक वर्ग से जोड़ने का प्रयास होगा।पोर्टल पर कलाकृतियो को गुणवत्ता के आधार पर मिथिला हेरिटेज, मिथिला सिग्नेचर एवं ह्यमिथिला क्लासिकह्ण श्रेणियो में वगीर्कृत किया जाएगा। मूल्यांकन के लिए बारकोड आधारित ऑनलाइन प्रणाली अपनाई जाएगी, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं मानकीकरण सुनिश्चित होगा। प्रत्येक कलाकृति का मिथिला चित्रकला संस्थान द्वारा प्रमाणीकरण किया जाएगा तथा खरीदार को प्रमाणिकता एवं गुणवत्ता के लिए गारंटी/प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा। मधुबनी आर्ट्स पोर्टल पर कलाकारों के लिए फेसलेस कलाकृति जमा करने की सुविधा, डिजिटल कलाकार प्रोफाइल, लाइव डेमो तथा एसएमएस/ई-मेल अपडेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कलाकृतियों की फ्रेमिंग, पैकेजिंग और डिलीवरी की सुविधा भी एकीकृत की जाएगी। कलाकारों की सुविधा के लिए मोबाइल एप भी विकसित किया जा रहा है।पोर्टल को हिंदी, अंग्रेजी और मैथिली सहित बहुभाषीय बनाया जा रहा है। इसके विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जनरेटिव एआई/चैटजीपीटी और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग की योजना है। डेटा की सुरक्षा के लिए पोर्टल को स्टेट डेटा सेंटर पर होस्ट किया जाएगा। ऑनलाइन भुगतान के लिए एसबीआई पेमेंट गेटवे तथा कलाकृतियों की सुरक्षित डिलीवरी के लिए डाक विभाग के साथ एमओयू किया गया है। तकनीकी विकास एवं क्रियान्वयन में एनआईसी का सहयोग प्राप्त हो रहा है।पोर्टल के प्रथम चरण में मिथिला चित्रकला संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व छात्रों की कलाकृतियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त कलाकारो सहित अन्य योग्य कलाकारों को भी इससे जोड़ा जाएगा।जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य केवल कलाकृतियों की ऑनलाइन बिक्री करना नहीं, बल्कि मिथिला की कला और कलाकारो को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना है। इससे कलाकारों को पहचान, बेहतर बाजार और आर्थिक अवसर मिलने की उम्मीद है।मिथिला की कला, कलाकार के हाथ से सीधे दुनिया के बाजार तक।

केंद्र की जनविरोधी नीतियों व भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकपा का पदयात्रा मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला के जयनगर प्रखण्ड क्षेत्र के दुल्लीपट्टी , शिलानाथ, बरही, देवधा, उसराही ,इनर्वा कचहरी,आमा टोल, इनर्वा गोठ क्षेत्र में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अंचल परिषद के अंचल मंत्री रामनारायण बनरैत के नेतृत्व में पार्टी के राष्ट्र व्यापी आह्वान पर बदलाव व केंद्र सरकार के जन विरोधी नीति के खिलाफ और स्थानीय मुद्दो जनसमस्याओं के निदान व सात सूत्री मांगो को लेकर अभियान के तहत कार्यकताओं के द्वारा क्षेत्र में बैनर पोस्टर लेकर पद यात्रा कर मार्च निकाला। पद यात्रा मार्च निकाल कर सरकार के खिलाफ जम कर नारेबाजी करते हुए 01 सितम्बर को रामलीला मैदान में दिल्ली चलने का आह्वान आम जन व कार्यकताओं से अपील की गई।वक्ताओं ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आम जन किसान मजदूर छात्र नौजवान महिलाएं महंगाई बेरोजगारी नीतियों से त्रस्त है। हक मांगो को लेकर प्रदर्शन करने पर सरकार लाठियां बरसा रही है।मार्च निकाल केंद्र सरकार के नीतियो का विरोध किया गया। वही पार्टी के कार्यकताओं के साथ बैठक कर रणनीति बनाते हुए प्रचार प्रसार करने और आम जनो एवं ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओ की भागीदारी दिल्ली चलने का आह्वान किया गया। सात सूत्री मांगों में शिक्षा हम सभी अधिकार है ,शिक्षा का राष्ट्रीय करन करने, सबको एक समान शिक्षा हो, पेपड़ लीक, परीक्षा धांधली, व्याप्त भ्रष्टाचार बंद हो , कार्रवाई करने, जयनगर के सरकारी कार्यलयों में भ्ष्टार्चार पर अविलंब बंद करने, भूमहीनो बासगीत पर्चा अविलंब मुहैया कराने, दाखिल खारिज में हो रहे भ्ष्टार्चार पर रोक समेत जनसमस्याओं का निदान शामिल है।पद यात्रा व बैठक में पार्टी के अंचल मंत्री राम नारायण बनरैत, जिला परिषद सदस्य सत्यनारायण यादव,वकील बैठा, मो.ईशा, राम सेवक दास, दिनेश प्रसाद रमण, संतोषी सहनी, सुरेंद्र दास, सियालाल राम,राम पुकार यादव, शत्रुघ्न राम, राम चन्द्र राम,रंजन कुमार राम, सुमन, सतीश,राम बाबू, राम सुंदर मुखिया,राम आधार ठाकुर,महेश यादव समेत कई कार्यकताओं ने भाग लिया।

सीसीटीव से हुआ खुलासा : जयनगर के प्रसिद्ध किराना व्यवसायी टिंकू महतो को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर झोला लूटकर हुआ था फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी । जयनगर थाना क्षेत्र शहरी क्षेत्र के कमला रोड में जयनगर के एक प्रसिद्ध किराना व्यवसायी को पहले से घात लगाए मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया था। घायल व्यक्ति की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के बस्ती पंचायत निवासी वार्ड 15 निवासी प्रमोद महतो के लगभग 42 वर्षीय पुत्र टिंकू महतो बताया जाता है। वर्तमान में कमला रोड स्थित वार्ड छः अपने मकान में परिवार के साथ रहना बताया जाता है। किराना गली में किराना दुकान करते है। वही घटना स्थल कमला रोड में उनका घर व गौदाम होना बताया जाता है। वारदात शनिवार की रात हुई थी। जानकारी के मुताबिक किराना व्यवसायी रोज की तरह दुकान बंद कर वह अपने घर मोटरसाइकिल से अपने कर्मी स्टाफ के साथ जा रहे थे। पहले से घात लगाए मोटरसाइकिल सवार हथियार से लैस दो अज्ञात अपराधियो ने टिंकू महतो पीछे से ओवर टेक करके मोटरसाइकिल को घेर लिया और अपराधियो ने पिस्टल तान दिया । अपराधी के द्वारा झोला छिनने का प्रयास किया गया। यह घटना देखेकर टिंकू महतो के मोटरसाइकिल पर सवार दूसरा व्यक्ति हाथ मे झोला लेकर बैठा था बाईक पर से कूद कर झोला लेकर पीछे की ओर भगा। टिंकू महतो ने साहस हिम्मत व जज्बा का का परिचय देते हुए अपराधियो के साथ भीड़ गये और अपराधी के मोटरसाइकिल को अपने मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर मार गिरा दिया।झोला छिनने का विरोध किया तो अपराधियो के द्वारा टिंकू महतो पर गोली चला दिया गोली बारी की घटना में टिंकू महतो को गोली लगने से गम्भीर रूप घायल हो गये व जमीन पर गिर गए थे। अपराधी झोला लेकर घटना को अंजाम देने के पश्चात फरार हो गया। गोलीबारी घटना से घटना स्थल पर अफरा तफरी का माहौल हो बन गया था। लोगों की काफी भीड़ जुट गई थी। स्थानीय लोगों के सहयोग से अपराधी के द्वारा गोलीबारी की घटना में गम्भीर रूप से घायल टिंकू महतो आनन फानन में ईलाज हेतु अनुमण्डल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले कि जानकारी स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी गई थी। थाना अध्यक्ष रमन कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल व अस्पताल पहुँच कर मामले की विस्तृत जानकारी और जांच व आगे की कार्रवाई में जुटे हुए है। मामले की जानकारी होने पर डीएसपी सदानंद कुमार घटना स्थल पर पहुँच कर मामले की जांच में जुट गए है। पुलिस अपराधियो के संभावित ठिकानों पर छापेमारी में कर रही है। वही गम्भीर रूप से घायल टिंकू महतो को प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर ईलाज हेतु रेफर कर दिया गया था। वही घटना को लेकर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।घटना के कुछ देर बाद एसएसपी योगेंद्र कुमार, ग्रामीण एसपी शिवम धाकड़, एफएसएल टीम व पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर डीएसपी व थाना अध्यक्ष से घटना की विस्तृत जानकारी ली थी। घटना स्थल के आसपास व क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज को खंगाले ।एसएसपी के द्वारा मामले के उद्भेदन व अपराधियों के गिरफ्तारी हेतू डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया है।

सावन की दूसरी सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

मधुबनी ।जिला के सीमांचल क्षेत्र स्थित जयनगर प्रखण्ड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र स्थित विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में पवित्र श्रावण मास की दूसरी सोमवार को दर्शन पूजा पाठ जलाभिषेक को लेकर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मन्दिरों अहले सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिला। वही क्षेत्र में बोल बम हर हर हर महादेव ॐ नमः शिवाय से जय घोष जयकारें के मन्दिर और क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था और माहौल भक्तिमय हो गया। रविवार एवं सोमवार को जयनगर स्थित कमला नदी से श्रद्धालु भक्त जन और कांवरियों के द्वारा जलबोझकर झूमते नाचते गाते विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर प्रस्थान करते देखें गये। बोल बम सेवा समिति कांवरियों के सेवा में लगे रहे। कमला नदी घाट पर एसडीआरएफ की टीम व पूल बल की तैनाती रही। प्रसिद्ध शिलानाथ धाम समेत शिवालयों मंदिर व कमला नदी परिसर पर्ण कुटी मंदिर के आसपास मेला का भी आयोजन किया गया है। जिला क्षेत्र के कपिलेश्वर स्थान, उगना, डोकहर, कलना धाम, शिलानाथ धाम, बस्ती पंचयात स्थित जागेश्वर नाथ बाबा मंदिर बिहार का सबसे ऊंचा दुर्गा मंदिर , ग्रामीण क्षेत्र के पीठवा टोल स्थित भूतनाथ मंदिर, शहरी क्षेत्र के मेन रोड स्थित नागा बाबा महावीर मंदिर, कमला रोड राम जानकी मंदिर, मनोकामना काली मंदिर, भेलवा चौक महादेव स्थान समेत अन्य शिवालयों और मंदिरों में आस्था के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा शिवालयों और मंदिरों में पूजा पाठ संध्या तक जारी रहा। कई श्रद्धालु व्रत रखकर भी शिवालयों व घर पर भी पूजा अर्चना जलाभिषेक किया। सावन पर्व को ले शिवालयो एवं मंदिरों को रंग बिरंगे फूलों ,टिमटिमाती लाईट बती रौशनी से भव्यता से सजाया गया जो कि अतिर्मनिय मनमोह दृश्य लग रहा था। देर शाम शिवालयों में बाबा का भव्य श्रृंगार किया कर पूरे विधिविधान के साथ विशेष पूजा पाठ किया गया और भजन कीर्तन का दौर चलता रहा। बाबा का श्रृंगार देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।शिवालयों में विशेष पूजा पाठ महाआरती की गई। क्षेत्र में भक्ति मय का माहौल व्याप्त है।कमला नदी के पास एसडीआरएफ और पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही शिवालयों मंदिर परिसर में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

खास टभका उत्तर पंचायत में नए स्वास्थ्य उप केंद्र भवन का भूमि पूजन, ग्रामीणों में खुशी

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के खास टभका उत्तर पंचायत वार्ड 12 डुमरिया काली स्थान में वर्षों से जर्जर प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र के नए भवन के निर्माण हेतु सोमवार को विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया।मौके पर मौजूद मुखिया प्रतिनिधि सह जदयू जिला सचिव रंधीर कुमार राय ने कहा कि पुराना भवन अत्यंत जर्जर होने से ग्रामीणों को इलाज में काफी दिक्कतें आ रही थीं। अब नया और आधुनिक भवन बनने से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा सुधार होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर उपमुखिया विरेंद्र दास,विशाल कुमार राय,छोटू यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

सामाजिक सुरक्षा के 4.34 लाख लाभार्थियों के खाते में 49.69 करोड़ रुपये का हुआ अंतरण

डीएम ने की लाभार्थियों से जीवन प्रमाणीकरण कराने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों के बैंक खातों में बढ़ी हुई पेंशन राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर जिले के 4,34,265 पेंशनधारियों के खातों में जुलाई माह के कुल 49 करोड़ 69 लाख 69 हजार 300 रुपये पेंशन राशि हस्तांतरित की गई समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी कुमार गौरव , उप विकास आयुक्त निशांत सिहारा , सहायक निदेशक , जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग अभिषेक कुमार सहित कई वरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया और लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के जनकल्याणकारी कार्य का स्वागत करते हुए इसे गरीब, वृद्ध, विधवा और दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के कुल 4,34,265 लाभार्थियों के खातों में जुलाई माह की पेंशन राशि का भुगतान किया गया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 1,33,047 लाभार्थियों के खाते में 14 करोड़ 79 लाख 01 हजार 500 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 29,603 लाभार्थियों के खाते में 3 करोड़ 46 लाख 49 हजार 900 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 2,481 लाभार्थियों के खाते में 27 लाख 68 हजार 900 रुपये, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 27,853 लाभार्थियों के खाते में 3 करोड़ 14 लाख 28 हजार 200 रुपये तथा बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के 23,004 लाभार्थियों के खाते में 2 करोड़ 61 लाख 91 हजार 200 रुपये की राशि भेजी गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के अंतर्गत सर्वाधिक 2,18,277 लाभार्थियों के खातों में 25 करोड़ 40 लाख 29 हजार 600 रुपये का अंतरण किया गया। इस प्रकार विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 49 करोड़ 69 लाख 69 हजार 300 रुपये की राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी कुमार गौरव ने सभी पेंशनधारियों को बधाई देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पात्र एवं वास्तविक लाभार्थियों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे, इसी उद्देश्य से जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाया गया है। डीएम ने कहा कि जीवन प्रमाणीकरण से यह सुनिश्चित होता है कि पेंशन राशि का भुगतान केवल जीवित एवं पात्र लाभार्थियों को ही किया जाए। इससे योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहती है तथा सरकारी संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित होता है। जिलाधिकारी ने शेष सभी पेंशनधारियों से अपील की कि वे अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर जल्द से जल्द जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी कर लें ताकि उनकी पेंशन का भुगतान बिना किसी बाधा के नियमित रूप से जारी रह सके।

श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।श्रावणी मेला के अवसर पर जिला पदाधिकारी कुमार गौरव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कातेश कुमार मिश्रा ने बाबा गरीबनाथ मंदिर, कांवरिया मार्ग, जिला स्कूल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरंतर निरीक्षण कर सुरक्षा एवं सुविधा व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन का संकल्प है कि हर कांवरिया सुरक्षित एवं सुगम तरीके से बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर सके। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सजग एवं मुस्तैद रहा।

कांवड़ियों पर हेलिकाप्टर से की गई पुष्प बर्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।सावन की दूसरी सोमवारी पर मुजफ्फरपुर में कांवरियों के लिए खास इंतजाम देखने को मिला। जिले में पहली बार हेलीकॉप्टर से कांवरियों पर पुष्पवर्षा की गई। राज्य सरकार के निर्णय के तहत यह पुष्पवर्षा कराई गई। खराब मौसम और आसमान में बादल छाए रहने के कारण निर्धारित सुबह 7 बजे की बजाय करीब साढ़े 8 बजे हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा शुरू हुई। हरिसभा चौक, रामदयालु, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के आसपास कांवरियों पर फूल बरसाए गए। हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा होते ही कांवरियों और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। सड़कों पर मौजूद कांवरियों के साथ बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की छतों पर खड़े होकर इस नजारे को देखते नजर आए। पूरा शहर हर-हर महादेव और बाबा गरीबनाथ की जयह के जयकारों से गूंज उठा। बाबा गरीबनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए पहलेजा घाट से जलबोझी कर कांवरियों के आने की परंपरा दशकों पुरानी है। जिला प्रशासन, विभिन्न विभागों और सेवा दलों की ओर से हर वर्ष कांवरियों की सेवा की जाती है। हालांकि, मुजफ्फरपुर में कांवरियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा पहली बार की गई। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में कांवर यात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाती रही है। इसी क्रम में इस बार मुजफ्फरपुर में भी कांवरियों पर आसमान से फूल बरसाए गए।

कृषि विश्वविद्यालय की 10वीं प्रसार शिक्षा परिषद बैठक शुरू, प्रयोगशाला से खेत और आजीविका पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, रविवार को 10वीं प्रसार शिक्षा परिषद बैठक की दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया गया । 10-11 अगस्त तक चलने वाली दो दिवसीय इस बैठक में कृषि विशेषज्ञों, प्रसार अधिकारियों और किसान प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य पिछले वर्षों की प्रगति की समीक्षा कर विश्वविद्यालय के 16 कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए भविष्योन्मुखी कार्ययोजना तैयार करना है ।उद्घाटन सत्र की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन, राष्ट्रगान और कुलगीत के साथ हुई। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. रत्नेश कुमार झा ने स्वागत भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय नई विकसित फसल किस्मों और डिजिटल कृषि उपकरणों को सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने प्रसार तंत्र के लिए एक नई दृष्टि प्रस्तुत की और वैज्ञानिकों से उत्पादन से आगे सोचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब वैज्ञानिकों कोह्यतीन एलह्न झ्र लैब से खेत और आजीविका पर तुरंत काम करना होगा। अब सिर्फ उत्पादन सिखाना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि केवीके वैज्ञानिक को चाहिए कि वे किसानों को विपणन, निर्यात प्रोटोकॉल और गुणवत्ता मानकों का प्रशिक्षण देना होगा। उन्हें पड़ोसी देशों की मांग और आधुनिक पैकेजिंग की जानकारी भी देनी आवश्यक है ताकि वे एक उद्यमी बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक किसानों को कार्बन फार्मिंग के नए अवसरों से जोडने पर ध्यान केंद्रित करें। इस अवसर पर डीन पीजीसीए डॉ मयंक राय, निदेशक शिक्षा डा उमाकांत बेहरा, निदेशक स्कूल आफ एग्री-बिजनेस एंड रूरल मैनेजमेंट डॉ रामदत्त, विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ राकेश मणि शर्मा, जनसंचार एवं पत्रकारिता के प्राध्यापक डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक वैज्ञानिक पदाधिकारी एवं किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

अयोध्या प्रसाद खत्री सेवा संस्थान ने आयोजित की मासिक कवि गोष्ठी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।अयोध्या प्रसाद खत्री साहित्यिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्री गांधी पुस्तकालय,गोला रोड के सभागार में रविवार को मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कवि गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अंजनी कुमार पाठक तथा संचालन सुमन कुमार मिश्र ने किया। कवि गोष्ठी का शुभारंभ कवि अरुण कुमार तुलसी की रचना आजादी मिली है हमें फरियादी की जमात में,अभिव्यक्ति जिनकी है स्वतंत्रता दंगे फसाद में से हुआ। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे अंजनी कुमार पाठक की रचना जय भोलेनाथ जय शिव शंकर,दिनों के नाथ दयानाथ शंकर..,कवि ओम प्रकाश गुप्ता की रचना किसी के होने से पहले,परखना भी जरूरी है,हास्य कवि डॉक्टर जगदीश शर्मा की हास्य रचना उठ जाने के बाद कौन किसको याद करता है , काफी सराही गई।कवि गोष्ठी का संचालन कर रहे सुमन कुमार मिश्र की रचना दौलत के संग बंट गए रिश्ते,हो न सकी इसकी भरपाई.. ,कवि शिवेंद्र गौतम की रचना हे भारत के वीर वीरांगना,बसती रहे मन में बस यही भावना...,कवि अशोक भारती की रचना हाथ तो रोज मिलाते हो कभी दिल को मिलाओ तो कुछ बात बने सुनाकर खूब तालियां बटोरीं ।डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिन्हा की रचना बड़ी सर्द है हवाएं,मेरा दिल मचल रहा है,कवि उमेश राज की रचना मैया दे दो मुझे कवच कुंडल,सरहद मुझे पुकार रही,कवि श्रवण कुमार की रचना क्या करना था क्या कर डाला,जरा पीछे मुड़ कर देख एवं कवि परशुराम प्रसाद ब्याहुत तथा अजय कुमार की रचना ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि गोष्ठी में नागरिक मोर्चा के महासचिव मोहन सिन्हा,अजय कुमार,पप्पू निशात सहित भारी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में नागरिक मोर्चा के महासचिव मोहन सिन्हा ने उपस्थित कवियों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

महंगाई, भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध के खिलाफ भाकपा का संघर्ष का आगाज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बेशुमार महंगाई, भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध, जुल्म, नफरत, हिंसा के खिलाफ तथा रोजी-रोजगार, दलित- महिला सम्मान, शिक्षा, चिकित्सा एवं किसान-मजदूरों के हक-अधिकार के लिए आज मुस्तफागंज बाजार से महदैया, चकवाल, मधुबनी, विशनपुर, ब्रहंडा मझौलिया होते हुए खेमाईपट्टी बाजार तक पदयात्रा निकाला गया। इस दौरान महदैया तथा खेमाईपट्टी बाजार पर सभा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय परिषद् सदस्य अजय कुमार सिंह ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। भीषण महंगाई से आम जनता त्रस्त है। खेती-किसानी संकट में है। कर्ज में डूबे किसान सरकार की उदासीनता के कारण खेती छोड़ने पर विवश है। मनरेगा योजना को समाप्त कर सरकार मजदूरों के काम के अधिकार को समाप्त कर दिया है। काम के अभाव में मजदूरों का पलायन जारी है। इन्होंने कहा कि बिहार की सम्राट सरकार दिल्ली के रिमोट पर चल रही है। राज्य में गरीबों का घर और व्यवसाय पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने के बजाय बेकसूर लोगों पर एनकाउंटर कर रही है। शिक्षा का निजीकरण तथा व्यवसायीकरण किया जा रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को कमजोर कर निजी अस्पतालों को लूटने की छूट दी जा रही है। 6-15 अगस्त तक चलने वाली पदयात्रा के दौरान डबल इंजन सरकार के खिलाफ जन जागरण किया जा रहा है। इन्होंने कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति में किसान-मजदूर की एकता कायम कर संघर्ष तेज करना ही एकमात्र विकल्प है। 01 सितम्बर को दिल्ली के रामलीला मैदान की रैली मोदी सरकार की वादाखिलाफी तथा नाकामी का चिट्ठा खोलेगी। सभा को पार्टी के राज्य परिषद् सदस्य जगदीश प्रसाद गुप्ता, अंचल सचिव शिवजी प्रसाद, राम एकबाली राय, पूर्व मुखिया भिखारी प्रसाद यादव संबोधित किए। पदयात्रा में नगीना प्रसाद, राम राम अयोध्या प्रसाद, मिस्टर रंजन, रहमान अंसारी, जगदीश शर्मा, शिवजी सिंह, मुनेन्द्र कुमार आदि पार्टी नेता भाग लिए।

ससुरालवालों ने जिंदा जलाया, मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । सीतामढ़ी जिले के बोखड़ा थाना के थानाध्यक्ष के विरुद्ध बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई गयी है। पीड़ित परिवार ने यह शिकायत जिले के मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से दर्ज करायी है। विदित हो कि सीतामढ़ी जिले के थाना व ग्राम बोखड़ा निवासी पिंकी कुमारी ससुराल वालों की प्रताड़ना से काफी परेशान हो चुकी थी, जिसकी शिकायत पिंकी कुमारी द्वारा लगातार बोखड़ा थानाध्यक्ष से की जा रही थी, लेकिन बोखड़ा थानाध्यक्ष द्वारा न तो इस मामले में कोई कार्रवाई की गयी और न ही पिंकी कुमारी को किसी तरह का संरक्षण प्रदान किया गया। नतीजतन विगत सप्ताह ससुराल वालों ने पिंकी को काफी बेरहमी से जला दिया। पिंकी लगभग 80 प्रतिशत जल चुकी थी, जो एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर में ईलाजरत थी। रविवार की अहले सुबह 5 बजे पिंकी का निधन एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर में ईलाज के दौरान हो गया। पिंकी को तीन छोटे-छोटे बच्चे भी है। पीड़ित परिवार ने बोखड़ा थानाध्यक्ष पर कार्रवाई में हिलाहवाली का आरोप लगाते हुए कहा कि यह घटना पूरी तरह पुलिस की लापरवाही का नतीजा है। यदि पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई की होती तो आज पिंकी हमलोगों के बीच होती। पुलिस के द्वारा अभी भी दोषियों की गिरफ़्तारी नहीं की जा रही है। मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि यह मामला मानवाधिकार उल्लंघन के अतिगंभीर श्रेणी का मामला है, जिसकी उच्चस्तरीय जाँच की नितांत आवश्यकता है।

प्लास्टिक बंदी कानून का कठोरता से पालन कर राष्ट्रध्वज का अपमान रोकें प्रशासन : हिन्दू जनजागृति समिति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर - 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व पर देशभक्ति की भावना से राष्ट्रध्वज बड़े अभिमान के साथ फहराए जाते हैं; परंतु दुर्भाग्य से वही राष्ट्रध्वज उसी दिन सड़कों पर, कूड़ेदान में या नालियों में फटी अवस्था में पड़े मिलते हैं। विशेषकर प्लास्टिक के ध्वज जैविक रूप से विघटनशील न होने के कारण यह अपमान कई दिनों तक होता रहता है। इसके अतिरिक्त, ह्यटी-शर्टह्न, मास्क और अन्य परिधानों के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर राष्ट्रध्वज का अपमान हो रहा है। इस अपमान को रोकने के लिए उच्च न्यायालय के आदेशों और उपलब्ध कानूनों का प्रशासन कड़ाई से पालन करे, यह मांग हिन्दू जनजागृति समिति ने माननीय जिलाधिकारी महोदय को दिए गए ज्ञापन में की है। इस अवसर पर अधिवक्ता जितेंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता संजय, अधिवक्ता जयवर्धन तथा अधिवक्ता रमेश कुमार सिंह उपस्थित थे। राष्ट्रध्वज के इस अपमान को रोकने के लिए हिन्दू जनजागृति समिति ने मुंबई उच्च न्यायालय में जनहित याचिका (क्र. 103/2011) दायर की थी। इसकी सुनवाई करते हुए माननीय न्यायालय ने प्लास्टिक के राष्ट्रध्वजों द्वारा होने वाला अपमान रोकने के लिए सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। तदनुसार, केंद्रीय एवं राज्य के गृह तथा शिक्षा विभागों ने परिपत्र जारी किए हैं। वर्तमान में देशभर में ह्यसिंगल यूज प्लास्टिकह्न पर पूर्ण प्रतिबंध होने के कारण प्लास्टिक ध्वजों का उत्पादन और बिक्री करना अब दोहरा अपराध है। इसके साथ ही, भारतीय ध्वज संहिता 2002, प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम 1950 (धारा 2 और 5) तथा राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 (धारा 2) के अंतर्गत राष्ट्रध्वज का अपमान करना एक दंडनीय अपराध है। प्रशासन को इन कानूनों का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करना चाहिए। उच्च न्यायालय ने सरकार को निर्देश दिए हैं कि ह्यराष्ट्रध्वज का अपमान रोकने के लिए कृति समिति स्थापित की जाए और जनजागृति हेतु उसमें सामाजिक संस्थाओं को सम्मिलित किया जाए। इसी संदर्भ में हिन्दू जनजागृति समिति पिछले दो दशकों से भी अधिक समय से राष्ट्रध्वज का सम्मान रखें ! यह राष्ट्रव्यापी अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान और प्रश्नमंजूषा आयोजित करना, हस्तपत्रक बांटना, भित्तिपत्रक लगाना, स्थानीय केबल चैनल्स और ह्यसोशल मीडियाह्न के माध्यम से जनजागृति करना, तथा सड़कों पर गिरे राष्ट्रध्वजों को एकत्रित कर उनका सम्मानपूर्वक निस्तारण (Disposaĺ’) करना आदि कार्य निरंतर किए जाते हैं, यह भी समिति ने इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से स्पष्ट किया है।

सरकार की किसान-विरोधी नीति के खिलाफ किसान महासभा ने किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां प्रखंड स्थित न्यू मार्केट चौक पर 9 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर रविवार शाम किसान महासभा की बोचहां इकाई ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताने के लिए किया गया।इससे पहले, किसान महासभा के दर्जनों नेता और कार्यकर्ता बोचहां माले प्रखंड कार्यालय से झंडा, बैनर और पुतला लेकर जुलूस के रूप में निकले। यह जुलूस विभिन्न मार्गों से होते हुए न्यू मार्केट चौक पहुंचा, जहां कार्यकताओं ने नुक्कड़ सभा आयोजित की और उसके बाद प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया।सभा की अध्यक्षता किसान महासभा के राज्य परिषद सदस्य बिंदेश्वर साह ने की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार किसानों के हितों के विपरीत नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर अमेरिका के साथ कृषि व्यापार समझौते कर रही है, वहीं बिहार में भाजपा सरकार पर किसानों की जमीन अधिग्रहण कर कॉर्पोरेट घरानों को सौंपने की तैयारी का आरोप लगाया। माले प्रखंड सचिव राम बालक सहनी ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। हालांकि, किसानों को अब तक सी2 प्लस 50 प्रतिशत फॉमूर्ले केप्रदर्शन के दौरान किसान महासभा के नेताओं और कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इंसाफ मंच की राज्य कमिटी की बैठक मुजफ्फरपुर में संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। इंसाफ मंच की बिहार राज्य कमिटी की बैठक मुजफ्फरपुर में दिवान रोड स्थित एक सभागार आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता इंसाफ मंच के राज्य अध्यक्ष व फुलवारीशरीफ के पूर्व विधायक गोपाल रविदास व उपाध्यक्ष रेयाज अहमद ने की तथा संचालन राज्य महासचिव क्यामुद्दीन अंसारी और सहसचिव जफर आजम ने किया। पेपर लीक व शैक्षणिक अराजता के खिलाफ छात्र-युवाओं के ऐतिहासिक आंदोलन का समर्थन किया गया तथा उनके आंदोलन को और आगे बढाऩे के लिए चौतरफा सहयोग करने पर जोर दिया गया। आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर सहित पटना, सिवान और जहानाबाद में पुलिसिया बर्बरता की तीखी आंलोचना की गई तथा इसे छात्र-युवाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया गया। इसके लिए मोदी व भाजपा सरकार को छात्र -युवाओं और देश से माफी मांगनी चाहिए। बैठक में राज्य के कई जिलों से इंसाफ मंच के नेता अख्तरूल इमाम, इस्लामुद्दीन, महिला नेत्री शबनम खातुन, नसरीन बानो, अफसा जबी सहित कैशर निहाल, नासीर हुसैन, सोनेलाल पासवान, पप्पू खान, मुर्तजा अली, आशीफ मासूम, डॉ.अलीम अख्तर , मो.इसहाक अंसारी, मो.एजाज, मो.इस्तयाक,मो.मुस्ताक, मो.नौशाद, रामलखन दास, इन्द्रदेव मांझी, नंदकिशोर ठाकुर, गणेशी राम और माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव और पूर्व मुजफ्फरपुर जिला सचिव कृष्णमोहन भी शामिल थे। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य अध्यक्ष और महासचिव ने कहा कि मुस्लिम समुदाय, दलितों, अलपसंख्यकों और महिलाओं पर भाजपा राज में चौतरफा अत्याचार व दमन जारी है। राजगीर सहित कई क्षेत्रों में धार्मिक छुआछूत और भेदभाव तहत दलित नौजवानों मारपीट और हत्या तक की जा रही है। महिलाओं पर सरेआम यौन हिंसा और हत्या आम परिघटना बन गई है। इंफाफ मंच की बैठक में मुजफ्फरपुर सहित बिहार के कई कब्रिस्तान की चाहरदिवाली में प्रशासनिक टालमटोल और उपेक्षा की आलोचना की गई तथा सभी कब्रिस्तान को अविलंब बाउंडरी से घेरने की मांग की गई। साथ ही संस्कृत और उर्दू स्कूलों के शिक्षकों की छः माह से भी ज्यादा समय से बकाये वेतन भुगतान की मांग सरकार से की गई। अगस्त माह में सभी जिलों में इंसाफ मंच की बैठक तथा ज्वलंत सवालों पर जिलाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन करने की भी घोषणा की गई।

सड़क दुर्घटना में डॉक्टर की मौत

मुजफ्फरपुर । काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के चक्कर चौक पर सोमवार तड़के सड़क हादसे में आशा हॉस्पिटल के आईसीयू इंचार्ज डॉ. शशांक सिंह (30) की मौत हो गई। वह बुलेट से गन्नीपुर स्थित अपने आवास से अस्पताल ड्यूटी के लिए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि चक्कर चौक के पास सड़क पर नाला निर्माण की वजह से फैली गिट्टी-बालू के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें निजी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।डॉ. शशांक मूल रूप से वैशाली जिले के जैतीपुर गांव के रहने वाले थे और वर्तमान में मुजफ्फरपुर के गन्नीपुर मिश्रा टोला में रह रहे थे। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर निर्माण सामग्री फैलाकर रखने तथा बैरियर और रेडियम संकेतक नहीं लगाने को लेकर नाराजगी जताई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

गायघाट में बाढ़ का कहर

जांता पंचायत के सैकड़ों एकड़ खेतों में धान की फसल बर्बाद होने के कगार पर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड के जांता पंचायत में बाढ़ का पानी खेतों में फैलने से सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई है। खेतों में पानी जमा होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है और उन्हें फसल के साथ-साथ आर्थिक नुकसान की भी आशंका सताने लगी है। बताया जा रहा है कि जांता पंचायत के मोतनाजे, जांता, कुमहरौल, लोहरखा और चक्कीआता सहित आसपास के इलाकों के खेत बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। बड़ी संख्या में खेतों में पानी भर जाने के कारण धान की फसल डूब गई है। लगातार पानी जमा रहने से फसल के सड़ने और खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि धान की खेती में उन्होंने काफी मेहनत और पूंजी लगाई थी, लेकिन बाढ़ के पानी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। यदि जल्द खेतों से पानी नहीं निकलता है तो बड़े पैमाने पर फसल नुकसान की आशंका है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का जल्द निरीक्षण कराने, खेतों से बाढ़ का पानी निकालने की व्यवस्था करने और फसल क्षति का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। बाढ़ के कारण जांता पंचायत के कई गांवों में कृषि व्यवस्था प्रभावित हुई है। किसानों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई और राहत की उम्मीद पर टिकी हुई है।

दूसरी सोमवारी को गरीबनाथ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा के थे पुख्ते इंतजाम

मुजफ्फरपुर । दूसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार रात 12 बजे से मंदिर में जलाभिषेक जारी हो गया। रविवार शाम से ही पहलेजा घाट से जल लेकर कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला जारी है।कांवरिया पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर तुर्की, रामदयालु होते हुए बाबा गरीबनाथ धाम की ओर बढ़ रहे हैं। रास्ते में हर-हर महादेव और जय बाबा गरीबनाथ के जयकारों से पूरा इलाका गूंज रहा था। कई स्थानों पर कांवरिया विश्राम के लिए बनाए गए शिविरों में रुके।दूसरी सोमवारी को लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला रविवार रात से ही शुरू हो गया। देर रात के बाद कांवरियों की कतार मंदिर की ओर बढ़ने लगी। सुबह स्थानीय श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ भीड़ और बढ़ने लगी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास व्यवस्था को मजबूत किया गया था।

तीन वर्षों में कांटी नगर परिषद को प्रदेश में बनाएंगे अव्वल : अजीत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । कांटी नगर परिषद क्षेत्र के सभी 26 वार्डों में तेजी से समग्र विकास किया जाएगा। अगले तीन वर्षों में कांटी नगर परिषद को प्रदेश के मानचित्र पर अव्वल बनाने का लक्ष्य है। नगरवासियों को जलजमाव की समस्या से जल्द निजात दिलाने के लिए लगातार नाला निर्माण कराया जा रहा है। उक्त बातें सोमवार को स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने कहीं। वे वार्ड 26 नरसंडा में दो तथा वार्ड 12 कांटी कोठियां में एक नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने बताया कि तीनों नालों का निर्माण करीब 60 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित वार्ड के लोगों से निर्माण कार्य की सतत निगरानी करने की अपील की। साथ ही संवेदकों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नालों को मुख्य नाली से अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए, ताकि जलनिकासी सुचारू रहे और बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या नहीं हो। अजीत कुमार ने स्पष्ट कहा कि नाला निर्माण में किसी भी तरह की गड़बड़ी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत या जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संवेदक के साथ जेई एवं जिम्मेदार अधिकारी पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में जर्जर विद्यालयों की मरम्मत, वृद्धाश्रम, पार्क समेत कई जनोपयोगी और विकासात्मक योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। नगरवासियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। शिलान्यास स्थल पर पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने विधायक अजीत कुमार का स्वागत किया और नाला निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए आभार जताया। मौके पर सभापति दिलीप कुमार, उपसभापति अजय कुमार गुप्ता, पार्षद इनरदेव राम उर्फ पप्पू राम, संजय साह, संतोष पासवान, आनंद राज, विजय राम, शंभू राम, पार्षद प्रतिनिधि विनोद सहनी, नितेश चंद्रा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, रामानंद कुशवाहा, शिव कुमार सहनी, रमन कुशवाहा, विशाल कुमार, रामधारी प्रसाद समेत सैकड़ों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पूसा में 32 डिग्री रहा अधिकतम तापमान पुरवा हवा के बीच 3.6 मिमी बारिश दर्ज

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र की ओर से सोमवार को मौसम संबंधी आंकड़े जारी किए गए। इसके अनुसार पूसा में अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम है। मौसम केंद्र के अनुसार सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत और दोपहर 2 बजे 79 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान क्षेत्र में 3.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान हवा की गति करीब 5.0 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा पुरवा दर्ज की गई। मौसम के आंकड़ों के मुताबिक वाष्पोत्सर्जन 5.6 मिलीमीटर रहा।

सम्पादकीय

झूठा बेस्टसेलर टैग

डॉ. प्रियंका सौरभ

छपे हुए पन्ने एक किताब से बढ़कर कुछ नहीं होते। ये लेखक के विचार, अनुभव, भावनाएँ, कल्पना और वर्षों की रचनात्मक मेहनत का सार होते हैं। एक अच्छी किताब का पाठक के साथ एक ऐसा रिश्ता होता है जो क्षणिक प्रसिद्धि या व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आज के प्रकाशन उद्योग के युग में, बेस्टसेलर शब्द एक प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है। किसी किताब की वास्तविक बिक्री के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध होती है, फिर भी उसे उसके आवरण, विज्ञापनों, सोशल मीडिया पेजों या लेखकों के माध्यम से बेस्टसेलर के रूप में प्रचारित किया जा सकता है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या केवल बेस्टसेलर का लेबल किसी किताब को बेस्टसेलर बना सकता है? आदर्श रूप से, बेस्टसेलर का तात्पर्य वास्तविक बिक्री और पाठकों की निरंतर मांग से होना चाहिए। जब कोई पुस्तक विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से बिकती है, और उसकी बड़ी संख्या में प्रतियां बिकती हैं, तो उसे बेस्टसेलर माना जा सकता है। हालांकि, यदि बिक्री या रैंकिंग के आंकड़े, प्लेटफॉर्म या मापन अवधि प्रदान नहीं की जाती है, तो दावा संदिग्ध हो जाता है। यह स्वाभाविक है कि पाठक पूछेगा, ह्यकिस सूची के अनुसार बेस्टसेलर? कितनी प्रतियां बिकीं? किस अवधि के दौरान? किस प्लेटफॉर्म पर पुस्तक सबसे लोकप्रिय रही? क्या आंकड़ों का कोई स्वतंत्र सत्यापन है?ह्ल यदि आपको इन सवालों के जवाब नहीं पता हैं, तो ह्लबेस्टसेलरह्ल एक वास्तविक उपलब्धि के बजाय एक मार्केटिंग का जुमला बनकर रह जाएगा। सोशल मीडिया के आगमन के साथ इस प्रकार का प्रचार बहुत सरल हो गया है। आकर्षक पोस्टर बनाकर, पुस्तक विमोचन के लिए उपयुक्त तस्वीरें लेकर, वीडियो बनाकर, स्कूलों से समर्थन प्राप्त करके, समीक्षाएँ और बधाई संदेश प्राप्त करके व्यापक प्रभाव डाला जा सकता है। कोई पुस्तक वेब पर कहीं भी मौजूद हो सकती है और इस प्रकार बहुत सफल प्रतीत हो सकती है। हालाँकि, दृश्यता और पाठक संख्या के बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। आपके सौ लाइक्स में जितने पाठक हैं, जरूरी नहीं कि उतने ही पाठक हों। किसी के पास किसी की पुस्तक पकड़े हुए तस्वीर होने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने वास्तव में वह पुस्तक पढ़ी है। इसी प्रकार, बहुत सारी टिप्पणियाँ होने का मतलब यह नहीं है कि पाठक सामग्री में गहराई से रुचि रखते हैं। आप किताब तो खरीद सकते हैं, लेकिन सच्चे पाठक को कभी खरीद नहीं सकते। कई बार किसी अभियान, संस्थागत आयोजन, नेटवर्क या संगठित प्रचार के दौरान किताबों की सैकड़ों या हजारों प्रतियां बिक जाती हैं। लेकिन इसमें बिक्री की कमी नहीं है। लेखकों और प्रकाशकों दोनों को अपनी किताबों से मुनाफा कमाने और उनका प्रचार करने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब बिक्री को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और ऐसा लोकप्रियता का भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है। ईमानदार प्रचार और भ्रामक प्रचार में बहुत बड़ा अंतर नहीं होता, लेकिन इसका पाठकों के भरोसे पर गहरा असर पड़ सकता है। इससे एक सच्चा पाठक वर्ग बनता है। सच्चा पाठक किताब खरीदता है, उसे बहुत ध्यान से पढ़ता है, उसकी विषयवस्तु पर विचार करता है, उस पर चर्चा करता है और दूसरों को भी पढ़ने की सलाह देता है। ऐसा पाठक जो ऐसी टिप्पणी पढ़ता है, वह सैकड़ों बनावटी प्रचार टिप्पणियों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। एक लेखक के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता कि वर्षों बाद कोई कहे, मैंने आपकी किताब पढ़ी और इसने किसी चीज को देखने का मेरा नजरिया बदल दिया। इस तरह की प्रतिक्रिया विज्ञापन से नहीं मिलती। यह केवल गुणवत्तापूर्ण लेखन के माध्यम से ही संभव है। समस्या केवल किताबों की बिक्री तक ही सीमित नहीं है। अतिशय प्रशंसा कला के अन्य क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है: पुस्तक समीक्षाओं में भी यही हाल है। आधुनिक युग में लगभग हर नई किताब को शानदार, ऐतिहासिक, अविस्मरणीय या प्रतिभाशाली कृति कहा जाता है। जब हर किताब को उत्कृष्ट कृति कहा जाता है, तो उसे दूसरी किताबों से अलग करना मुश्किल हो जाता है। एक अच्छी पुस्तक समीक्षा पुस्तक के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करती है, लेकिन उसकी कमियों को भी उजागर करती है। रचनात्मक आलोचना देना किसी लेखक का अपमान नहीं है।

जैव ईंधन : स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की नई राह

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधनों के विकल्प के रूप में जैव ईंधन के महत्व तथा स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस जैव ईंधन के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में प्रयासों को गति देने का संदेश देता है। जैव ईंधन ऐसे ईंधन हैं, जो पौधों, कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और अन्य जैविक पदार्थों से तैयार किए जाते हैं। एथेनॉल, बायोडीजल, बायोगैस और बायो-सीएनजी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इनका महत्व इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि दुनिया लंबे समय से पेट्रोलियम, कोयला और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रही है, जिनके अत्यधिक उपयोग से वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी पर्यावरणीय चुनौतियाँ बढ़ी हैं। विश्व जैव ईंधन और इसका इतिहासः- विश्व जैव ईंधन दिवस का संबंध जर्मन आविष्कारक सर रुडोल्फ डीजल से भी जोड़ा जाता है। वर्ष 1893 में उन्होंने वनस्पति तेल, विशेष रूप से मूंगफली के तेल से इंजन चलाने का प्रयोग किया था। उनके इस प्रयोग ने यह संभावना सामने रखी कि वनस्पति स्त्रोतों से प्राप्त तेल भविष्य में पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में उपयोग किए जा सकते हैं। भारत में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 10 अगस्त 2015 से इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। 10 अगस्त 2015 को भारत में बायोडीजल के खुदरा मिश्रण की शुरूआत भी की गई थी। इसलिए यह दिवस केवल किसी ऐतिहासिक प्रयोग को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने, पर्यावरण संरक्षण, कृषि अवशेषों के बेहतर उपयोग, कचरा प्रबंधन और रोजगार सृजन की दिशा में जागरूकता पैदा करने का अवसर भी है। जैव-ईंधन और एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रमः-भारत में जैव ईंधन के क्षेत्र में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त कृषि उत्पादों तथा जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल तैयार किया जाता है और इसे पेट्रोल में मिलाने से पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सहायता मिल सकती है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत औसत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल किया है। सरकार ने पहले इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा था, जिसे बाद में इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक आगे कर दिया गया। वास्तव में, यह उपलब्धि भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों, डिस्टिलरी उद्योग तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिल सकता है। जैव-ईंधन और संभावनाएंः- भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जैव ईंधन की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। हमारे देश में कृषि अवशेष, धान की पराली, गन्ने के अवशेष, मक्का, गोबर, खाद्य प्रसंस्करण से निकलने वाला जैविक कचरा और अन्य बायोमास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यदि इन पदार्थों को कचरा समझकर जलाने या फेंकने के बजाय वैज्ञानिक और टिकाऊ तरीके से ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में उपयोग किया जाए, तो इससे कचरा भी कम होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और देश का घरेलू ऊर्जा स्त्रोत मजबूत होगा। गन्ने, मक्का और अन्य उपयुक्त जैविक स्त्रोतों से एथेनॉल, जबकि गोबर तथा अन्य जैविक कचरे से बायोगैस और बायो-सीएनजी तैयार की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े उद्योगों और जैव ईंधन संयंत्रों के माध्यम से रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही कृषि अवशेषों के उचित उपयोग से पराली जलाने जैसी समस्या को कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इस दृष्टि से जैव ईंधन कृषि, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बीच एक मजबूत सेतु बन सकता है।

जिंदगी कोई लीडरबोर्ड नहीं, खुद से मुकाबला है

यह संदेश ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब युवा अक्सर अपने करियर की तुलना दूसरों की उपलब्धियों, नौकरी, पैकेज और सामाजिक प्रतिष्ठा से करने लगते हैं। मोदी ने सफलता को बाहरी प्रतिस्पर्धा से हटाकर आत्म-विकास से जोड़ने की कोशिश की। उनका संदेश साफ था कि जीवन में सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि आपने दूसरों को पीछे छोड़ दिया, बल्कि यह है कि आपने स्वयं को लगातार बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलती दुनिया में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन से साढ़े तीन दशकों में युवाओं के फैसले भारत की विकास यात्रा की दिशा तय करेंगे। आज की पीढ़ी के सामने अवसर भी बड़े हैं और चुनौतियां भी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे दौर में केवल नौकरी पाने की मानसिकता से आगे बढ़कर नए समाधान तैयार करने और समस्याओं को अवसर में बदलने की सोच विकसित करनी होगी। मोदी ने युवाओं को एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया कि केवल सवाल पूछकर रुकना नहीं है, बल्कि उनके समाधान भी खोजने हैं। उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसी बातें होती हैं जिन्हें लोग लंबे समय से स्वीकार करते रहते हैं। ऐसे विषयों पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन सवाल उठाने के बाद समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का साहस भी होना चाहिए।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन महज एक औपचारिक भाषण नहीं रहा, बल्कि यह युवाओं के साथ सीख, अनुभव और प्रेरणा का संवाद बन गया। तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री ने जिस सहज अंदाज में युवाओं से बातचीत की, उसमें एक अभिभावक जैसी चिंता, शिक्षक जैसी सीख और देश के भविष्य को लेकर एक नेता की अपेक्षा दिखाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल मिलने की बधाई देने के साथ यह याद दिलाया कि असली यात्रा अब शुरू हो रही है। आईआईटी से मिली शिक्षा का मूल्य केवल अच्छे करियर या बड़े पैकेज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे बड़ा अर्थ कठिन समस्याओं को पहचानना और उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से कहा कि जिंदगी को किसी लीडरबोर्ड की तरह नहीं देखना चाहिए। असली मुकाबला दूसरों से नहीं, बल्कि खुद से है। हर दिन अपने कल से बेहतर बनने की कोशिश ही वास्तविक सफलता की दिशा है। यह संदेश ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब युवा अक्सर अपने करियर की तुलना दूसरों की उपलब्धियों, नौकरी, पैकेज और सामाजिक प्रतिष्ठा से करने लगते हैं। मोदी ने सफलता को बाहरी प्रतिस्पर्धा से हटाकर आत्म-विकास से जोड़ने की कोशिश की। उनका संदेश साफ था कि जीवन में सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं कि आपने दूसरों को पीछे छोड़ दिया, बल्कि यह है कि आपने स्वयं को लगातार बेहतर बनाया। प्रधानमंत्री ने तेजी से बदलती दुनिया में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले तीन से साढ़े तीन दशकों में युवाओं के फैसले भारत की विकास यात्रा की दिशा तय करेंगे। आज की पीढ़ी के सामने अवसर भी बड़े हैं और चुनौतियां भी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नई तकनीक, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, अंतरिक्ष और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे दौर में केवल नौकरी पाने की मानसिकता से आगे बढ़कर नए समाधान तैयार करने और समस्याओं को अवसर में बदलने की सोच विकसित करनी होगी। मोदी ने युवाओं को एक महत्वपूर्ण मंत्र दिया कि केवल सवाल पूछकर रुकना नहीं है, बल्कि उनके समाधान भी खोजने हैं। उन्होंने कहा कि समाज में कई ऐसी बातें होती हैं जिन्हें लोग लंबे समय से स्वीकार करते रहते हैं। ऐसे विषयों पर सवाल उठाना जरूरी है, लेकिन सवाल उठाने के बाद समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का साहस भी होना चाहिए। यही सोच एक विद्यार्थी को नौकरी तलाशने वाले व्यक्ति से समस्या का समाधान करने वाला व्यक्ति बनाती है। उन्होंने चुनौतियों से घबराने के बजाय उन्हें छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाधान खोजने की सलाह दी। जीवन में कई बार कोई समस्या इतनी बड़ी दिखाई देती है कि व्यक्ति शुरूआत करने से ही डर जाता है। ऐसे समय में समस्या को छोटे हिस्सों में बांटना और एक-एक कदम आगे बढ़ना ही रास्ता बनाता है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को समझाया कि बड़ी चुनौती के भीतर भी अवसर छिपा होता है। जरूरत केवल उसे पहचानने की है। जो व्यक्ति चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता विकसित कर लेता है, उसके लिए मुश्किल परिस्थितियां भी आगे बढ़ने का माध्यम बन सकती हैं। आईआईटी की शिक्षा और जिंदगी की परीक्षा के बीच तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं को यह भी समझाया कि संस्थान में होने वाली परीक्षाओं का सिलेबस निर्धारित होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा पूरी तरह अलग होती है। वहां बहुत कुछ ऐसा सामने आएगा जिसकी पहले से तैयारी नहीं की जा सकती। जीवन में कई परिस्थितियां ऐसी होंगी जिनका कोई तैयार उत्तर किताब में नहीं मिलेगा। इसलिए डिग्री के साथ सीखते रहने की आदत और नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता सबसे महत्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री के भाषण का एक भावनात्मक पक्ष आईआईटी दिल्ली के कैंपस जीवन से जुड़ी उनकी बातें रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके हॉस्टल, मेस, दोस्तों और शिक्षकों की यादों को सहेजकर रखने को कहा। उन्होंने हॉस्टलों के नामों और वहां की गतिविधियों का जिक्र करते हुए विद्यार्थियों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा, मजाक-मस्ती और दोस्ती को याद किया। सतपुरा मेस के पराठों और कैंपस की चाय जैसी छोटी-छोटी बातों का उल्लेख करके उन्होंने यह संदेश दिया कि कॉलेज जीवन केवल किताबों और परीक्षाओं का नाम नहीं है। इन वर्षों में बने रिश्ते, दोस्तियां, अनुभव और यादें भी जीवन की बड़ी पूंजी होती हैं। मोदी ने विद्यार्थियों को यह भी कहा कि जब वे आगे बढ़ें तो अपने संस्थान, शिक्षकों, प्रोफेसरों और सहयोगी कर्मचारियों को न भूलें। सफलता के बाद पीछे मुड़कर देखना और यह याद रखना जरूरी है कि यात्रा में किन लोगों ने साथ दिया। यह बात उनके संबोधन को केवल करियर सलाह से आगे ले जाती है। इसमें संबंधों और कृतज्ञता का भाव भी दिखाई देता है। एक विद्यार्थी जब आईआईटी से निकलता है तो वह अकेले नहीं निकलता, उसके पीछे परिवार, शिक्षक, मित्र और संस्थान की भूमिका होती है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से अपने करियर के फैसलों को देश के विकास से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी वर्तमान युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। इसलिए करियर चुनते समय केवल यह विचार पर्याप्त नहीं होना चाहिए कि इससे व्यक्तिगत लाभ कितना होगा। यह भी सोचना चाहिए कि देश की कौन-सी जरूरत इससे पूरी हो सकती है और समाज को इससे क्या फायदा मिलेगा। व्यक्तिगत सफलता और राष्ट्रीय प्रगति को एक-दूसरे का विरोधी मानने के बजाय दोनों को साथ लेकर चलने की सोच विकसित करनी होगी। उन्होंने आत्मनिर्भरता और रिसर्च पर भी जोर दिया। भारत को यदि वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता मजबूत करनी है तो शोध, नवाचार और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी जैसे संस्थानों से निकलने वाले युवा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनकी शिक्षा केवल कंपनियों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि नई तकनीक, नए उद्योग और नए समाधान तैयार करने की क्षमता भी पैदा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कोविड काल का भी संदर्भ दिया।

स्क्रीन, सिलेबस और समाज : भारतीय युवाओं की सोच किसकी कठपुतली ?

इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव युवाओं की सोच, व्यवहार, नैतिकता, राजनीतिक चेतना और सामाजिक दृष्टिकोण को निरंतर नया स्वरूप प्रदान कर रहा है। प्रस्तुत अध्ययन इसी जटिल प्रक्रिया का गहन विश्लेषण करता है। भारतीय समाज में सिनेमा सदैव मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण भी रहा है। बीसवीं शताब्दी के मध्य तक भारतीय फिल्मों में त्याग, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और नैतिक आदर्शों को प्रमुखता दी जाती थी। समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के प्रभाव से फिल्मों की विषयवस्तु , प्रस्तुति और उद्देश्य में व्यापक परिवर्तन आया। आज का सिनेमा युवाओं के सामने सफलता, धन, उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित उपलब्धियों को जीवन का आदर्श बनाकर प्रस्तुत करता है। फिल्मों के पात्र केवल अभिनय नहीं करते, बल्कि वे पहनावे, भाषा, जीवनशैली, प्रेम संबंधों, करियर विकल्पों और सामाजिक व्यवहार के मॉडल बन जाते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि बार-बार देखे जाने वाले दृश्य और कथाएँ अवचेतन मन में स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं।

हंसराज सुमन
(प्रोफेसर)

वर्तमान समय को यदि सूचना-प्रौद्योगिकी, संचार क्रांति और वैश्विक संपर्क का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इक्कीसवीं सदी का भारत एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ आर्थिक उदारीकरण, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक संस्कृति, सोशल मीडिया और शिक्षा व्यवस्था मिलकर समाज की नई संरचना का निर्माण कर रहे हैं। इस परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव यदि किसी वर्ग पर पड़ा है तो वह युवा वर्ग है। युवा केवल देश की जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे भविष्य के नीति-निमार्ता, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और सामाजिक नेतृत्वकर्ता भी हैं। इसलिए यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि आज भारतीय युवाओं के विचार, मूल्य, आकांक्षाएँ और व्यक्तित्व किन शक्तियों द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं। पहले जहाँ परिवार, विद्यालय, गुरु, स्थानीय समाज और सांस्कृतिक परंपराएँ युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण के प्रमुख साधन थे, वहीं आज सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एल्गोरिद्म, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, डिजिटल मनोरंजन, शिक्षा प्रणाली तथा वैश्विक बाजार की शक्तियाँ इस प्रक्रिया में अत्यधिक प्रभावशाली हो गई हैं। इन सभी कारकों का सम्मिलित प्रभाव युवाओं की सोच, व्यवहार, नैतिकता, राजनीतिक चेतना और सामाजिक दृष्टिकोण को निरंतर नया स्वरूप प्रदान कर रहा है। प्रस्तुत अध्ययन इसी जटिल प्रक्रिया का गहन विश्लेषण करता है। भारतीय समाज में सिनेमा सदैव मनोरंजन का माध्यम मात्र नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण भी रहा है। बीसवीं शताब्दी के मध्य तक भारतीय फिल्मों में त्याग, पारिवारिक एकता, सामाजिक समरसता और नैतिक आदर्शों को प्रमुखता दी जाती थी। समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के प्रभाव से फिल्मों की विषयवस्तु , प्रस्तुति और उद्देश्य में व्यापक परिवर्तन आया। आज का सिनेमा युवाओं के सामने सफलता, धन, उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और त्वरित उपलब्धियों को जीवन का आदर्श बनाकर प्रस्तुत करता है। फिल्मों के पात्र केवल अभिनय नहीं करते, बल्कि वे पहनावे, भाषा, जीवनशैली, प्रेम संबंधों, करियर विकल्पों और सामाजिक व्यवहार के मॉडल बन जाते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह सिद्ध हुआ है कि बार-बार देखे जाने वाले दृश्य और कथाएँ अवचेतन मन में स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं। परिणामस्वरूप युवा अपनी वास्तविक परिस्थितियों की तुलना फिल्मी आदर्शों से करने लगते हैं, जिससे कई बार असंतोष, अवास्तविक अपेक्षाएँ तथा मानसिक तनाव उत्पन्न होता है। दूसरी ओर प्रेरणादायक जीवनी-आधारित तथा राष्ट्रनिर्माण से संबंधित फिल्में युवाओं में देशभक्ति, साहस, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करती हैं। इसलिए सिनेमा का प्रभाव एकांगी नहीं, बल्कि बहुआयामी है। ओटीटी प्लेटफॉर्मों ने मनोरंजन की दुनिया में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, डिज्नी, जियोहॉटस्टार और अन्य मंचों ने पारंपरिक सेंसर व्यवस्था की सीमाओं को चुनौती देते हुए विविध विषयों पर आधारित सामग्री उपलब्ध कराई है। इन प्लेटफॉर्मों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, यथार्थवादी कथानक और सामाजिक विमर्श को नई दिशा प्रदान की है। अनेक वेब सीरीज जाति, लैंगिक समानता, मानसिक स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, अपराध, राजनीति तथा सामाजिक असमानताओं जैसे विषयों को गंभीरता से प्रस्तुत करती हैं। इससे युवाओं की सामाजिक जागरूकता का विस्तार हुआ है। किंतु दूसरी ओर अत्यधिक हिंसा, अश्लीलता, नशे, अपराध और नैतिक अस्पष्टता को सामान्य जीवन का हिस्सा बनाकर प्रस्तुत करने वाली सामग्री भी तेजी से बढ़ी है। किशोरावस्था में व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील होती है; ऐसे में यदि मनोरंजन का प्रमुख स्रोत हिंसक और उत्तेजक सामग्री बन जाए तो उसका प्रभाव व्यवहार और दृष्टिकोण पर पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए ओटीटी प्लेटफॉर्म अवसर और चुनौती दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा के राष्ट्रीय और वैश्विक विस्तार ने भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य को नई दिशा दी है। ह्य बाहुबली ह्ल, ह्यआरआरआर ह्ल, ह्य पुष्पा ह्ल और ह्य कांतारा ह्ल जैसी फिल्मों ने न केवल क्षेत्रीय भाषाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विविधता को भी नई प्रतिष्ठा प्रदान की। इन फिल्मों ने युवाओं में स्थानीय इतिहास, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति नई रुचि उत्पन्न की। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि भारतीय युवा अब केवल हिंदी सिनेमा तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे विविध भाषाई और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को समान उत्साह से स्वीकार कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता दोनों को मजबूत करती है। दूसरी ओर अत्यधिक नायक-पूजा, अतिरंजित हिंसा तथा अवास्तविक शक्ति-प्रदर्शन भी कई बार युवाओं में यथार्थ से दूर कल्पनाशील मानसिकता को जन्म देता है। अतः इस प्रभाव का संतुलित मूल्यांकन आवश्यक है। डिजिटल मीडिया आज युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने सूचना तक पहुँच को अत्यंत सरल बना दिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे मंचों ने अभिव्यक्ति के नए अवसर प्रदान किए हैं। युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं, ज्ञान अर्जित कर सकते हैं, वैश्विक समुदायों से जुड़ सकते हैं तथा उद्यमिता के नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सोशल मीडिया – तकनीक सुविधा और चुनौती

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

इक्कीसवीं सदी में सोशल मीडिया ने दुनिया को जिस तेजी से बदला है, उसकी कल्पना कुछ दशक पहले तक करना भी मुश्किल था। आज किसी गांव में बैठा व्यक्ति कुछ सेकंड में दुनिया के किसी दूसरे कोने में मौजूद व्यक्ति तक अपनी बात पहुंचा सकता है। किसी घटना का वीडियो कुछ मिनटों में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। सरकारें नागरिकों से सीधे संवाद कर सकती है, कारोबारी अपने उत्पादों का प्रचार कर सकते हैं, कलाकारों को अपना मंच मिल सकता है और आम नागरिक भी अपनी आवाज लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही ताकत अब एक गंभीर चुनौती का रूप भी ले रही है। सोशल मीडिया जितना लोकतांत्रिक संवाद का माध्यम बना है, उतना ही यह गलत सूचना, अफवाह, फर्जी सामग्री, छेड़छाड़ किए गए वीडियो और अब डीपफेक जैसी तकनीकों के कारण चिंता का विषय भी बन गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तस्वीर, आवाज और वीडियो को इस स्तर तक बदलना संभव बना दिया है कि वास्तविक और नकली के बीच अंतर करना आम व्यक्ति के लिए बेहद कठिन हो गया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह चुनौती और गंभीर हो जाती है। यहां करोड़ों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। राजनीतिक बहस से लेकर मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार, सामाजिक अभियान और व्यक्तिगत संवाद तक, डिजिटल प्लेटफॉर्म रोजमर्रा की जिन्दगी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसी बदलते डिजिटल परिदृश्य में केंद्र सरकार ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा से डीपफेक सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। सरकार और कंपनी के बीच हुई बैठकों के नतीजों की समीक्षा के बाद आगे के कदमों के लिए कानूनी राय लेने की बात भी सामने आई है। यह घटनाक्रम केवल किसी एक कंपनी या किसी एक तकनीक का मामला नहीं है। यह उस बड़े सवाल की ओर इशारा करता है कि डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों की सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए? सोशल मीडिया को केवल समस्या के रूप में देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। इसके असंख्य सकारात्मक पक्ष हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने संचार की दुनिया को बदल दिया है। परिवार के सदस्य दूर रहने के बावजूद जुड़े रह सकते हैं। विद्यार्थी ऑनलाइन ज्ञान हासिल कर सकते हैं। छोटे व्यापारी बिना बड़े विज्ञापन बजट के अपने उत्पाद ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं। सामाजिक संगठनों को अभियान चलाने का मंच मिलता है। किसी प्राकृतिक आपदा के समय सोशल मीडिया राहत और बचाव कार्य में भी उपयोगी साबित हो सकता है। रक्त की जरूरत, लापता व्यक्ति, आपात सहायता या स्थानीय प्रशासन की सूचना कुछ ही समय में बड़े समूह तक पहुंचाई जा सकती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब इसी तंत्र का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, लोगों को भ्रमित करने, किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा खराब करने, सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने या राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गति है और यही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी बन सकती है। एक गलत वीडियो को सत्यापित होने में कई घंटे लग सकते हैं, लेकिन उसे वायरल होने में कुछ सेकंड ही लगते हैं। यही अंतर डीपफेक के खतरे को और बड़ा बना देता है। डीपफेक ऐसी डिजिटल सामग्री को कहा जाता है जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों की सहायता से किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज, हावभाव या पूरे वीडियो को इस तरह बदला जाता है कि वह देखने और सुनने में वास्तविक प्रतीत हो। कल्पना कीजिए कि किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का चेहरा किसी दूसरे व्यक्ति के वीडियो पर लगा दिया जाए और उसकी आवाज भी उसी व्यक्ति जैसी बना दी जाए। देखने वाले को लगेगा कि वास्तव में वही व्यक्ति वह बात कह रहा है। यहीं से खतरा शुरू होता है। डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल मनोरंजन, फिल्म निर्माण, डबिंग, शिक्षा या रचनात्मक प्रयोगों के लिए सकारात्मक रूप से भी किया जा सकता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

मुफ्फसिल थानान्तर्गत लूट के कांड में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षो में वांछित तथा फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मुफ्फसिल थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 111/22 लुट कांड के नामजद अभियुक्त आदित्य सिंह उर्फ छोटू सिंह, पिता-बच्चा सिंह, साकिन-प्रभुनाथ नगर, थाना-मुफ्फसिल, जिला-सारण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने जलालपुर में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग

छपरा सदर। महाराजगंज,बिहार से सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में नियम-377 के अधीन महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर में केन्द्रीय विद्यालय खोलने के संबंध में मांग करते हुए कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र अंतर्गत,जिला-सारण (छपरा) ,बिहार के जलालपुर प्रखंड अंतर्गत,जलालपुर (कोठेयाँ) में आई. टी.बी.पी, छठी वाहिनी का मुख्यालय (केंद्र) स्थित है । इस मुख्यालय परिसर में लगभग 9 भवन खंडों में 10 कम्पनियों के लगभग 1000 जवान और अधिकारी कार्यरत है । इन जवानों और अधिकारियों के बच्चों की शिक्षा और पठन पाठन की समस्या है कारण कि जलालपुर में गुणवता पूर्व और सही रूप से सुचारू शिक्षा देने वाले विद्यालय की कमी है । इसलिए देश के कर्मठ और वीर जवानों के बच्चों को सही और गुणवता पूर्ण शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराने हेतु एक केंद्रीय विद्यालय की स्थापना जलालपुर में करने की आवश्यकता है । जलालपुर में केन्द्रीय विद्यालय खुलने से न से न सिर्फ आई टी बी पी के जवानों के बच्चों को शिक्षा की सुविधा मिलेगी बल्कि जलालपुर के आस-पास के दर्जनों ग्रामों के वैसे सैकड़ो केन्द्रीय कर्मियों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा '

विगत 24 घंटे में 46 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री,भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 09 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-46 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वारंट में 20, हत्या के प्रयास में 8, शराब सेवन में 6, शराब कारोबारी में 5, गृहभेदन में 3, डकैती में 1, चोरी में 1, अपहरण में 1 तथा लूट कंद का 1 अभियुक्त शामिल है। वहीं अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-138 वाहनों से 2,13,500/ रूपए जुर्माना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत देशी शराब 33 ली०, सोना कान फूल 1, चांदी का पायल 4 जोड़ी, चांदी का सिक्कड़ी 2, चांदी का कंगन 1, चांदी का बाजू 2, चांदी का कमरबंध 1 एवं अपहता 1 बरामद किए गए।

लड़की का अपहरण की आशंका से परिवार आशंकित

मकेर। एक लड़की की अपहरण होने की आशंका से परिवार आशंकित है थाना क्षेत्र के ठहरा ठाकुरबाड़ी निवासी अर्जुन सहनी ने मकेर थाना में एक आवेदन किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि मेरी लड़की रात्रि में खाना खाकर सोने के लिए अपने कमरा में चली गयी थी लेकिन देखा तो रूम से गायब थी। आसपास लोगों से जानकारी प्राप्त किया लेकिन टोह नहीं मिला तत्पश्चात मकेर थाना में आवेदन किया है जिसमे उन्होंने बताया है कि लड़की नाबालिक है आशंका है कि गलत नियत से अपहरण किया गया है।उन्होंने पुलिस से लड़की की कुशल बरामदगी की गुहार लगाई है पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर लड़की की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं घटना बीती रात की है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर बनियापुर में दिखा उत्साह,निकाली गई बाइक रैली

बनियापुर। बनियापुर में प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधियों ,विद्यालय के प्रधानाध्यापकों शिक्षकों ,छात्रों की उपस्थिति में राष्ट्रभक्ति में ओतप्रोत होकर बनियापुर मुख्यालय से एक विशाल हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रैली का आयोजन किया गया,जिस कार्यक्रम में सभी शामिल जन प्रतिनिधि शिक्षक पदाधिकारी छात्र अपने अपने हाथों में तिरंगा लेकर नारेबाजी करते एनएच 331पर बनियापुर कन्हौली होते आगे की ओर रैली का आयोजन किया।जहां एक महारैली सैकड़ों की संख्या में शिक्षक जन प्रतिनिधि पदाधिकारी छात्र शामिल हुए।

सामाजिक सुरक्षा की बड़ी सौगात: सारण के 3.85 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में पहुंचे 44.14 करोड़ रुपये

बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांगों को आर्थिक संबल, डीबीटी से सीधे बैंक खातों में पहुंची अगस्त की पेंशन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों के लिए सोमवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया। बिहार सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत अगस्त 2026 की पेंशन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बिहार श्री सम्राट चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेंशन राशि के हस्तांतरण की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिला मुख्यालयों में किया गया। छपरा जिला मुख्यालय में आयोजित लाइव कार्यक्रम में जिलाधिकारी सारण वैभव श्रीवास्तव, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग राहुल कुमार, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती किरण कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं विभिन्न पेंशन योजनाओं के दर्जनों लाभार्थी उपस्थित रहे। राज्यभर में कुल 1 करोड़ 1 लाख 32 हजार 888 लाभार्थियों के बैंक खातों में लगभग 1,157 करोड़ 71 लाख 84 हजार 700 रुपये की पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। वहीं, सारण जिले के 3 लाख 85 हजार 871 लाभार्थियों के खातों में कुल 44 करोड़ 14 लाख 99 हजार 400 रुपये की राशि सीधे भेजी गई। सारण जिले में सबसे अधिक 2 लाख 4 हजार 240 लाभार्थी मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना से लाभान्वित हुए। इसके अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 83,070, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 38,828, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 13,958, बिहार निःशक्तता पेंशन योजना के 40,310 तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 5,465 लाभार्थियों के खातों में पेंशन राशि भेजी गई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं वृद्धजनों, विधवाओं, दिव्यांगजनों एवं अन्य पात्र जरूरतमंद लोगों के लिए आर्थिक सहारा बन रही हैं। नियमित पेंशन से लाभार्थियों को दैनिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है और उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता का संबल प्राप्त होता है। डीबीटी व्यवस्था के माध्यम से प्रत्येक माह की 10 तारीख को पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जाने से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनी है। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होने के साथ ही लाभार्थियों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो रहा है। जिला प्रशासन ने सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशन लाभार्थियों से अपने बैंक खाते एवं आधार से संबंधित विवरण अद्यतन रखने की अपील की है, ताकि पेंशन राशि के हस्तांतरण में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा या असुविधा उत्पन्न न हो। बता दें कि यह राशि केवल पेंशन नहीं, बल्कि जरूरतमंद बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के लिए सम्मानजनक जीवन और आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार है।

जनता दरबार की बढ़ रही है लोकप्रिय , डीएम ने सुनी 54 फरियादियों की समस्याएं

- भूमि, राजस्व और आपदा से जुड़े मामलों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। आमलोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासन को जनता के और करीब लाने के उद्देश्य से आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में सोमवार को 54 फरियादी पहुंचे। जिलाधिकारी ने सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। जिलाधिकारी की पहल पर सप्ताह के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में आमजन सीधे जिला प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रख रहे हैं। सोमवार को आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में राजस्व एवं भूमि सुधार, आपदा प्रबंधन तथा भू-अर्जन से संबंधित मामले सामने आए। जिलाधिकारी ने एक-एक आवेदक की समस्या को सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का गंभीरतापूर्वक निष्पादन करने और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों के पास आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। प्रशासन का प्रयास है कि आमलोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े और उनकी शिकायतों का प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो। जनता के दरबार में जिलाधिकारीह्व कार्यक्रम आमलोगों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद का एक सशक्त माध्यम बन रहा है, जिसके तहत लोगों की शिकायतों को सुनकर उनके समाधान की दिशा में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

दारौंदा में प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 126 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान दारौंदा प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत दरौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 126 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में पहुंची महिलाओं की सबसे पहले सर्दी, खांसी, बुखार एवं रक्तचाप (बीपी) की जांच की गई। इसके बाद लैब टेक्नीशियन अब्दुल जनान द्वारा रक्त नमूना लेकर एचआईवी, हीमोग्लोबिन, शुगर, रक्त समूह, वजन सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं। जांच के उपरांत मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। प्रभारी चिकित्सक पदाधिकारी डॉ.विकाश कुमार भारद्वाज ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। वहीं डॉ. रजिया सुल्ताना ने गर्मी एवं मौसम परिवर्तन को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य पेय पदार्थों का सेवन करने की बात कही। लैब टेक्नीशियन अब्दुल जनान ने बताया कि सभी महिलाओं के रक्त नमूने की जांच प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध करा दी जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह, डॉ. जमशेद आलम,डॉ. रजिया सुल्ताना, एएनएम अनीता कुमारी नीतू सिंह, जूली कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

टीबी मरीजों को पोषण का संबल, डीएम ने बांटी पोषण किट, पात्र लाभुकों को 6,000 सहायता का निर्देश

- पोषण से सुधार, टीबी पर प्रहार, दवा के साथ पौष्टिक आहार को बताया इलाज का अहम हिस्सा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। टीबी मरीजों को बेहतर पोषण और उपचार के दौरान आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में सारण जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, सारण वैभव श्रीवास्तव ने टीबी मरीजों के बीच मिक्स्ड पोषण किट का वितरण किया। यह पोषण सामग्री भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, सारण के माध्यम से उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी से मुक्ति के लिए नियमित और पूर्ण उपचार के साथ-साथ पर्याप्त एवं संतुलित पोषण भी बेहद जरूरी है। पौष्टिक आहार मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है, शरीर की कमजोरी दूर करने में मदद करता है और उपचार के दौरान तेजी से स्वास्थ्य लाभ में सहायक होता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र टीबी मरीजों को सरकारी योजना के तहत दो किस्तों में कुल 6,000 की पोषण सहायता राशि उनके बैंक खातों में समय पर उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए लाभार्थियों के बैंक खाते एवं आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि कोई भी पात्र मरीज योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को टीबी मरीजों की नियमित निगरानी, दवा सेवन की निरंतरता और पोषण संबंधी जरूरतों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही टीबी को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों और सामाजिक संकोच को दूर करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। निक्षय मित्र अभियान के तहत उपलब्ध कराई जा रही पोषण सहायता में दाल, सोयाबीन, चना, चावल, गेहूं एवं मोटे अनाज जैसी पौष्टिक खाद्य सामग्री शामिल है। जिलाधिकारी ने कहा कि ह्लपोषण से सुधार, टीबी पर प्रहारह्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित दवा सेवन और पर्याप्त पोषण से टीबी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील की कि टीबी के लक्षण दिखाई देने पर बिना किसी संकोच के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। समय पर पहचान और पूरा इलाज न केवल मरीज को स्वस्थ बनाता है, बल्कि संक्रमण के प्रसार को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सारण जिले में मरीजों की पहचान, जांच, उपचार, पोषण सहायता और जन-जागरूकता की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिला प्रशासन का लक्ष्य समय पर उपचार और आवश्यक सहयोग के माध्यम से सारण को टीबी मुक्त बनाने के अभियान को और गति देना है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मी, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, सारण के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट के न्यायादेश से जेपीयू बैकफुट पर

छपरा कार्यालय। जेपीयू द्वारा बिना सहमति के अर्थपाल पद पर की गई प्रतिनियुक्ति के विरुद्ध विजय कुमार द्वारा जय प्रकाश विश्वविद्यालय एवं अन्य के विरुद्ध दायर याचिका सीडब्ल्यूजेसी 11562/2026 पर सुनवाई के उपरांत 7 अगस्त 2026 को आदेश पारित करते हुए माननीय पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री हरीश कुमार ने अपने न्यायादेश में यह स्पष्ट उल्लेख किया है कि विश्वविद्यालय को यह आभास हुआ कि पिछली अधिसूचना सहायक प्रोफेसरों से विकल्प आमंत्रित किए बिना ही निर्गत की गई थी, तो तदनुसार दिनांक 01.07.2026 को नई अधिसूचना जारी करके उक्त गलती को सुधार लिया गया है। ज्ञात हो कि याचिकाकर्ता डॉ विजय कुमार जगदम कॉलेज छपरा में राजनीति शास्त्र के वरीय सहायक प्राध्यापक हैं। बिना उनकी सहमति और उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए तीन विकल्पों को दरकिनार करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा जारी पत्रांक 5344-ए२३-कदिनांक 27.05.2026 और संशोधित अधिसूचना संख्या 5406-ए२३-कदिनांक 06.06.2026 द्वारा उनकी प्रतिनियुक्ति नवसृजित राजकीय डिग्री कॉलेज, मशरख में कर दी गई थी। उन्होंने अपनी प्रतिनियुक्ति को पटना हाइकोर्ट में चुनौती दी। हाइकोर्ट को विश्वविद्यालय के अधिवक्ता ने बताया कि विजय कुमार की रिट याचिका लंबित रहने के दौरान विश्वविद्यालय ने एक नई अधिसूचना दिनांक 01.07.2026 को जारी की, जिसके तहत एच आर कॉलेज अमनौर के सहायक प्राध्यापक डॉ. मो. अश्दुल्लाह को राजकीय डिग्री कॉलेज, मशरख में अर्थपाल के पद पर प्रतिनियुक्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत 01.07.2026 की अधिसूचना को देखते हुए माननीय पटना उच्च न्यायालय ने विजय कुमार की याचिका को निस्तारित करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता से संबंधित पूर्व में निर्गत की गई अधिसूचनाएं अब प्रभावी रूप से प्रतिस्थापित हो जाती हैं। यानी विजय कुमार अब अपने मूल पदस्थापना स्थल पर बने रहेंगे। इससे पूर्व भी अर्थपाल के रूप में प्रतिनियुक्त कमाल अहमद द्वारा दायर याचिका सीडब्ल्यूजेसी 10352/2026 पर 24.07.2026 को अंतरिम आदेश पारित करते हुए माननीय पटना उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि शिक्षकों को उनकी सहमति के बिना किसी अन्य कॉलेज में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा रहा है, जो कि कानून के स्थापित सिद्धांत के अनुरूप नहीं है। इस मामले की अगली सुनवाई 17.08.2026 को सूचीबद्ध है। प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रतिनियुक्त कुछ अन्य प्राध्यापकों का मामला भी हाइकोर्ट में अभी लंबित है।

गांव में बैठकर डॉक्टर से ऑनलाइन इलाज, ई-संजीवनी ने बदली ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की तस्वीर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अब ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए बार-बार अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है। गांव के नजदीक स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर मरीज सीधे डॉक्टर से ऑनलाइन जुड़ रहे हैं और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी बीमारी की जानकारी देकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ई-संजीवनी टेली कंसल्टेंसी सेवा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सारण जिले में इस डिजिटल स्वास्थ्य सेवा का दायरा लगातार बढ़ रहा है। जिले में 19 हब और 349 स्पोक संचालित किए जा रहे हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को स्पोक तथा पीएचसी और सीएचसी को हब बनाया गया है। स्पोक सेंटर पर तैनात सीएचओ मरीजों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हब पर मौजूद चिकित्सकों से जोड़ते हैं। इसके बाद डॉक्टर मरीज की समस्या सुनकर आवश्यक दवा, जांच और आगे के इलाज के संबंध में परामर्श देते हैं। जुलाई में 18,498 मरीजों को मिला ऑनलाइन इलाज ई-संजीवनी टेली कंसल्टेंसी के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते भरोसे का अंदाजा जुलाई माह के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। जुलाई में सारण जिले में कुल 18,498 मरीजों ने टेली कंसल्टेंसी सेवा का लाभ लिया। इनमें सबसे अधिक मरीजों को परामर्श देने वालों में दिघवारा सीएचसी के डॉ. रौशन कुमार सबसे आगे रहे। उन्होंने अकेले 3,296 मरीजों को ऑनलाइन चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं अमनौर सीएचसी के डॉ. शशांक शुभम ने 2,999 मरीजों को टेली कंसल्टेंसी के माध्यम से चिकित्सकीय सलाह दी। तीसरे स्थान पर मांझी सीएचसी के डॉ. रोहित कुमार रहे, जिन्होंने 1,872 मरीजों को ऑनलाइन परामर्श उपलब्ध कराया। इस सेवा के जरिए विशेषज्ञ चिकित्सकों तक ग्रामीण मरीजों की पहुंच आसान हुई है। खासकर वैसे मरीज, जिन्हें सामान्य बीमारी के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय तक आने में समय और पैसे खर्च करने पड़ते थे, उन्हें अब अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से ही डॉक्टर की सलाह मिल रही है। ऐसे मिलती है डॉक्टर से ऑनलाइन सलाह टेली मेडिसिन सेवा का लाभ लेने के लिए मरीज को अपने गांव के नजदीकी स्वास्थ्य उपकेंद्र या हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर जाना होता है। वहां एएनएम या सीएचओ मरीज का पंजीकरण करने के बाद उसकी प्राथमिक जानकारी लेते हैं। इसके बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मरीज को हब पर बैठे डॉक्टर से जोड़ा जाता है। डॉक्टर मरीज से बीमारी के लक्षण और अन्य जरूरी जानकारी लेते हैं। आवश्यकता पड़ने पर जांच की सलाह दी जाती है और उपचार के लिए दवाएं लिखी जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में मरीज को अपने गांव से दूर अस्पताल जाने की जरूरत कम हो जाती है। ग्रामीणों के समय और पैसे दोनों की बचत टेली कंसल्टेंसी का सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण मरीजों को मिल रहा है। पहले सामान्य बीमारी के लिए भी कई मरीजों को प्रखंड या जिला मुख्यालय तक जाना पड़ता था। आने-जाने में समय और पैसे दोनों खर्च होते थे। अब गांव के नजदीक स्वास्थ्य केंद्र पर ही डॉक्टर से संपर्क हो जाने के कारण मरीजों को राहत मिल रही है। ग्रामीण की सुने मांझी प्रखंड के मटियार निवासी रामजी महतो ने बताया कि पहले डॉक्टर को दिखाने के लिए प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता था। आने-जाने में पूरा दिन निकल जाता था। अब गांव के स्वास्थ्य केंद्र पर ही डॉक्टर से वीडियो कॉल के माध्यम से बात हो जाती है और दवा व जांच के बारे में जानकारी मिल जाती है। इससे काफी सुविधा हुई है। ग्रामीण-शहरी डिजिटल स्वास्थ्य अंतर को पाटने की कोशिश सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि ई-संजीवनी एबी-एचडब्ल्यूसी टेली-परामर्श सेवा का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की दूरी को कम करना है। हब एंड स्पोक मॉडल के तहत ग्रामीण स्तर पर संचालित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को चिकित्सकीय हब से जोड़ा गया है। हब पर एमबीबीएस, विशेषज्ञ और जरूरत के अनुसार सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

बीडीसी की बैठक में नल-जल और बिजली से संबंधित मुद्दे छाए रहे

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को बीडीसी की सामान्य बैठक प्रखंड प्रमुख मितेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, जी राम जी, राजस्व एवं भूमि सुधार, सांख्यिकी, विद्युत, जीविका, पशुपालन सहित अन्य विभागों के द्वारा संचालित जनहित योजनाओं की समीक्षा की गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सर्वसम्मति से विभिन्न विभागों से संबंधित 9 करोड़ की योजनाओं को पारित किया गया। मुखिया धनंजय पांडेय तथा बीडीसी सदस्य रणधीर सिंह ने नल-जल योजना की कमियों को उजागर करते हुए कहा कि 90 प्रतिशत लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट सात निश्चय के तहत आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की यह जनकल्याणकारी योजना कागजों तक सीमित रह गई है। वहीं बीडीसी शमशेर आलम तथा बीडीसी नंदकिशोर राय ने बिजली से संबंधित समस्याएं रखीं। जिसमें बिजली के पोल -तार लुंज-पुंज होने तथा पोल की जगह बांस के पोल उपयोग करने की शिकायत करते हुए कहा कि परुआ बैल के हेव के आशा वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए आंधी-पानी का आभास होते ही विभाग द्वारा बिजली का लाइन काट दिया जाता है। जिससे उमस भरी गर्मी से आमजन परेशान हो जाते हैं। वहीं अंधेरे में सांप-बिच्छू के काटने का डर बना रहता है। मुखिया अजय राय ने आम लोगों के हितों की बात करते हुए बीडीसी की बैठक प्रत्येक 3 महीने पर आयोजित किए जाने का प्रस्ताव रखा। वहीं नल-जल योजना के निरीक्षण के लिए जांच कमेटी बनाने का भी प्रस्ताव रखा। बैठक में सीडीपीओ समेत अन्य पदाधिकारियों की अनुपस्थिति पर निंदा प्रस्ताव लाया गया। जिस पर प्रमुख ने शो-कौज जारी किया। प्रमुख ने पैक्स से संबंधित योजनाओं की जानकारी सार्वजनिक करने तथा पैक्सों में खरीदे गए धान और सबसे संबंधित किसानों की सूची सदन के सभी माननीय सदस्यों को उपलब्ध कराने की भी मांग की। बैठक में बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी इंजीनियर सत्यम सिंह, सीओ शैलेंद्र कुमार यादव, उप प्रमुख मुन्नी देवी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी, पीओ तृप्ति लाल, बीसी आलोक कुमार, बीपीएम तनवीर हसन, बीएचओ सिकंदर यादव तथा पंचायत के मुखिया और समिति सदस्य गण मौजूद थे।

सारण एसएसपी द्वारा विधि-व्यवस्था संधारण हेतु सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

छपरा सदर । सोमवार को सारण एस एस पी विनीत कुमार द्वारा अखिल भारतीय संयुक्त ट्रेड यूनियन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर प्रस्तावित आंदोलन के मद्देनजर जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आंदोलन के मद्देनजर जिले के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य स्थानों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था पर निगरानी रख रहे हैं।

19 अगस्त को जेपीयू में आइसा और आरवाईए का विशाल छात्र संसद

छपरा सदर। शिक्षा, रोजगार और छात्र अधिकारों को लेकर छपरा, सिवान और गोपालगंज से हजारों छात्र-नौजवान छपरा जयप्रकाश विश्वविद्यालय में एकत्रित होंगे। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और रिवोल्यूशनरी यूथ एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 19 अगस्त को जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के प्रांगण में एक विशाल ह्यछात्र संसदह्व का आयोजन करेंगे । इस ऐतिहासिक छात्र संसद में छपरा, सिवान और गोपालगंज (सारण प्रमंडल) के हजारों की संख्या में छात्र और युवा भाग लेंगे और अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरेंगे। छात्र संगठनों का कहना है कि वर्तमान शिक्षा नीतियां और सरकार की कार्यप्रणाली लगातार छात्रों व युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। शिक्षा का निजीकरण, भगवाकरण और रोजगार के नाम पर युवाओं के साथ खेलवाड किया जा रहा है, जिसके खिलाफ यह बड़ा आंदोलन खड़ा किया जा रहा है। कुणाल कौशिक ने कहा हैं कि आज हमारा विश्वविद्यालय गंभीर प्रशासनिक अराजकता और अनियमितताओं के दौर से गुजर रहा है। जिस संस्थान को छात्रों के भविष्य का निर्माण करना चाहिए, वह अव्यवस्था और लापरवाही का केंद्र बन चुका है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शहर में निकली भव्य तिरंगा साइकिल रैली, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

- डीएम ने दिखाई हरी झंडी, स्केटिंग करते बच्चों और तिरंगा थामे छात्रों ने बढ़ाया देशभक्ति का उत्साह
- यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के भीतर राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की है भावना : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को सारण जिला प्रशासन की ओर से समाहरणालय परिसर से भव्य तिरंगा साइकिल रैली निकाली गई। जिला पदाधिकारी श्री वैभव श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। तिरंगा साइकिल रैली समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर थाना चौक होते हुए खेल भवन परिसर तक पहुंची। रैली में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों, विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली की खास बात यह रही कि सबसे आगे स्केटिंग करते बच्चे चल रहे थे, जबकि उनके पीछे हाथों में तिरंगा थामे साइकिल सवार छात्र-छात्राओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भारत माता की जय और वंदे मातर के गगनभेदी नारों से पूरा मार्ग देशभक्ति के रंग में रंग गया। रैली के माध्यम से आमजन के बीच राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। साथ ही जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के भीतर राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश के गौरव, एकता और अखंडता का प्रतीक है तथा यह हमें स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार के निदेशानुसार 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को फ्लैग कोड ऑफ इंडिया का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगे की गरिमा और सम्मान बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य आमजन में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना तथा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति जन-जागरूकता को मजबूत करना है। जब हर घर पर तिरंगा लहराता है तो वह केवल एक ध्वज नहीं होता, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और सामूहिक राष्ट्रभावना का प्रतीक बन जाता है। इस अवसर पर जिले के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिनियम लागू करने से पहले शिक्षकों और शिक्षाविदों से हो व्यापक संवाद : डॉ. कमाल अहमद

छपरा। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 के प्रस्तावित स्वरूप को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जेपीयू के वरीय सहायक प्राध्यापक डॉ. कमाल अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों से जुड़े किसी भी नए कानून को लागू करने से पहले शिक्षकों, शिक्षाविदों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ व्यापक एवं सार्थक संवाद किया जाना आवश्यक है। डॉ. अहमद ने कहा कि प्रस्तावित नए अधिनियम के लागू होने से विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों की शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता प्रभावित होने की आशंका है। उनका कहना है कि इससे उच्च शिक्षा संस्थानों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ सकता है, जिसका असर विश्वविद्यालयों की पारंपरिक कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि स्नातक स्तर की शिक्षा और महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा विभाग के अधीन लाने की योजना से विश्वविद्यालयों की मौजूदा संरचना में व्यापक बदलाव की संभावना है। साथ ही राज्यपाल सह कुलाधिपति की भूमिका और अधिकारों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

हेमन्त कुमार पर चल रही विभागीय कार्रवाई के चलते हटाया गया

छपरा सदर। पुअनि० हेमन्त कुमार पर चल रही विभागीय कार्रवाई के चलते हटाया गया। पुअनि तत्कालीन थानाध्यक्ष, अमनौर थाना के संबंध में पूर्व में जारी प्रेस विज्ञप्ति में निलंबन की कार्रवाई का उल्लेख किया गया था। एस एस पी कार्यालय ने इस संबंध में स्पष्ट किया है कि पु०अ०नि० हेमन्त कुमार के विरुद्ध कर्तव्य के निर्वहन में लापरवाही के संबंध में विभागीय कार्रवाई प्रारंभ की गई है। विभागीय कार्रवाई लंबित रहने के कारण निर्धारित प्रावधानों के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से थानाध्यक्ष, अमनौर के पद से हटाते हुए पुलिस केन्द्र, सारण वापस किया गया है। अतः पूर्व में जारी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लिखित निलंबन की कार्रवाई संबंधी तथ्य का संशोधन करते हुए स्पष्ट किया जाता है कि पुअनि हेमन्त कुमार निलंबित नहीं किए गए हैं, बल्कि उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करते हुए।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो जख्मी

आरा। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटित सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो जख्मी हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के समीप की है। जहां सोमवार की दोपहर बाइक सवार ने सड़क पार कर रही एक बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी बच्ची मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी गांधी कुमार के 5 वर्षीय पुत्री प्रीति कुमारी है। इधर, जख्मी के पिता ने बताया कि वह स्कूल से वापस लौटने के क्रम में दौलतपुर गांव के समीप सड़क पार कर रही थी। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। वही दूसरी बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव के समीप की है। जहां सोमवार की दोपहर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी युवक बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव निवासी तपेश्वर बिंद का 30 वर्षीय पुत्र ओम प्रकाश बिंद है। इधर, जख्मी युवक के परिजन ने बताया कि सोमवार की दोपहर में बाइक द्वारा अपने गांव से बखोरापुर जा रहा था। इस दौरान बखोरापुर गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार दी।

कीटनाशक का सेवन करने से किशोरी की हालत गंभीर

आरा। नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मोहल्ले में सोमवार की सुबह कीटनाशक का सेवन करने से किशोरी की हालत काफी गंभीर हो गई। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार उक्त किशोरी नवादा थाना क्षेत्र के पकड़ी मोहल्ला निवासी 15 वर्षीय सोनी कुमारी (काल्पनिक नाम) है। बताया जाता है कि रविवार की सुबह जब घर के सभी लोग अपने काम में लगे हुए थे। इसी बीच उसने कीटनाशक का सेवन कर लिया। जिससे उसका हालत काफी गंभीर हो गई। हालांकि उक्त किशोरी ने कीटनाशक का सेवन क्यों किया? इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

रूदनगर छेर नदी निर्माणाधीन डायवर्सन में पानी पसरा, आवागमन बाधित

शाहपुर निर्माणाधीन रूदनगर छेर नदी डायवर्सन में बारिश के कारण अचानक पानी लेबल बढ़ने से आवागमन बाधित होने लगा। हालांकि फिलहाल पानी लेबल अभी कम है, इसलिए आवागमन हेल कर कीचड के बीच आवागमन चलता रहा। लेकिन ऐसे स्थिति बनी रही तो आज सोमवार से पानी बढ जाने से आवागमन पूरी बाधित हो जाएगा। संपर्क पथ भंग होने से बनाही रेलवे-स्टेशन जाने में कठिनाई होने लगी है। दो किलोमीटर की जगह बीस किलोमीटर बिहियां चौरास्ता होते शाहपुर लोगों का आना जाना होगा। दूरी के साथ आर्थिक बोझ भी बढेगा। पानी लेबल बढने के साथ शाहपुर स्कूल, मिशन निर्मला शिक्षा भवन के बच्चे विद्यालय नहीं आ सकते हैं। विद्यालय प्रबंधक ने सूचना के माध्यम मारल से बच्चों अभिभावक को सूचित किया है कि जान जोखिम में डालकर नहीं आना है। अगर बच्चे का विद्यालय आना होगा तो दूसरे रूट चार्ट के अनुसार आ सकते हैं। ज्यादातर गर्भवती महिला, मरीजों को शाहपुर रेफरल अस्पताल आने जाने में और प्रखंड कार्यालय, नगर पंचायत जाने वाले लोगों को कठिनाई होगी। दस मिनट के जगह घंटो लग जाएगा। आम लोगों में विभाग के प्रति रोष एवं आक्रोश व्याप्त रहा है।

शाहपुर में प्रखंड 20 सूत्री की हुई बैठक, कई बिंदुओं पर हुआ विचार विमर्श

शाहपुर प्रखंड कार्यालय के 20 सूत्री कार्यक्रम कक्ष में आज सोमवार को कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति 20 सूत्री की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अंकित पांडे के द्वारा की गई। अंकित पांडे ने बताया कि बैठक में पंचायत स्तर पर पंचायत सेवक और राजस्व कर्मचारी की अनुपस्थिति इसको लेकर बैठक में चर्चा की गई। और सख्त निर्देश दिया गया। की पंचायत सचिव और राजस्व कर्मचारी पंचायत में पूर्ण रूप से समय दे। ताकि किसी भी ग्रामीणों को परेशानी ना हो और प्रखंड का चक्कर लगाना ना पड़े। उन्होंने कहा कि बैठक में कई विभाग के पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे है। बैठक के दौरान सभी सदस्यों के द्वारा जो भी समस्या बैठक में लाई गई उसको प्रिसाइडिंग तैयार करके उसे एक महीना के अंदर पूरा करने का पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। ताकि अगले बैठक में यह हो सके कि जितने भी इस बैठक में लोगों ने अपनी समस्या रखी। वो सभी समस्या का समाधान हो जाना चाहिए।

आरा में अतिक्रमण के विरुद्ध चला प्रशासन की पीला पंजा

सदर अंचल अधिकारी के नेतृत्व में चलाया गया अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर सोमवार को अंचलाधिकारी, सदर के नेतृत्व में आरा में अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के नाला मोड़, सीके रोड एवं ट्रक सिंडिकेट के पास सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही, संबंधित अतिक्रमणकारियों को सार्वजनिक मार्गों एवं सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त रखने तथा भविष्य में पुनः अतिक्रमण नहीं करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान भारी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी मुस्तैद दिखे। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सार्वजनिक मार्गों, सरकारी भूमि एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। आमजन की सुगम आवाजाही एवं सार्वजनिक स्थलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर एवं नियमानुसार जारी रहेगा।

दरौंदा स्वास्थ्य केंद्र में विधायक ने परखी स्वास्थ्य व्यवस्था, साफ-सफाई पर दिया जोर

सीवान/दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने सोमवार को दरौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और चिकित्सा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक वार्डों में पहुंचे और भर्ती मरीजों व उनके परिजनों से बातचीत कर इलाज, दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से यह भी पूछा कि उन्हें बाहर से दवा खरीदने की जरूरत तो नहीं पड़ रही है और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा समुचित देखभाल की जा रही है या नहीं। विधायक ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा 24 घंटे चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विकास कुमार भारद्वाज, स्वास्थ्य प्रबंधक जितेंद्र कुमार सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व समर्थक मौजूद रहे।

बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में अतिथि प्राध्यापकों ने काला बिल्ला लगाकर किया शैक्षणिक कार्य

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विभिन्न प्रावधानों के विरोध में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय सहित विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य किया। अतिथि प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं विभागों में अतिथि प्राध्यापकों ने काला बिल्ला लगाकर अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि काला बिल्ला आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था या सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि प्रस्तावित अधिनियम के उन प्रावधानों के प्रति चिंता दर्ज कराना है, जिनसे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शैक्षणिक व्यवस्था तथा शिक्षक-कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। डॉ. आनन्द ने कहा कि आंदोलन के दौरान महाविद्यालयों में कक्षाएं एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित रहीं, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अतिथि प्राध्यापकों ने महाविद्यालय स्तर पर सौंपे गए प्रशासनिक कार्यों को भी जिम्मेदारीपूर्वक पूरा किया। उन्होंने सभी अतिथि प्राध्यापकों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संघ आगे भी शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक माध्यम से अपनी बात सरकार और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएगा। संघ को उम्मीद है कि सरकार विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता तथा शिक्षक-कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार करेगी। इस अवसर पर डॉ. धनंजय प्रसाद, डॉ. राधिका रमन, डॉ. अशोक तिवारी, डॉ. अनामिका कुमारी, संजय सिंह, डॉ. एसपी राय, डॉ. कंचन कुमारी, डॉ. जुगल प्रसाद सहित अन्य अतिथि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बांटे हजारों पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड अंतर्गत बंधु छपरा स्थित उत्क्रमित हाई स्कूल बिशनपुर में वन विभाग की ओर से पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच हजारों पौधों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वन विभाग के अधिकारियों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने पौधों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वच्छ हवा और संतुलित पर्यावरण के लिए पौधरोपण को जनअभियान का रूप देना जरूरी है। वन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को पौधे उपलब्ध कराते हुए उन्हें अपने घर, विद्यालय परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। विद्यार्थियों से लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी लेने और समय-समय पर उनकी देखभाल करने की अपील की गई। इस अवसर पर शिक्षा प्रेमी हरेराम चंद्रवंशी, बबुरा थाना अध्यक्ष संजय कुमार, वन पदाधिकारी बड़हरा राजेश कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेंद्र प्रताप रौनक, विजय प्रसाद, पिंटू सिंह सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों ने कहा कि आज लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरियाली और बेहतर पर्यावरण का आधार बनेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय परिसर के साथ-साथ समाज में भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कुंडवा शिव मंदिर में बिहार उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु ने किया जलाभिषेक, हर हर महादेव से जय घोष से गूंज उठा मंदिर

शाहपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिलौटी के अति प्राचीन कुंडवा शिव मंदिर में आज सावन महीने की दूसरी सोमवारी पर जलाभिषेक करने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ लगा रही। सावन की दूसरी सोमवारी पर बिहार , उत्तर प्रदेश और अन्य क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। सुबह से ही मंदिर में हर हर महादेव की जयकारों के साथ भक्तों की लंबी कतारें लगी शुरू हो गई थी । श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सुबह की मंगल आरती के बाद से ही भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था। भक्तों ने शिवलिंग पर गंगाजल दूध बेलपत्र धतूरा और पुष्प अर्पित किए। और अपने परिवार के सुख शांति देश में अमन चैन की भगवान भोलेनाथ से कामना की। श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ को देखते हुए मंदिर के आसपास प्रशासन की तैनाती की गई थी। वही मंदिर कमेटी से जुड़े सदस्य द्वारा महिला और पुरुषों की अलग-अलग कतार में कराकर श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के लिए मंदिर में भेज रहे थे। मंदिर के बहार एक मेले जैसा दृश्य दिखाई दे रहा था। जहां बच्चे खिलौने की खरीदारी तो महिलाएं सिंगर की सामग्री की खरीददारी करती नजर आई। मंदिर परिसर के बाहर प्रसाद की दुकान भी लगी रही।

गांगी नदी में डूबे किशोर का शव दूसरे दिन बरामद

आरा। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बरहबतरा गांगी नदी में डूबे किशोर का शव दूसरे दिन बरामद हुआ। उसका शव थाना क्षेत्र के गांगी नदी से सोमवार की दोपहर बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार मृत किशोर टाउन थाना क्षेत्र के बरहबतरा वार्ड नंबर-3 निवासी मो. शमीम अंसारी का 17 वर्षीय पुत्र मो. सद्दाम है। वह आठवीं कक्षा का छात्र था। बता दें कि रविवार की सुबह वह अपने दोस्तों के साथ बरहबतरा स्थित नदी में नहाने गया था। जहां नहाने के दौरान पानी अधिक गहरा हो जाने के कारण वह डूब गया था। तब उसके दोस्तो द्वारा इसकी सूचना उसके परिजन को दी गई थी। सूचना पाकर परिजन एवं स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच की थी और एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया था। एसडीआरएफ की टीम द्वारा रविवार को देर शाम तक सर्च अभियान चलाया गया था। लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई थी। वहीं दूसरी तरफ रविवार की देर शाम तक एसडीआरएफ की टीम द्वारा चलाए गए सर्च अभियान के दौरान शव नहीं मिलने से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। जिसको लेकर सोमवार की सुबह आक्रोशित लोगों ने सिंडिकेट के मोड़ पर सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी की गई। करीब 2 घंटे तक सड़क को जाम रखा गया। जिसके कारण सड़क के चारों ओर वाहनों की लाइन लग रही एवं आवागमन पूरी तरह ठप्प रहा। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम द्वारा सोमवार को दोबारा सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान गांगी नदी से उसके शव को बरामद किया गया। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया बताया जाता है कि मृत किशोर अपने तीन भाई व दो बहन मे चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां जमीला खातून, दो बहन शब्बू प्रवीण, शबनम परवीन व दो भाई मो.समद एवं मो.सैयद है। घटना को लेकर मृतक के घर में हाहाकार मच गया। उसकी मां जमीला खातून एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वीकेएसयू : बीबीए - बीसीए समेत अन्य व्यावसायिक कोर्सों में नामांकन के लिए दिशा-निर्देश जारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में स्नातक स्तर के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सत्र 2026-30 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने बीबीए, बीसीए, बायोटेक्नोलॉजी समेत विभिन्न वोकेशनल कोर्सों में नामांकन के लिए समर्थ पोर्टल पर आवेदन करने वाले विद्यार्थियों का डेटा संबंधित कॉलेजों को उपलब्ध करा दिया है। साथ ही कॉलेजों को नामांकन प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओपी राय ने बताया कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए समर्थ पोर्टल पर आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं का डाटा संबंधित कॉलेजों को उपलब्ध कराया जा रहा है। वोकेशनल कोर्स संचालित करने वाले कॉलेजों को एआईसीटीई के निर्धारित मापदंडों के अनुसार प्रवेश परीक्षा आयोजित कर अपने स्तर से नामांकन सुनिश्चित करना होगा। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित प्राचार्य को नामांकित विद्यार्थियों के नाम, फॉर्म नंबर और आरक्षण श्रेणी का डाटा एक्सेल फाइल के माध्यम से विश्वविद्यालय को भेजना होगा। विश्वविद्यालय के निर्देश के अनुसार नामांकन के लिए कॉलेज अधिकृत होंगे और प्रवेश परीक्षा के बाद नामांकन लिया जाएगा। विद्यार्थियों से निर्धारित समय में नामांकन प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया गया है। 15 कॉलेजों में बीबीए और 21 में बीसीए की पढ़ाई वीकेएसयू के अंतर्गत 15 कॉलेजों में बीबीए तथा 21 कॉलेजों में बीसीए पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पिछले सत्र में विभिन्न कॉलेजों में बीबीए में विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था। बीबीए के लिए कुल 1060 सीटें निर्धारित हैं, जबकि बीसीए पाठ्यक्रम के लिए 1540 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा बायोटेक्नोलॉजी और अन्य रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में भी नामांकन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। लाइब्रेरी साइंस की मेधा सूची तैयार करने का निर्देश वीकेएसयू में बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस (बी.लिब.) सत्र 2026-27 में नामांकन को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किया गया है। समर्थ पोर्टल से प्राप्त आवेदनों के आधार पर संबंधित कॉलेजों एवं विभागों को मेधा सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय ने सात दिनों के भीतर नामांकन प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित विद्यार्थियों का विवरण एक्सेल फाइल में विश्वविद्यालय को भेजना होगा। मेधा सूची तैयार करते समय आरक्षण नियमों और निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य होगा।

सीवान स्टेशन पर चोरी के तीन मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार, 70 हजार की संपत्ति बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सीवान और जीआरपी सीवान की संयुक्त टीम ने सोमवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन से यात्रियों के सामान की चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन और एक पावर बैंक बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है। रेलवे सुरक्षा बल के अनुसार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी और सहायक सुरक्षा आयुक्त छपरा के दिशा-निर्देशन तथा आरपीएफ पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक के पर्यवेक्षण में संयुक्त टीम सोमवार को प्लेटफॉर्म संख्या तीन के पश्चिमी स्टॉल के पास जांच कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर एक युवक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से विभिन्न कंपनियों के तीन मोबाइल फोन और एक पावर बैंक बरामद हुआ। गिरफ्तार युवक की पहचान मैरवा थाना क्षेत्र के नवका टोला निवासी खुशबूद्दीन अंसारी के पुत्र सलमान अंसारी (19) के रूप में हुई है। पूछताछ में युवक ने बरामद मोबाइल को अलग-अलग ट्रेनों से चोरी करने की बात स्वीकार की है। बरामद सामान में वीवो, ओप्पो और मोटोरोला कंपनी के एक-एक मोबाइल तथा एक पावर बैंक शामिल है। रेल थाना सीवान में मामले को लेकर कांड संख्या 149/26 के तहत बीएनएस की धारा 317(5) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। कार्रवाई में आरपीएफ व जीआरपी के उपनिरीक्षक जयेन्द्र कुमार मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह व शैलेन्द्र पाण्डेय, हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश मिश्रा तथा कांस्टेबल विनोद कुमार वर्मा, विजय कुमार यादव और नीरज कुमार पाण्डेय शामिल रहे।

12 अगस्त को होगी प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से 12 अगस्त को प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक प्रखंड प्रमुख की अध्यक्षता में प्रखंड कृषि कार्यालय के सभागार में होगी। बैठक को लेकर प्रखंड कृषि पदाधिकारी सह सदस्य सचिव, उर्वरक निगरानी समिति की ओर से संबंधित पदाधिकारियों एवं समिति के सदस्यों को पत्र भेजकर निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी के पत्रांक 1092, दिनांक 17 जून 2026 तथा पत्रांक 1379, दिनांक 5 अगस्त 2026 के संदर्भ में बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, जिला पार्षद, बीडीओ, सीओ, बीसीईओ, किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और इससे जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाने की संभावना है।

11 अगस्त को आइसा व आरवाईए का धरना-प्रदर्शन, पुलिस ने की बैठक

सीवान/दरौंदा। विभिन्न मांगों को लेकर आइसा एवं आरवाईए के छात्र-युवा संगठनों द्वारा 11 अगस्त को धरना-प्रदर्शन किए जाने की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आई है. इसको लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है. पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के निर्देश पर सोमवार की संध्या दरौंदा थाना परिसर में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने की. इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की. पुलिस ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें. बैठक में धरना-प्रदर्शन के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने को लेकर आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई. थानाध्यक्ष ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे. पुलिस प्रशासन द्वारा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए जाने की भी बात कही गई. इस दौरान जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

डिग्री के लिए इंटर्नशिप जरूरी, नहीं तो नहीं मिलेगा एग्जिट का विकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है। अब केवल पाठ्यक्रम के क्रेडिट अर्जित करने से विद्यार्थियों को डिग्री नहीं मिलेगी, बल्कि उन्हें निर्धारित अवधि में इंटर्नशिप भी पूरी करनी होगी। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा में भी इस व्यवस्था के लागू होने से विद्यार्थियों को इंटर्नशिप को लेकर विशेष तैयारी करनी होगी। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में मल्टीपल एंट्री और एग्जिट व्यवस्था के तहत पहले, दूसरे या तीसरे वर्ष में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट, डिप्लोमा अथवा बैचलर डिग्री का प्रावधान है। अब इसके साथ इंटर्नशिप की शर्त भी जोड़ी गई है। नए नियम के अनुसार विद्यार्थियों को संबंधित वर्ष में निर्धारित इंटर्नशिप पूरी करनी होगी। इंटर्नशिप सरकारी अथवा गैर-सरकारी संस्थान, एनजीओ या अन्य मान्य संस्थानों में की जा सकेगी। इंटर्नशिप पूरी करने पर विद्यार्थियों को चार क्रेडिट प्रदान किए जाएंगे। यह इंटर्नशिप गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी पूरी की जा सकती है। यदि कोई विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के आवश्यक क्रेडिट तो अर्जित कर लेता है, लेकिन निर्धारित इंटर्नशिप पूरी नहीं करता, तो उसे मल्टीपल एंट्री-एग्जिट के तहत आगे बढ़ने का विकल्प नहीं मिलेगा। नई व्यवस्था के अनुसार पहले वर्ष में एग्जिट करने वाले विद्यार्थियों को अंडरग्रेजुएट सर्टिफिकेट, दूसरे वर्ष में अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में बैचलर डिग्री प्रदान की जाएगी। इसके लिए संबंधित स्तर की पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप की शर्त पूरी करना आवश्यक होगा। इंटर्नशिप की अवधि 60 से 120 घंटे तक निर्धारित की जा सकती है। इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वीकेएसयू के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के संस्थानों, प्रक्रिया और प्रमाणपत्र से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए जाने की उम्मीद है।

कोईलवर सीएचसी में हेल्प सह आपातकालीन नर्सिंग डेस्क शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोईलवर में सोमवार से मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए हेल्प सह आपातकालीन नर्सिंग डेस्क की शुरूआत की गई। स्वास्थ्य केंद्र में शुरू किए गए इस डेस्क पर ऑन ड्यूटी नर्सिंग स्टाफ की तैनाती रहेगी, जो अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगी।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. उमेश कुमार सिंह ने बताया कि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र में हेल्प डेस्क की शुरूआत की गई है। यहां तैनात नर्सिंग स्टाफ मरीजों को संबंधित चिकित्सा सेवा, जांच एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी देंगी। आपातकालीन स्थिति में भी मरीजों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में यह डेस्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।स्वास्थ्य प्रबंधक शंभु कुमार ने बताया कि हेल्प डेस्क शुरू करने का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को इधर-उधर भटकने से बचाना है। अस्पताल में पहुंचने के बाद मरीजों को किस विभाग या किस स्वास्थ्यकर्मी से संपर्क करना है, इसकी जानकारी हेल्प डेस्क के माध्यम से आसानी से मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क के शुरू होने से मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र में मिलने वाली सेवाओं की जानकारी लेने में काफी सहूलियत होगी। साथ ही, आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को त्वरित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराने में भी यह व्यवस्था उपयोगी साबित होगी।

फरहदा-शिवपुर रोड पर कार से 80.460 लीटर शराब बरामद, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। कृष्णागढ़ थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरहदा-शिवपुर रोड से उजले रंग की 20 कार से 80.460 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने कार में सवार दो युवकों को भी गिरफ्तार किया है। शराब के साथ कार को जब्त कर थाना लाया गया है। पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गजियापुर से शिवपुर की ओर एक उजले रंग की कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब ले जायी जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। इसके बाद फरहदा-शिवपुर रोड पर वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान गजियापुर की ओर से एक उजले रंग की 20 कार आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही कार चालक और उसमें सवार युवक भागने का प्रयास करने लगे। हालांकि, मौके पर तैनात पुलिस बल के सहयोग से दोनों को पकड़ लिया गया। कार की तलाशी में मिली शराब कार की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गयी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार कार से कुल 80.460 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। इसके बाद पुलिस ने शराब और 20 कार को जब्त कर लिया और दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर थाना ले आयी। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सिन्हा थाना क्षेत्र के गजियापुर गांव निवासी अभिनास कुमार यादव के पुत्र नीरज कुमार यादव और कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी अशोक राम के पुत्र पिक्की कुमार के रूप में हुई है। शराब तस्करी के नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लायी गयी थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
पटना, मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर अभियोजन पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल एवं प्रभावी बनाने तथा अधिकाधिक सुलहनीय वादों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद राजीव रंजन कुमार की अध्यक्षता में अभियोजन पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अभियोजन पदाधिकारी श्री दीपक कुमार सिन्हा, सहायक अभियोजन पदाधिकारी श्री संजय सिंह सहित अन्य अभियोजन पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद की सचिव श्रीमती तान्या पटेल की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक सुलहनीय एवं समझौते योग्य वादों के निष्पादन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अभियोजन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऐसे सभी वादों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया जाए, जिनका विधि के प्रावधानों के अंतर्गत सुलह अथवा समझौते के माध्यम से निष्पादन किया जा सकता है। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि जिन सुलहनीय प्रकृति के वादों में अभी तक आरोप-पत्र समर्पित नहीं किया गया है, उनमें अनावश्यक विलंब न करते हुए संबंधित अनुसंधान पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र आरोप-पत्र समर्पित कराया जाए, ताकि ऐसे मामलों को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में सूचीबद्ध कराकर विधि के अनुरूप उनका त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अभियोजन पदाधिकारी अपने-अपने स्तर से लंबित सुलहनीय वादों की समीक्षा करते हुए ऐसे मामलों की सूची तैयार करें तथा संबंधित न्यायालयों एवं अनुसंधान पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्रीमती तान्या पटेल ने राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए केवल अधिकाधिक वादों को चिन्हित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पक्षकारों तक पहुंच बनाना, उन्हें सुलह एवं समझौते के लाभों से अवगत कराना तथा संबंधित विभागों एवं न्यायालयों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना भी आवश्यक है। सचिव ने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए न्यायिक पदाधिकारियों, अभियोजन पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, संबंधित विभागों एवं अन्य हितधारकों के साथ लगातार समन्वय एवं बैठकें आयोजित की जा रही हैं। अधिकाधिक सुलहनीय वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत के समक्ष लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा पक्षकारों को जागरूक करने हेतु व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने स्तर से लंबित सुलहनीय वादों की पहचान कर राष्ट्रीय लोक अदालत की निर्धारित तिथि से पूर्व आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन संभव हो सके। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक मामलों के निष्पादन से न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या कम करने के साथ-साथ पक्षकारों को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने में भी सहायता मिलेगी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सभी अभियोजन पदाधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु सक्रिय सहयोग एवं प्रभावी भूमिका निभाने का आह्वान किया गया तथा सुलहनीय वादों की पहचान, आरोप-पत्र के शीघ्र समर्पण एवं संबंधित पक्षकारों के साथ समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक मामलों के निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका मिशन पर पंच सम्मेलन आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रविवार को समाहरणालय सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस की अध्यक्षता में पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, ग्राम पंचायत मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य एवं पंच सदस्य सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में योजना के प्रावधानों, रोजगार सृजन, ग्रामीण आजीविका संवर्धन, ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यों के चयन एवं क्रियान्वयन तथा योजना की निगरानी से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।जिला पदाधिकारी ने बताया कि जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)के प्रावधान प्रभावी किए गए हैं। इसके तहत ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण एवं आजीविका के साधनों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। इस-फ्रेमवर्क अधिनियम 2025 की मुख्य विशेषताएं:1.रोजगार गारंटी 125 दिनःयोजना के तहत रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है 2.बेरोजगारी भत्ताः अगर मजदूर को समय पर काम नहीं मिलता है, तो राज्य सरकार द्वारा उन्हें बेरोजगारी भत्ता का भुगतान किया जाएगा। 3.फंड शेयरिंगःयह सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम है। राज्यों के लिए फंड शेयरिंग पैटर्न 60:40 तथा उत्तर-पूर्वी एवं पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10 है।4.पीक सीजनः राज्य सरकार खेती के पीक सीजन बुवाई और कटाई को कवर करते हुए कुल 80 दिनों का समय नोटिफाई करेगी, जब काम नहीं किया जाएगा ।5.निगरानीः बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण, मोबाइल एवं डैशबोर्ड आधारित मापनीय मानकों की निगरानी, सोशल ऑडिट तंत्र को सुदृढ करना।4 थिमेटिक केंद्रों में 318 कार्य जल सुरक्षाः 107 कार्य - व्यक्तिगत खेत तालाब, सामुदायिक तालाब, चेक डैम, सिंचाई कुंआ, नहर इत्यादि ग्रामीण आजीविका 86 कार्य प्रशिक्षण केंद्र, कार्य शेड, बकरी शेड, चारा विकास मुख्य ग्रामीण अवसंरचना 88 कार्य सड़क, कलवर्ट, पंचायत भवन, आंगनवाड़ी भवन, पुस्तकालय, सौर लाइट, बस स्टैण्ड,आपदा न्यूनीकरणः 37 कार्य चक्रवात शेल्टर, बाढ़ तटबंध, आपदा के बाद पुनर्वास जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य कराए जाएं जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक ग्रामीण समुदाय को प्राप्त हो सके।बैठक में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, विशेष कार्य पदाधिकारी के साथ संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मां तारा देवी की पूजा से मिलती है बाबा की कृपा - शास्त्री वीरेंद्र कुमार गुप्ता

गया जी। भगवान भोलेनाथ के इस सावन माह में लोग बाबा देवघर बाबा बैद्यनाथ धाम के बाद मां तारा देवी के दर्शन पूजन करने जाते हैं। इस सावन माह मां तारा देवी के श्रद्धापूर्वक पूजन करने से भोले बाबा की भी कृपा प्राप्त होता है गया शहर के मा तारा भक्त विरेन्द्र कुमार गुप्ता ने बताया कि इस माह में मां तारा देवी के दर्शन पूजन करने के लिए देश विदेश और भारत के कोने कोने से लोग आते हैं। अपने घर परिवार के साथ देश के खुशिहाली की प्रार्थना करते हैं।मा तारा देवी के बारे में भक्त विरेन्द्र कुमार गुप्ता ने विस्तार से जानकारी दी जब समुद्र मंथन हो रहा था विष का पान करने के बाद भगवान शिव को कंठ में जलन हो रही थी उसी समय मां तारा ने भगवान शिव के बाल रूप में अपनी गोद में लेकर स्तनपान कराया जिससे भगवान भोलेनाथ को कंठ का जलन शात हुआ।आगे कहा कि भगवान भोलेनाथ की उपासना से जुड़ी हुई है।सावन महीने में मा तारा देवी की पूजा अर्चना करने से भक्तों को मन की शांति प्राप्त होती है। और भगवान भोलेनाथ का भी आशिर्वाद प्राप्त होता है।

सावन के दूसरी सोमवारी को देवकुंड में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गोह(औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड के देवकुंड में सावन माह क्व दूसरी सोमवारी को भक्तों का काफी भीड़ लगी रही। सोमवार को अहले सुबह से ही बाबा दुधेश्वनाथ पर जलाभिषेक लोग करना शुरू कर दिये थे। 12 बजे रात से ही लोग कतार में लगना शुरू कर दिये थे। मंदिर के मठाधीश कन्हैयानंद पूरी ने श्रद्धालुओं की काफी भीड़ को देखते हुए रुद्राभिषेक के बाद 3 बजे आम भक्तों के दर्शन के लिए मंदिर का दरवाजा खोल दिया था। महिला एवं पुरुष शिव भक्तों की काफी भीड़ को देखते छह बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। भारी वाहनों को देवकुंड में प्रवेश वर्जित कर दिया गया था। मंदिर में प्रवेश के लिए महिला एवं पुरुष भक्तों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे में पूरे श्रावणी मेला पर नजर रखा जा रहा है। इसके अलावा गोह, दधपी, उपहारा, हथियारा, हमीदनगर, देवहरा, चापुक, कुंडवां, मलहद, महद्दीपुर, सहरसा, डंडवां, भृगुरारी, जमुआइन, फाग, मुंजहड़ा, बाजार वर्मा, दाउदपुर, दरधा, सरेया, डिहूरी, दादर सहित अन्य गांव के शिवालयों में पूजा अर्चना की गई।

गया कॉलेज के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन

गया जी। फुटाब, फुस्टाब तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा, बिहार के पत्रांक सं.-01/26, दिनांक 26 जुलाई 2026 के आह्वान पर बिहार के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों द्वारा प्रस्तावित बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 की विसंगतियों के विरोध में आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को एक दिवसीय सामूहिक आकस्मिक अवकाश (टं२२ उछ) का उपयोग करते हुए अपने-अपने मुख्यालय पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया है। इसी क्रम में गया कॉलेज, गया के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के मुख्यालय में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर प्रस्तावित अधिनियम के प्रावधानों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया है। प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से प्रस्तावित विधेयक पर पुनर्विचार करने तथा इसे जल्दबाजी में पारित नहीं करने की मांग की गई है। शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने कहा कि उपलब्ध समाचारों एवं विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रस्तावित बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 में कई ऐसे प्रावधान हैं, जो विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्वायत्तता, अकादमिक स्वतंत्रता तथा प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।

श्री विष्णु धाम से श्री बैजूधाम गुरुआ तक निकली प्रथम कांवर यात्रा, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग

गया जी।श्री विष्णु धाम से श्री बैजूधाम गुरुआ तक निकली प्रथम कांवर यात्रा, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा मार्ग। श्री हरिहर कांवरिया संघ, शिव नारायण सेवा संस्थान गयाजी के तत्वावधान में संस्थापक डॉ रमेश कुमार के नेतृत्व में श्री विष्णु धाम गयाजी से श्री बैजूधाम गुरुआ तक आज विशाल प्रथम कांवर यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निकाली गई है।कांवरियों ने उत्तरवाहिनी फल्गु नदी से पवित्र जल भरकर भगवान श्री विष्णु का दर्शन किया।इसके बाद कांवर यात्रा हर-हर महादेव, हरि-हरि बोल एवं बोल बम के जयघोष के साथ गंतव्य की ओर रवाना हुई।डीजे की धुन पर कांवरिया नाचते-गाते और भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए हैं।यात्रा को युवा व्यवसायी सह समाजसेवी तोषण मैतीन एवं अंशिका मैतीन ने झंडी दिखाकर रवाना किया गया है।कांवर यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं कांवरिया शामिल हुए।यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों एवं समाजसेवियों द्वारा कांवरियों का स्वागत किया गया है।श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह शर्बत, पानी एवं फल की व्यवस्था की गई है।आयोजकों ने बताया कि श्री विष्णु धाम से श्री बैजूधाम गुरुआ तक अगली कांवर यात्रा 23 अगस्त 2026 को निकाली जाएगी। श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने की अपील की गई है। कांवरियों की सेवा और स्वागत करने वालों में कुसुम मोटर के सुधीर कुमार सिंह, सतगुरु इंटरप्राइजेज के उपेन्द्र कुमार, चेरकी के दुकानदार भाइयों ने कांवरियों की सेवा किया। कांवर यात्रा में ब्रजेश पाठक, दिनेश गांधी, राजू गुप्ता, ललन लहरी, अनुराधा कुमारी, मनोज सिंह, राकेश मिश्रा, प्रतिमा कुमारी, आदि की सराहनीय भूमिका रही है।

जदयू ने गयाजी में संगठन को नई धार दी, 80 पदाधिकारियों की घोषणा

●सामाजिक समीकरण साधने के साथ बूथ स्तर तक संगठन विस्तार पर जोर, नए पदाधिकारियों ने लिया सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। जदयू ने गयाजी जिला संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जिला कार्यकारिणी का विस्तार कर 80 पदाधिकारियों की घोषणा की है। नई टीम में 16 जिला उपाध्यक्ष, 27 महासचिव, 34 सचिव, एक कोषाध्यक्ष, एक प्रवक्ता, एक कार्यालय प्रभारी तथा विशेष आमंत्रित सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी का लक्ष्य पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना है। जिलाध्यक्ष इं.अजय कुशवाहा ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास योजनाओं और सरकार की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाने में नई टीम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यकारिणी के गठन में सभी वर्गों और समाज के विभिन्न तबकों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है, ताकि संगठन सामाजिक समरसता के साथ आगे बढ़ सके। नई कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष के रूप में मधुसूदन राय, धनंजय शर्मा, देवरानी देवी, सत्येन्द्र गौतम, योगेन्द्र सिंह कुशवाहा सहित कुल 16 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जिला महासचिव पद पर दिनेश कुमार सिन्हा, अवध बिहारी पटेल, बृजराज पांडे, अजीत शर्मा, उमेश गुप्ता, विनोद यादव सहित कुल 27 पदाधिकारी मनोनीत किए गए हैं। जिला सचिव के रूप में मनोज पटेल, तरुण कुमार, पप्पू दांगी, वीणा देवी, धीरेन्द्र कुमार उर्फ धीरू दास, विनय कुशवाहा, रिंकू सिंह, पिताम्बरा लोहरे सहित कुल 34 नेताओं को दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा जितेन्द्र प्रजापति को जिला प्रवक्ता, संजय मिश्रा को जिला कोषाध्यक्ष तथा दिनेश कुमार सिन्हा उर्फ दिनेश पटेल को कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तीकरण और जनसंपर्क कार्यक्रमों को गति देने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष इं. अजय कुशवाहा ने कहा कि सभी पदाधिकारी संगठनात्मक अनुशासन का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और गयाजी में जदयू को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ कार्य करेंगे। नई कार्यकारिणी के गठन से जिले में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

एसपी ने जनता दरबार में 15 फरियादियों के सुनी समस्या

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। पुलिस अधीक्षक अरवल डॉक्टर नवजोत सिमी द्वारा सबका सम्मान जीवन आसान (एअरए डऋ छक्श्कठऋ) अभियान के तहत शनिवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया।जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कुल 15 आगंतुकों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत कीं। समस्याओं में भूमि विवाद मारपीट, चोरी, महिला उत्पीड़न एवं अन्य कानूनी मामले शामिल थे।पुलिस अधीक्षक ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने शिकायतों की प्रकृति को समझते हुए संबंधित थाना अध्यक्षों एवं पुलिस पदाधिकारियों को दूरभाष पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।एसपी ने कहा कि सबका सम्मान जीवन आसान के तहत आम नागरिकों को थाना का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए जनता दरबार लगाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य है कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निपटारा हो।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर 24 से 48 घंटे के अंदर किया जाए और फरियादियों को कार्रवाई से अवगत कराया जाए।जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सीधे एसपी से मिलकर समस्या रखने का अवसर मिलने से उन्हें काफी राहत मिली है।पुलिस प्रशासन ने बताया कि आगे भी हर सप्ताह जनता दरबार आयोजित कर आम लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

पं० गंगाधर शास्त्री महोत्सव का आगाज स्वस्तिवाचन के साथ मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित पृथ्वीराज स्मृति भवन के प्रांगण में महान शिक्षाविद् आगरा यूनिवर्सिटी के संस्थापक करहरी ग्राम निवासी पंडित गंगाधर शास्त्री महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं पंडित गंगाधर शास्त्री महोत्सव आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महोत्सव का आगाज स्वस्तिवाचन एवं दीप प्रज्वलन के साथ ट्रस्ट अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ,ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह,गणितज्ञ शिवपूजन सिंह, समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,आयोजन समिति के अध्यक्ष अभिषेक कुमार, सचिव श्याम दत्त मिश्र, माधव मुकुंद मिश्रा,संरक्षक अजीत मिश्रा, ट्रस्ट के राम प्रवेश सिंह, चंद्र प्रकाश विकास, डॉ संजीव रंजन,पर्यावरणविद् डॉ रामाधार सिंह,संज्ञा समिति के अध्यक्ष अशोक पांडेय सहित अन्य लोगों के द्वारा किया गया। दोनों सत्र में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह एवं संचालन सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया। गंगाधर शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज से सैकड़ो वर्ष पूर्व वे सिंधिया राजघराने गए और वहां अपनी विद्वत्ता से काफी लोकप्रिय होकर राजपुरोहित नियुक्त हुए।इन्हें हजारों एकड़ जमीन दान में मिली और उस जमीन पर उन्होंने आगरा कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी की स्थापना कराई और जनहित के कार्यों में सर्वस्व दान कर दिया।ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की। द्वितीय सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन का संचालन हास्य व्यंग्य के कवि विनय मामूली बुद्धि द्वारा किया गया।काव्य पाठ में महामंत्री धनंजय जयपुरी,अनुज बेचैन,श्रीराम राय,ओम प्रकाश पांडेय,डॉ सुमन लता,सुषमा सिंह,श्वेता कुमारी सिंह,उज्जवल रंजन,लवकुश प्रसाद सिंह, हिमांशु चक्रपाणि सहित अन्य कवियों ने एक से एक बढ़कर काव्य रचना की प्रस्तुति की। दानिका महाराज डॉ रविंद्र कुमार के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई।इसमें सविता सिंहा ,शिवांगी सिंह,अंजली सिंह,अमिषा गायकवाड, निहारिका,पल्लवी खुशबू ने गायकी के क्रम में लोक संगीत एवं देशभक्ति गीत की प्रस्तुतियां दी। सम्मान समारोह के क्रम में विभिन्न महोत्सव के आयोजकों को सम्मानित किया गया सत्यचंडी धाम से अमरेश सिंह एवं राजेंद्र सिंह,जौहरिया महोत्सव से विनय कुमार सिंह,कल्पवृक्ष धाम महोत्सव से अशोक कुमार सिंह दोमुहान महोत्सव से सिहेश सिंह,विष्णु धाम महोत्सव से कुंदन सिंह, धनवंतरी महोत्सव से सुरेंद्र वैद्य को सम्मानित किया गया।मौके दिनेश मिश्रा,रौशन मिश्रा, डॉ ज्ञानेश्वर सिंह,विकास कुमार सिंह,राम भजन सिंह,मनोज कुमार सिंह, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह अनिल सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

जनेश्वर विकास केंद्र प्रखंड इकाई देव की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिला का नाम देव करने हेतु आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन के जरिए मांग पत्र देने, मांग को पूरा होते देख सरकारों को गुमराह करने वाले व्यक्तियों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध निन्दा प्रस्ताव पारित करने का निर्णय जनेश्वर विकास केंद्र प्रखंड इकाई देव की हुई बैठक में लिया गया। बैठक जनेश्वर विकास केंद्र के अनुषांगिक ईकाई खेल कौशल मंच के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में सहदेव चौधरी पुस्तकालय देव में संपन्न हुई। प्रखंड संयोजक दीपक गुप्ता ने बताया कि औरंगाबाद जिला का नाम देव करने की मांग 1992 से ही की जा रही है ।इसको लेकर लगातार आंदोलन चलाते जा रहे हैं ।परन्तु उक्त मांग के विपरित विचार रखने वाली सरकार विहार में होने के कारण अभी तक मांग पूरी नहीं हो पायी थी ।लेकिन अब उक्त मांग के समर्थक सरकारें प्रदेश और केन्द्र में आ जाने से इस मांग पुरा होने की संभावना बढ़ गयी है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने विहार सरकार को पत्र भी लिखा है ।लेकिन उक्त मांग को पुरा होने की संभावना पर सरकार गुमराह करने वाला कार्य कुछ लोग और जनप्रतिनिधि कर रहे हैं ।उनका यह कार्य देव और जिला का नाम देव करने का आंदोलन को कमजोर करने वाला है । ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सूर्य नगरी की ऐतिहासिक पहचान धीरे-धीरे सरकारी नक्शे से मिटाई जा रही है।अतः सर्वसम्मति से ऐसा करने वाले लोगों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध निन्दा प्रस्ताव पारित किया गया। अन्य प्रस्ताव के जरिए 4 सितंबर को गांधी मैदान औरंगाबाद से आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन निकलेगी जो समाहरणालय तक आकर जिला पदाधिकारी को औरंगाबाद जिला का नाम देव करने संबंधी मांग पत्र समर्पित करेगा ।देव सूर्य मंदिर की महत्ता की डंका आज विदेशों में बज रही है इसलिए आंदोलन को सफल बनाने में सभी मठ मंदिर के महंत और सनातनी नेता को आमंत्रित किया जा रहा है ' धर्म अनुरागियों को एकत्रित करने के लिए हैण्डबील वितरित करने, नूक्कड़ सभा करने और होर्डिंग लगाने का निर्णय लिया गया। इसकी जिम्मेदारी दीपक गुप्ता और केताकी पंचायत समिति सदस्य चंदन जी को दिया गया ।बैठक में महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी, गंगा शर्मा,शिक्षक वीरेंद्र सिंह,अनिल सिंह,निखिल सिंह, किरण मेहता, बलिराम सिंह, महेन्द्र हार्ड, इकबाल एहमद, विनय चंद्रवंशी, उपेंद्र यादव, निर्मल सिंह मौजूद थे।

अरवल में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 81,013 लाभार्थी के खाते में भेजी गई राशि

अरवल। मुख्यमंत्री बिहार सरकार द्वारा रविवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत राज्य के सभी पेंशनधारियों के लिए माह जुलाई, 2026 की पेंशन राशि का DBT के माध्यम से अंतरण किया गया।इस अवसर पर मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। योजना का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को आर्थिक सहायता एवं सामाजिक संबल प्रदान करना है, ताकि उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हो तथा उन्हें गरिमापूर्ण जीवनयापन का अवसर प्राप्त हो सके। अरवल में हुआ सीधा प्रसारण अरवल जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस की अध्यक्षता में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। साथ ही सभी प्रखंड मुख्यालयों तथा सभी ग्राम पंचायतों के आंगनबाड़ी केंद्रों में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया एवं लाभार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। अरवल जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के कुल 81,013 लाभार्थी आच्छादित हैं। जिनमें,मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजनाः 42,060 लाभार्थी।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना 19,593 लाभार्थी।लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाः5,820 लाभार्थी।इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजनाः3,818 लाभार्थी।बिहार निःशक्तता पेंशन योजनाः 7,997 लाभार्थी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना 1,925 लाभाथीमाह जुलाई, 2026 के लिए प्रति लाभार्थी 1,100 रुपये की दर से कुल 9,13,37,500 रुपये (नौ करोड़ तेरह लाख सैंतीस हजार पाँच सौ) की राशि उइळ के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की गई।कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सहायक निदेशक जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं पेंशनधारी लाभार्थी उपस्थित रहे।

शिव पार्वती और नारीवाद : भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में समानता का पुनर्पाठ : डॉ . कुणाल किशोर

समकालीन समय में फेमिनिज्म या नारीवाद केवल एक वैचारिक आंदोलन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा का वैश्विक विमर्श है। दुर्भाग्य से भारतीय समाज में इसे प्रायः पश्चिम से आयातित विचारधारा मानकर भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के विरोध में खड़ा कर दिया जाता है। दूसरी ओर, कुछ लोग परंपरा को स्त्री-विरोधी घोषित कर संपूर्ण भारतीय ज्ञान-परंपरा को अस्वीकार कर देते हैं। दोनों ही दृष्टियाँ अतिवादी हैं। आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय सांस्कृतिक स्त्रोतों का पुनर्पाठ किया जाए और उनमें निहित समतामूलक चेतना को समकालीन संदर्भों में समझा जाए। भगवान शिव और माता पार्वती का संबंध इस पुनर्पाठ का अत्यंत महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है। भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को अलग-अलग सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक तत्वों के रूप में देखा गया है। अर्धनारीश्वर का स्वरूप इस दर्शन की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। यह केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि यह उद्घोष है कि स्त्री और पुरुष मिलकर ही पूर्ण मनुष्य और पूर्ण समाज का निर्माण करते हैं। यहाँ स्त्री किसी पुरुष की छाया नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व का अभिन्न और समान भाग है। यह अवधारणा आज के लैंगिक समानता के विमर्श से आश्चर्यजनक रूप से संवाद करती दिखाई देती है। शैव दर्शन में एक प्रसिद्ध उक्ति है– शिवः शक्त्या युक्तो यदि भवति शक्तः प्रभवितु अर्थात शक्ति के बिना शिव स्वयं सृजन करने में समर्थ नहीं हैं। भारतीय चिंतन ने स्त्री को केवल गृहस्थ जीवन की संरक्षिका नहीं माना, बल्कि समस्त सृष्टि की मूल ऊर्जा के रूप में प्रतिष्ठित किया। इसलिए भारतीय संस्कृति में देवी की उपासना केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि शक्ति और सृजन के प्रति दार्शनिक सम्मान का प्रतीक भी है। माता पार्वती का चरित्र भी भारतीय साहित्य में अत्यंत स्वतंत्र और प्रभावशाली रूप में उपस्थित होता है। कुमारसंभव में कालिदास ने उन्हें तप, धैर्य और आत्मबल की प्रतिमूर्ति के रूप में चित्रित किया है। उन्होंने अपना जीवनसाथी स्वयं चुना और उसके लिए कठोर तपस्या की। यह आत्मनिर्णय का अधिकार है, जो आधुनिक नारीवाद का भी एक महत्वपूर्ण आधार है। शिवपुराण तथा अन्य शैव ग्रंथों में पार्वती केवल श्रोता नहीं, बल्कि प्रश्न करने वाली, तर्क करने वाली और ज्ञान की सहभागी के रूप में उपस्थित हैं। यह संबंध आज्ञाकारिता पर नहीं, बल्कि संवाद पर आधारित है। यहीं भारतीय परंपरा की सबसे बड़ी शक्ति दिखाई देती है कि उसने दाम्पत्य को सत्ता के संबंध के रूप में नहीं, बल्कि साझेदारी के रूप में देखने की संभावना विकसित की। आज जब वैवाहिक संबंधों में समानता, सम्मान और सहभागिता की चर्चा हो रही है, तब शिवझ्पार्वती का संबंध सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है। हालाँकि यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय समाज ने हमेशा इन आदर्शों का पालन नहीं किया। इतिहास में अनेक कालखंड ऐसे रहे जब स्त्रियों को शिक्षा, संपत्ति, निर्णय और सार्वजनिक जीवन से वंचित रखा गया। धर्म के नाम पर भी कई बार पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं को वैधता प्रदान की गई। इसलिए धार्मिक प्रतीकों का महिमामंडन करने के बजाय उनके मूल दार्शनिक अर्थ को समझना आवश्यक है। किसी भी संस्कृति की पहचान उसके आदर्शों से होती है, किंतु उसका मूल्यांकन उसके सामाजिक व्यवहार से भी किया जाता है। आधुनिक नारीवादी चिंतक सिमोन द बोउवार ने लिखा कि स्त्री पैदा नहीं होती, बल्कि बना दी जाती है। यह कथन सामाजिक संरचनाओं की आलोचना करता है।

जिले में लचर विद्युत व्यवस्था को ठीक करने की मांग

औरंगाबाद। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष व जिला बीससूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति औरंगाबाद के पूर्व उपाध्यक्ष रामानुज पाण्डेय ने औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी को पत्र लिखकर जिले में लचर विद्युत व्यवस्था को ठीक करने हेतु आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जिस कर्तव्य परायणता और तत्परता के साथ जिले के चौमुखी विकास के लिए प्रत्याशील हैं जिले वासियों में आपके प्रति बड़ी उम्मीद है। किंतु कई विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी यदि अपने कर्तव्य के प्रति थोड़ी भी तत्परता दिखाएं तो हम समझते हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने कार्यकाल में सभी क्षेत्रों में इस जिला में जो उपलब्धि चाहती है। वह अवश्य संभव है, इसके लिए विभिन्न विभागों व्याप्त जड़ता और कर्तव्यहीनता से मैं आपको समय समय पर अवगत करता रहूँगा। विद्युत आपूर्ति से जुड़े हुए समस्याओं के प्रति आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहना चाहता हूँ कि पूरे जिले में विद्युत विभाग के कनीय अभियंता से लेकर ऊपर तक के अधिकारी उपभोक्ताओं के प्रति जरा भी संवेदनशील नहीं है जबकि उपभोक्ता इन सेवाओं को मूल्य चुका कर खरीदते हैं। किसी भी नगर और ग्रामीण क्षेत्र में निकल जाए देखने को मिलेगा की बिजली की एक खंभे सही से गड़े हुए नहीं है, उनके जो तार लटकाए गए हैं। उनकी क्या अवस्था है बिजली के खंभे पर कनेक्शन देने के लिए जो बॉक्स लगाए गए हैं। उनकी क्या स्थिति है ग्रिड सब स्टेशन पर लगे हुए ब्रेकर की क्या स्थिति है बहुत दुर्भाग्यपूर्ण विषय है। इन्होंने कॉल सेंटर तो स्थापित कर रखे हैं लेकिन उपभोक्ता कॉल सेंटर पर फोन करके अपनी समस्या बताते हैं, लेकिन समय से उसका निराकरण नहीं होता इनके कनीय अभियंता कभी आम उपभोक्ता का समय पर फोन उठाना उचित नहीं समझते हैं ।उन्होंने कहा कि नगर से लेकर ग्रामीण स्तर तक लोगों का जीवन बिजली पर आधारित हो चुका है पेयजल के लिए भी बिजली का होना आवश्यक है और इनके लापरवाही के कारण लो वोल्टेज और हाई वोल्टेज के कारण कई घरों के कीमती उपकरण बिगड़ जाते हैं, बर्बाद हो जाते हैं। अपने कर्तव्य के प्रति बिजली विभाग के लोग उत्तरदाई बनें इसके लिए आवश्यक है की इन्हें आपके माध्यम से उनके कर्तव्य के प्रति आगाह कराया जाए ताकि विद्युत आपूर्ति में जो असुविधाएं हो रही हैं वह ठीक ही हो। हमारे जिले में विद्युत उत्पादन के देश की बड़ी-बड़ी इकाइयां है लेकिन इनके लापरवाही के कारण लोगों को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है। आग्रह है कि उनके इस कर्तव्यहीनता को दूर करने के लिए इन्हें निर्देशित करने की कृपा की जाए।

जनसुनवाई में जिला पदाधिकारी ने सुनीं 48 शिकायतें कई मामलों का तत्काल हुआ निपटारा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 48 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल, सड़क एवं मरम्मत आदि से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने सभी मामलों की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जन सुनवाई के दौरान रेखा कुमारी, शबनम खातुन, हसीना खातून, विकास कुमार सिंह, दिनेश कुमार शर्मा, राजेन्द्र राम, सुखलाल पासवान, वसी अहमद, संदीप कुमार, लालजी हजरा, मराछी देवी, दीपक कुमार राज, रमेश राम सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के तहत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान कर पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता-सह-जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी रोचना माद्री, वरीयउप समाहर्ता अहमद अली अंसारी, पीजीआरओ मासूम अंसारी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

2.26 करोड़ से बदलेगी बड़े रमना मैदान की सूरत, नौ माह में होगा जीर्णोद्धार के साथ सौंदर्यीकरण: गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि शहर के ऐतिहासिक और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में शामिल बड़े रमना मैदान की तस्वीर बदलने की कवायद तेज हो गई है। नगर निगम ने रमना मैदान के जीर्णोद्धार कार्य के लिए करीब 2.26 करोड़ रुपये की निविदा जारी की है। योजना के धरातल पर उतरने के बाद बड़े रमना मैदान को बेहतर नागरिक सुविधाओं और आकर्षक स्वरूप के साथ विकसित किए जाने की उम्मीद है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम से जारी निविदा के अनुसार रमना मैदान के जीर्णोद्धार और खेल सुविधाओं के विस्तार कार्य की प्राक्कलित राशि 2,26,56,892 रुपये निर्धारित की गई है। कार्य को पूरा करने की समय सीमा नौ माह रखी गई है। निविदा में भाग लेने वाले संवेदकों को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 13 अगस्त निर्धारित है। वहीं 17 अगस्त को दोपहर एक बजे प्री-बिड बैठक होगी। ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त शाम तीन बजे तक है। तकनीकी बिड 25 अगस्त को सुबह 11 बजे खोली जाएगी। निगम की इस पहल से शहर के बीचों बीच स्थित रमना मैदान के आधुनिक खेल सुविधाओं के व्यवस्थित और ढांचागत विकास की जिलाभर के खिलाड़ियों की इच्छा और वर्षों की मांग का कार्यरूप लेना सुनिश्चित हो गया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि ऐतिहासिक बड़ा रमना मैदान के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के साथ अन्यान्य खेल सुविधाओं के प्राप्त होने से शहरवासियों के लिए बनने वाले वाकिंग ट्रैक पर मोर्निंग-इवनिंग वॉक के लिए बेहतर और खुले वातावरण वाले सार्वजनिक स्थल के रूप इसकी पुनर्प्रतिष्ठा मिलने लग जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पोखरा-मुग्लिन सड़क मार्ग पर सर्प और नेवले की अद्भुत भिड़ंत

बगहा। नेपाल के पोखराझ्मुग्लिन सड़क मार्ग पर उस समय लोगों का ध्यान सड़क के बीच चल रही एक अनोखी भिड़ंत की ओर आकर्षित हो गया, जब एक सर्प और नेवला आमने-सामने आ गए। इस दौरान दोनों के बीच काफी देर तक संघर्ष होता रहा। मौके से गुजर रहे लोगों ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। बताते चलें, यह घटना पृथ्वी राजमार्ग के पोखराझ्मुग्लिन खंड की बताई जा रही है। यह मार्ग नेपाल के प्रमुख राजमार्गों में शामिल है और पोखरा को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। सड़क के इस हिस्से पर इन दिनों आवागमन भी काफी महत्वपूर्ण है। स्थानीय लोगों के लिए सर्प और नेवले की भिड़ंत कोई असामान्य प्राकृतिक घटना नहीं है, लेकिन व्यस्त राजमार्ग के बीच इस तरह का दृश्य सामने आना लोगों के लिए कौतूहल का विषय बन गया।

घरेलू गैस के 33871 एवं वाणिज्यिक गैस के 2110 सिलेंडर उपलब्ध

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 33871 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 2110 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को जिलेभर में कुल 10814 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दुसरे सोमवारी में हर-हर महादेव से गूंज उठा शिवालयें

चनपटिया। दुसरे सोमवारी को लेकर सिरसिया में अवस्थित बाबा कामेश्वरनाथ मंदिर समेत आस-पास के शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस-पास के पवित्र नदियों में डुबकी लगाई और चहेते भोलेशंकर को जल अर्पित किया। करीब तीन दर्जन से अधिक बाइकों से करीब अस्सी से ज्यादा भक्तों ने पवित्र त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और बाबा कामेश्वरनाथ मंदिर सिरसिया के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। पुजारी झुनु पाण्डेय ने बताया कि अल्हे शुबह में मंदिर की साफ-सफाई कर दिया गया। शिवलिंग को विशेष ढ़ंग के पुष्प, बेलपत्र,भांग, धतूरा चन्दन से सजाया गया था। प्रातः काल से ही नर नारी बच्चे बुढ़े ने जलाभिषेक कर अपनी मन्नतें मांगी। जैसे ही शक्ति नाथ तिवारी,पाशुपति मिश्रा, चन्दन तिवारी के नेतृत्व में त्रिवेणी संगम (वाल्मिकीनगर) से बाइक बम जल लेकर सिरसिया धाम पहुंचे तो वहां एकाएक भीड़ जुट गया। पुलिस प्रशासन ने मुस्तैदी से कतार वध कर सभी भक्तों को बाबा का दर्शन करा जलार्पण कराया। बाइक बम श्याम सुंदर साह, शम्भू महतो, मनोज राय, सुशील पटेल,आदि भक्तों ने बताया कि किसी भी प्रकार से कोई परेशानी नहीं हुई। भोलेशंकर के असीम कृपा से सभी भक्त गण जलाभिषेक कर मेलें का लुत्फ उठाया।

सुस्ता में नारायणी नदी के कटान का चेतनारायण आचार्य ने किया स्थलीय निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा । चेतनारायण आचार्य ने पश्चिम नवलपरासी के विवादित सुस्ता क्षेत्र में नारायणी नदी से हो रहे कटान का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नदी के बढ़ते कटाव और उससे उत्पन्न जोखिम की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तटबंध और अस्थायी बांध निर्माण का काम तेज करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री आचार्य ने कहा कि सुस्ता क्षेत्र को नारायणी नदी के कटान से बचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कटान प्रभावित स्थानों पर तत्काल आवश्यक संरचनात्मक कार्य किए जाएं और बारिश के दौरान नदी के जलस्तर में होने वाली वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तटबंध निर्माण का काम बजट के अभाव में नहीं रुकने दिया जाएगा। कटान की स्थिति को देखते हुए तटबंध निर्माण और अस्थायी सुरक्षा संरचनाओं का काम पहले से चल रहा है। इससे पहले सुस्ता के करीब एक किलोमीटर संवेदनशील क्षेत्र में तटबंध निर्माण के लिए करीब 11 करोड़ 84 लाख नेपाली रुपये की लागत से काम शुरू किया गया था। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने नदी के बहाव, कटान की स्थिति और निर्माणाधीन तटबंध का जायजा लेते हुए संबंधित तकनीकी अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। सुस्ता भारत-नेपाल सीमा के संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है और नारायणी नदी के बदलते बहाव तथा कटान के कारण यहां हर वर्ष भूमि और बस्तियों पर खतरा बना रहता है।

योगापट्टी में भाकपा की पदयात्रा का पांचवां दिन, किसानों-मजदूरों के बीच गूंजे हक और अधिकार के नारे

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर चलाए जा रहे पदयात्रा अभियान के पांचवें दिन योगापट्टी में भाकपा कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकालकर किसानों और मजदूरों के बीच पार्टी के संदेश को पहुंचाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने किसानों का कर्ज माफ करने, फसलों का एमएसपी देने, चार लेबर कोड वापस लेने, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी करने तथा 2025 बिजली बिल वापस लेने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। पदयात्रा के दौरान खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने, गरीबों को उजाड़ना बंद करने और सेटेलाइट सिटी के नाम पर किसानों की जमीन छीनना बंद करने जैसे मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए गए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों से किसान, मजदूर और गरीब वर्ग लगातार प्रभावित हो रहा है, इसलिए उन्हें अपने अधिकारों के लिए संगठित और जागरूक होना जरूरी है। पदयात्रा का नेतृत्व भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति के साथ बब्लू दूबे, राधामोहन यादव, अशोक मिश्र, राजेन्द्र साह, अंचल सचिव हरेन्द्र दूबे, फरमान, साधु सिंह, मनोज पासवान, अनिल तिवारी, कासीम मियां, लछुमन प्रसाद, संदीप मणि तिवारी, धनलाल यादव और नंदकिशोर पटेल ने किया। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा में शामिल होकर किसानों और मजदूरों से संवाद किया तथा उन्हें पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि देश गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी देश के किसानों और मजदूरों को जागरूक कर उनके अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने तथा देश की रक्षा के लिए पूरे देश में पदयात्रा अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि किसानों, मजदूरों, गरीबों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

नेपाल से देवघर-अरेराज जा रहे 225 कांवडियों की रौनियारों ने की सेवा

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। सावन की दूसरी सोमवारी पर लरौनियार बोलबम सेवा समिति ने रक्सौल के स्टेशन रोड में सेवा शिविर लगाकर नेपाल व सीमावर्ती क्षेत्रों से देवघर और अरेराज जा रहे करीब 225 कांवरियों के बीच फल और शुद्ध पेयजल वितरित किया। श्री रौनियार वैश्य बंधु समिति, रक्सौल की उप समिति के रूप में कार्यरत सेवा समिति के सदस्यों ने कांवरियों को सोमवारी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी और चैंबर ऑफ कॉमर्स उपाध्यक्ष दिनेश प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और सेवा कार्य की सराहना की। समिति अध्यक्ष शिव पूजन प्रसाद ने कहा कि कांवरियों की सेवा सौभाग्य का अवसर है। कार्यकारी अध्यक्ष अरुण गुप्ता, सचिव रमेश कुमार गुप्ता और उप समिति अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने सेवा कार्य को आगे भी जारी रखने की बात कही। मीडिया प्रभारी अजीत कुमार व विनोद कुमार गुप्ता ने जानकारी दी। मौके पर कृष्णा प्रसाद, दीपक कुमार, राजेश कुमार, कन्हैया कुमार, मुन्ना प्रसाद, सुनील कुमार, सुशील कुमार, अरविंद कुमार और जितेंद्र कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

ढंगरहिया में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

बगहा । वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के चंपापुर गोनौली पंचायत अंतर्गत ढंगरहिया में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोगों ने अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समुदाय के कलाकारों ने लोकनृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति पर उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन और लोकगीतों से पूरा कार्यक्रम स्थल आदिवासी संस्कृति के रंग में रंग गया। आयोजकों ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस मनाने का उद्देश्य आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा, कला और सामाजिक विरासत को संरक्षित करने के साथ नई पीढ़ी को इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय ने सदियों से प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की पारंपरिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने कहा कि क्षेत्र में आदिवासी समाज की बड़ी आबादी निवास करती है और उनकी अपनी विशिष्ट लोक संस्कृति एवं परंपराएं हैं। विश्व आदिवासी दिवस उनके लिए अपनी पहचान और सांस्कृतिक विरासत को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुतियों ने विशेष आकर्षण पैदा किया।

एसएसबी 21वीं वाहिनी ने निकाली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा परिसर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। भारत सरकार के ह्यहर घर तिरंगा 2026 अभियान के तहत 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बगहा में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भव्य तिरंगा यात्रा से हुई। इसमें 21वीं वाहिनी के अधिकारी और बलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर जवानों ने देशभक्ति के नारों के साथ मार्च किया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के माहौल में नजर आया।

तिरंगा यात्रा के बाद वाहिनी परिसर में स्कूली छात्र-छात्राओं और एसएसबी कार्मिकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना देखने को मिली।

इसके बाद कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत ने छात्र-छात्राओं, अधिकारियों और बलकर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों में राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत और आत्मनिर्भर भारत रखा गया।

बच्चों ने अपनी चित्रकारी के माध्यम से देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारत के विकास की कल्पनाओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, राष्ट्रीय भावना और एकता का संदेश प्रमुखता से देखने को मिला।

निक्षय मित्र बनकर रोटरी क्लब, बेतिया ने 44 टीबी मरीजों को वितरित किए फूड बास्केट

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आज रोटरी क्लब, बेतिया ने सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए निक्षय मित्र के रूप में 44 टीबी मरीजों को पोषण सहायता स्वरूप फूड बास्केट प्रदान किए। रोटरी क्लब सेंट्रल, बेतिया की अध्यक्ष डॉ. शीला रंजन एवं सचिव डॉ. अपूर्वा सिन्हा ने स्वयं उपस्थित होकर 44 टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में दवाओं के साथ-साथ संतुलित एवं पौष्टिक आहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाज के सभी सक्षम लोगों एवं संस्थाओं को निक्षय मित्र बनकर टीबी उन्मूलन अभियान में अपना सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम में एसीएमओ सह मुख्य जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डॉ. रमेश चन्द्र ने रोटरी क्लब सेंट्रल, बेतिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहभागिता और सामुदायिक सहयोग से ही वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रभावी प्रगति संभव है। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पोषण सहायता एवं सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके उपचार की सफलता दर में वृद्धि हो रही है। इस अवसर पर जिला यक्ष्मा केंद्र, बेतिया के सभी चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

मदनपुर रेंज में बाघ के हमले के बाद वन विभाग अलर्ट गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर रेंज जंगल क्षेत्र में बाघ के हमले में एक महिला की मौत के बाद वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। घटना के बाद वन विभाग की टीम लगातार प्रभावित इलाकों में निगरानी रखने के साथ ग्रामीणों को बाघ और अन्य वन्यजीवों से बचाव को लेकर जागरूक कर रही है। मदनपुर रेंज के रेंजर नसीम अहमद ने बताया कि घटना के बाद मृतका और घायल के परिजनों को वन विभाग की ओर से मुआवजे की राशि रिकॉर्ड समय में उपलब्ध करा दी गई है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में वन विभाग की सक्रियता बढ़ा दी गई है। रेंजर ने बताया कि वन विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों को दूर संचार यंत्र के माध्यम से लगातार सतर्क कर रही है। ग्रामीणों को जंगल की ओर अकेले नहीं जाने, विशेषकर सुबह और शाम के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने तथा जंगल के आसपास समूह में आवाजाही करने की सलाह दी जा रही है। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि जंगल अथवा गांव के आसपास बाघ या किसी अन्य वन्यजीव की मौजूदगी दिखाई देने पर उसके करीब जाने या उसे घेरने का प्रयास नहीं करें। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दें, ताकि टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई कर सके। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए निगरानी के साथ-साथ ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। टीम संवेदनशील इलाकों में नजर बनाए हुए है और ग्रामीणों से वन विभाग के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

पीएम सूर्य घर योजना: यूएलए मॉडल की समीक्षा 10 दिनों में लोन मंजूरी के निर्देश

पटना। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के वछअ मॉडल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने बैंकों को लंबित ऋण आवेदनों को 10 दिनों के भीतर स्वीकृत करने और बिना ठोस कारण के आवेदन खारिज न करने का सख्त निर्देश दिया। ऑनलाइन जमा दस्तावेजों के अतिरिक्त कोई अन्य आय प्रमाण नहीं मांगा जाएगा और अधिक रिजेक्शन वाले तीन जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में ऊ्रङ्घ के अधिकारियों ने बैंकिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, लोन स्वीकृति समय 18 से घटाकर 10 दिन करने और रिजेक्शन दर 36% से 25% पर लाने पर जोर दिया। 2 लाख रुपये तक के लोन के लिए सिबिल स्कोर नियमों को सरल किया जाएगा। ऊर्जा सचिव अजय यादव ने कार्यों की प्रगति की जानकारी दी, जबकि जिलाधिकारियों को क्रएउ गतिविधियों की निगरानी का जिम्मा मिला। मुख्य सचिव ने अक्टूबर तक 2.5 लाख सोलर संयंत्र लगाने और नवंबर 2026 तक सभी लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। ढिलाई बरतने वाले वेंडरों पर डिबारमेंट की कार्रवाई होगी।

खराब रास्ते और हरहा नदी में फंसा ट्रैक्टर, अस्पताल पहुंचने से पहले प्रसव पीड़िता की मौत

बगहा। रामनगर प्रखंड के सुदूरवर्ती नौरंगिया दोन थाना क्षेत्र के सिंघाड़हवा दोन में सोमवार को प्रसव पीड़ा से जूझ रही 22 वर्षीय महिला की समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रकाश उरांव की पुत्री सुमन कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि खराब सड़क और हरहा नदी में ट्रैक्टर फंसने के कारण महिला को अस्पताल पहुंचाने में काफी समय लग गया। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह सुमन कुमारी को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए ट्रैक्टर से अस्पताल ले जाने के लिए निकले। बरसात के कारण दोन क्षेत्र के कच्चे रास्तों की स्थिति बेहद खराब है। जगह-जगह जलजमाव और गड्ढों के कारण वाहन की रफ्तार काफी धीमी थी। रास्ते में हरहा नदी भी पड़ती है, जिसे पार कर ही मरीज को अस्पताल ले जाना पड़ता है। सुमन के बड़े पापा राजेश उरांव ने बताया कि रास्ते की खराब स्थिति के कारण ट्रैक्टर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान हरहा नदी में पानी अधिक होने के कारण ट्रैक्टर फंस गया। परिजनों और चालक ने काफी प्रयास कर ट्रैक्टर को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक सुमन की हालत गंभीर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। बताया गया कि सुमन की शादी करीब चार वर्ष पहले बगहा के ढोलबाजवा निवासी संजीत उरांव से हुई थी। उसका करीब दो वर्ष का एक पुत्र भी है। महिला की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। सड़क-पुल की बदहाल व्यवस्था पर उठे सवाल घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में सड़क और पुल-पुलिया की व्यवस्था को लेकर नाराजगी है।

100 छात्राओं के बीच काली सेना ने बांटे छाते

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भरतमही में सोमवार को काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी के नेतृत्व में छात्राओं के बीच छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। काली सेना की बहनों के सहयोग से आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में करीब 100 छात्राओं को छाते वितरित किए गए। छाता पाकर छात्राओं के चेहरों पर खिली मुस्कान ने पूरे वातावरण को खुशी से भर दिया। तेज धूप और बारिश से बचाव के लिए मिले छातों को लेकर छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी ने कहा कि ह्लकिसी के जीवन में बड़ी क्रांति लाने के लिए हमेशा बड़ा काम करना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी एक छोटी-सी मदद भी किसी के सफर को आसान बना देती है। हमारी कोशिश है कि जरूरतमंद बेटियों को ऐसा सहयोग मिले, जिससे वे तेज धूप हो या बारिश, बिना किसी चिंता के विद्यालय जा सकें और अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाती रहें। बेटियाँ पढ़ेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने सपनों को साकार करेंगी—यही हमारा संकल्प है। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक छोटेलाल राय ने काली सेना की इस पहल की सराहना करते हुए कहा विद्यालय परिवार की ओर से हम काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी एवं उनकी पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। छात्राओं के बीच छाता वितरण जैसी पहल न केवल उनकी व्यावहारिक जरूरत को पूरा करती है, बल्कि बेटियों के प्रति समाज की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भी संदेश देती है। जब समाज और विद्यालय मिलकर बच्चों के हित में काम करते हैं, तो उसका सकारात्मक प्रभाव उनके आत्मविश्वास और शिक्षा दोनों पर पड़ता है। हमें उम्मीद है कि काली सेना भविष्य में भी इसी तरह छात्राओं के हित में सहयोग करती रहेगी। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं अमरान अंसारी, मंजर हुसैन, मृत्युंजय कुमारी गिरी, रूही प्रिया और शिल्पा कुमारी की भी उपस्थिति रही। छाता प्राप्त करने वाली छात्राओं में प्रिया कुमारी, अंजू कुमारी, सुमि कुमारी, खुशी कुमारी, निभा कुमारी, नीलाम कुमारी, प्रिया तिवारी, सुजन कुमारी, कोमल कुमारी, शबनम खातून सहित लगभग 90 अन्य छात्राएं शामिल रहीं। इस अवसर पर काली सेना की राष्ट्रीय प्रमुख पार्वती तिवारी के साथ हीरा देवी, पूर्णिमा देवी, नीलू देवी, असमा खातून, रामकली देवी, तोता देवी, हेवंती देवी और रिंकी देवी सहित काली सेना की राष्ट्रीय टीम के अन्य सदस्य एवं समाज सेवी आर्यन तिवारी उपस्थित रहे। अपने बधाई संदेश में लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन एवं भारत विकास परिषद् रक्सौल के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी सह सामाजिक कार्यकर्ता बिमल सर्राफ ने कहा कि आज काली सेना ने जिन उद्देश्यों को लेकर इसका गठन किया था,आज वो धरातल पर दिखाई दे रहा है साथ ही महिलाएं स्वावलम्बी बन रही हैं।उन्होंने अपना पूरा सहयोग काली सेना को देने का अपना संकल्प दोहराया। कार्यक्रम ने नारी शक्ति, सेवा और बालिका शिक्षा के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया। छात्राओं को छाता देकर उन्हें धूप और बारिश से बचाव का साधन ही नहीं मिला, बल्कि यह भरोसा भी मिला कि उनके सपनों की राह में समाज उनके साथ खड़ा है। बेटियाँ पढ़ेंगी, आगे बढ़ेंगी और अपने सपनों को साकार करेंगी। इस संकल्प के साथ कार्यक्रम ने सेवा और सामाजिक सहयोग की एक प्रेरणादायी मिसाल कायम की।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता पखवाड़ाः छात्रों को स्वच्छता के महत्व की दी गई जानकारी

मुंगेर। भारत सरकार के निर्देश पर चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा 1 से 15 अगस्त 2026 के अंतर्गत बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, इञ्छफ़्फ़मुंगेर की एन एस एस समिति द्वारा रविवार को राम लखन सिंह यादव उच्च विद्यालय, महुली, शंकरपुर में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इञ्छफ़्फ़ के वैज्ञानिकों, विद्यालय के प्राचार्या, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उ'ल्ल्'ल्ली२२ ज्ञ७१ चलाकर सफाई की गई। एन एस एस नोडल अधिकारी डॉ. उमाकांत सिंह, अजित कुमार मंडल एवं धनंजय कुमार तथा विद्यालय की प्राचार्या बहामनी हांसदा की उपस्थिति में छात्रों को स्वच्छता पखवाड़ा का महत्व, व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वच्छता और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में छात्रों और समुदाय की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति आदत विकसित करना था।

आवेदक के समस्या को सुनकर आयुक्त ने त्वरित कार्यवाही का दिया निर्देश

मुंगेर। प्रेम सिंह मीणा के द्वारा सोमवार को कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार में पहुंचे आवेदकों की समस्याओं को सुना गया तथा उसके समाधान के लिए सम्बन्धित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुंगेर प्रमंडल, मुंगेर, अंतर्गत मुंगेर जिला से 04, बेगुसराय जिला से 01 एवं जमुई जिला से 01 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों ने आयुक्त के समक्ष अपनी शिकायतों को रखा। आवेदन में भूमि विवाद, अनुकम्पा एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे सम्मिलित थे। आयुक्त ने सुनवाई के क्रम में प्रत्येक मामले को गंभीरता से सुना एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवेदन में दिए गए विषयो को नियमानुसार एवं विभागीय निदेशों के अनुरूप, त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने एवं प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री, बिहार ने मुंगेर जिला के 1,28,064 पेंशनधारियों को डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई जुलाई माह की पेंशन राशि

मुंगेर। मुख्यमंत्री, बिहार सरकार के कर-कमलों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य भर के 10132888 पेंशनधारियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जुलाई माह हेतु 1100 की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में अंतरित की गई। जिला स्तर पर पेंशन राशि के अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संबाद कक्ष, समाहरणालय मुंगेर में जिला पदाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, मुंगेर राजीव रंजन, उपनिदेशक, सामाजिक सुरक्षा, प्रमंडल मुंगेर, कुमार सत्यकाम, सामजिक सुरक्षा कोषांग के कर्मी एवं पेंशनधारी आदि उपस्थित थे। सोमवार को इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बिहार के द्वारा राज्य के वृद्धजनों, विधवा महिलाओं एवं दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई एवं सभी पेंशनधारियों को आश्वस्त किया गया कि बिहार सरकार के द्वारा हर महीने के 10 तारीख को विगत माह की पेंशन की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में अंतरित कर दी जाएगी। मुंगेर जिला अंतर्गत कुल छह प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं संचालित हैं। इसमें मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन के तहत 64,833 लाभार्थी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के तहत 29,506 लाभार्थी, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 12,256 लाभार्थी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन के तहत 7,306 लाभार्थी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन के तहत 1,131 लाभार्थी तथा बिहार राज्य निःशक्तता पेंशन योजना के तहत 13,032 लाभार्थी शामिल हैं। इस प्रकार, कुल 1,28,064 पेंशनधारियों को पेंशन राशि 1,100 रुपए प्रतिमाह की दर से माह जुलाई, 2026 हेतु कुल रुपए 14,41,53,300 रुपये का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया। जिला के लगभग 22729 ऐसे पेंशनधारी जिन्होंने अब तक जीवन प्रमाणीकरण नहीं कराया है वो पेंशन की राशि से वंचित है। अतः आप सभी से अनुरोध है कि आज ही अपने आधार कार्ड के साथ अपने नजदीकी उरउ/ वसुधा केंद्र पर जाए एवं जीवन प्रमाणीकरण कराए। यदि किसी कारणवश आपका ऑनलाइन जीवन प्रमाणीकरण नहीं हो पा रहा है तो अपने क्षेत्र के विकास मित्र से तुरंत संपर्क करें एवं भौतिक सत्यापन के माध्यम से जीवन प्रमाणीकरण अवश्य करा ले।

दुकानदारों से सिंगल-यूज प्लास्टिक छोड़ने की अपील पुजारियों ने भी दिया स्वच्छ गंगा का संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

सुल्तानगंज, भागलपुर। प्लास्टिक मुक्त हरित श्रावणी मेला 2026 का आयोजन जलवायु समर्थ पंचायत अभियान के तहत वन प्रमंडल, भागलपुर, रीजनरेटिव बिहार माटी मंत्रा, असर, हरित अंग प्रदेश अभियान एवं जन संसद के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज सुल्तानगंज के गंगा घाट एवं आसपास के क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं, कांवरियों, दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले नुकसान तथा गंगा को स्वच्छ रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान गंगा घाट एवं आसपास की दुकानों पर जाकर दुकानदारों से अनुरोध किया गया कि वे सिंगल-यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन, शैम्पू पाउच एवं प्लास्टिक पैकिंग का उपयोग कम करें तथा इसके स्थान पर कागज, कपड़े या अन्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाएँ। दुकानदारों से दुकान से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को खुले में अथवा गंगा में नहीं फेंकने की भी अपील की गई।इस जन-जागरूकता अभियान में गंगा घाट पर मौजूद पुजारियों ने भी सक्रिय रूप से सहयोग किया। पुजारियों ने श्रद्धालुओं एवं कांवरियों से अपील करते हुए कहा कि माँ गंगा को स्वच्छ रखना धार्मिक आस्था के साथ-साथ हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पूजा-पाठ के दौरान प्लास्टिक सामग्री को गंगा में प्रवाहित न करने तथा पूजा सामग्री एवं अन्य कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

अभियान के दौरान लोगों को बताया गया कि प्लास्टिक कचरा गंगा में जाने से मछलियों, कछुओं एवं अन्य जलीय जीवों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा गंगा की जैव विविधता को नुकसान पहुँचता है। इसलिए प्रत्येक श्रद्धालु, दुकानदार और स्थानीय नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह गंगा को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रखने में अपना योगदान दे।आयोजकों ने बताया कि प्लास्टिक मुक्त हरित श्रावणी मेलाझ्र2026 केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला निरंतर जन-जागरूकता अभियान है। श्रावणी मेला के दौरान प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग स्थानों पर दुकानदारों, श्रद्धालुओं, कांवरियों, पुजारियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण और गंगा स्वच्छता के लिए प्रेरित किया जाएगा। मुख्य संदेशह्वदुकानदार बदलेंगे विकल्प, श्रद्धालु बदलेंगे व्यवहार–तभी स्वच्छ होगी माँ गंगा। स्वच्छ गंगा झ सच्ची भक्ति।बोल बम झ प्लास्टिक कम।प्लास्टिक छोड़ो झ प्रकृति जोड़ो।इस मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता एवं कांवरिया गण मौजूद थे ।

सावन के दूसरे सोमवारी को लाखों शिव भक्तों ने उत्तरवाहिनी गंगा में लगाई डुबकी

● हर महादेव,बोल बम के जयकारे से अजगैविनाथ नगरी हुए गुंजायमान

प्रात: किरण संवाददाता

भागलपुर सुल्तानगंज। सावन के दुसरे सोमवारी को अजगैविनाथ धाम में बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, बंगाल, नेपाल सहित अन्य राज्यों के लाखों कांवरिया ने उत्तरवाहिनी गंगा में डुबकी लगाकर हर हर महादेव के जयकारे लगाकर बाबा भोलेनाथ की पूजा-अर्चना किये/आपको बताते चलें कि सावन के दुसरे सोमवारी होने पर हजारों शिव भक्तों ने अजगैविनाथ मंदिर स्थीत बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग में जलाअभिषेक करते हुए मईया पार्वती की भी पूजा अर्चना किये /इसको लेकर जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश पर अजगैविनाथ मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करते हुए गंगा घाट,पुरे शहर के विभिन्न जगहों एवं कांवरिया पथ पर भी सुरक्षा बलों की तैनाती कड़ी कर दी गई थी/शिव भक्तों को कोई परेशानी न हो इसके लिए व्यापक इंतजाम सुरक्षा व्यवस्था की गई थी/ डीएसपी नवनीत कुमार अजगैविनाथ मंदिर पहुंचकर कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए देखे गए/पुरे शहर एवं कांवरिया पथ कैशरिया रंग में सराबोर एवं हर हर महादेव, बोल बम के जयकारे शिव भक्त गण द्वारा लगाने पर अजगैविनाथ नगरी गुंजायमान हो गये थे/नगर परिषद सुल्तानगंज, स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी सुल्तानगंज, थानाध्यक्ष धन्नजय कुमार, विडिओ संजीव कुमार,सीओ रमण कुमार सहित अन्य पदाधिकारी सुबह से ही शिव भक्तों की सेवा में लगे हुए देखे गए/इस मौके पर हजारों हजारों की संख्या में शिव भक्त गण मौजूद थे।

खड़गपुर की पंचवदन मुसहरी में नहीं पहुंच रहा नल-जल का पानी, नाली और आवास की भी समस्या

➤ बस्ती के लोगों का आरोप-चुनाव में नेता आते हैं, फिर कोई हाल पूछने नहीं आता

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र के पंचवदन मुसहरी गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रहा है। बस्ती के लोगों का कहना है कि सरकार की नल-जल योजना का पाइप तो बिछा दिया गया, लेकिन आज तक घरों तक पानी नहीं पहुंचा। नाली की व्यवस्था नहीं होने से गंदा पानी जमा रहता है, जबकि स्ट्रीट लाइट भी सिर्फ नाम की है। भूमिहीन परिवारों ने सरकार से आवास के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग की है। स्थानीय निवासी प्रकाश मांझी ने बताया कि बस्ती में नल-जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई गई है, लेकिन पाइपों में पानी नहीं आता। ऐसे में लोगों को पेयजल के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है। रामजी मांझी ने कहा कि नाली नहीं होने से गंदा पानी बस्ती में ही जमा रहता है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। उन्होंने नगर परिषद से जल्द नाली निर्माण कराने की मांग की। सनी मांझी ने कहा कि चुनाव के समय नेता बस्ती में आकर बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद कोई भी उनकी समस्याओं को देखने नहीं आता। सूरज मांझी ने बताया कि बस्ती में स्ट्रीट लाइट के पोल लगे हैं, लेकिन अधिकांश लाइटें खराब पड़ी हैं। रात में अंधेरा रहने से लोगों को आवाजाही में परेशानी होती है। वहीं राहुल मांझी ने कहा कि उनके परिवार सहित कई लोग सरकारी जमीन पर रहने को मजबूर हैं। उनके पास अपनी जमीन नहीं है। उन्होंने सरकार से भूमिहीन परिवारों को आवास के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। बस्तीवासियों ने नगर परिषद और जिला प्रशासन से मांग की है कि पंचवदन मुसहरी में पेयजल, नाली, स्ट्रीट लाइट और आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लोगों को रोजमर्रा की समस्याओं से राहत मिल सके।

अजगैविनाथ मंदिर में सावन के दूसरे सोमवारी को हेलिकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा

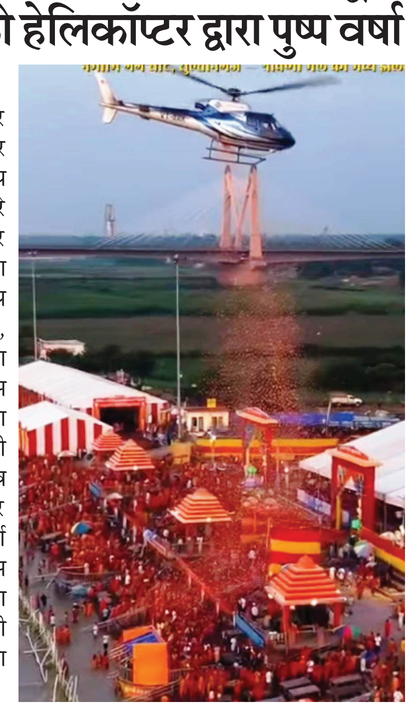

भागलपुर सुल्तानगंज। बिहार सरकार के निर्देश पर पहली बार अजगैविनाथ धाम में सावन के दुसरे सोमवारी को लेकर हेलीकॉप्टर के द्वारा पुष्प वर्षा अजगैविनाथ मंदिर, कांवरिया पथ, धांधली बेलारी कांवरिया धर्मशाला में हुआ,इस मौके पर डीएम अलंकृता पाण्डेय, एसएसपी प्रमोद कुमार यादव अजगैविनाथ मंदिर पहुंचकर कर पुष्प वर्षा का किये मोआईना/इस मौके पर दर्जनों जिला व प्रखंड के पदाधिकारी गण एवं हजारों कांवरिया गण मौजूद थे।

अजगैविनाथ धाम में राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी के नेतृत्व में निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर

भागलपुर सुल्तानगंज। सावन के दुसरे सोमवारी को लेकर राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी के नेतृत्व में पुरानी दुर्गा स्थान के समिप निशुल्क बोल बम सेवा शिविर का आयोजन किया गया/इस कार्यक्रम में राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी,राजद के प्रखंड अध्यक्ष विवेकानंद यादव,राजद के युवा नेता मंजीत ठाकुर ने सैकड़ों कार्यकताओं के साथ हजारों कांवरियों को फल, प्रसाद,सर्वत,फ्रुटी,हरा गमछा का वितरण करते हुए बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की सरकार बने/इस मौके पर राजद के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र चौधरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता ने कहा कि बाहर से आनेवाले सभी शिव भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए का इन सभी की सारी मनोकामनाएं बाबा भोलेनाथ पुरा करें और दौ हजार तीस में बिहार में तेजस्वी की सरकार बने इसके लिए बाबा भोलेनाथ से कामना किये गये/इस दौरान दर्जनों कांवरियों ने कहा कि इस तरह की सेवा राष्ट्रीय जनता पार्टी के नेता रामचन्द्र चौधरी के द्वारा करने पर बाबा भोलेनाथ इनकी मनोकामनाएं पुरा करें और बिहार में तेजस्वी की सरकार बनने की बात कही/इस दौरान राजद कार्यकर्ता मो शेराज,अशौक कुशवाहा सहित इत्यादि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

सनसनीखेज वारदात का पर्दाफाश

■ एनएच 80 पर दिनदहाड़े कार लूटकांड का पर्दाफाशः हेमजापुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, दो लुटेरे धराए

धरहरा(मुंगेर) मुंगेर में अपराधियों के हौसले को हेमजापुर पुलिस ने करारा झटका दिया है। एनएच-80 पर दिनदहाड़े हथियार के बल पर हुई सनसनीखेज कार लूट कांड में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो शातिर आरोपितों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान प्रेम टोला फरदा निवासी स्व. पंकज यादव के पुत्र शैलेश कुमार (19 वर्ष) और छर्रा पार्टी गांव निवासी अरुण यादव के पुत्र गौरव कुमार उर्फ डाबर (30 वर्ष) के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।कैसे दिया था वारदात को अंजाम? :शनिवार को सुंदरपुर गांव के समीप फिल्मी अंदाज में तीन बाइक पर सवार 5-6 की संख्या में बदमाशों ने कार सवार तीन युवकों को ओवरटेक कर रोका था। पहले जमकर मारपीट की और फिर पिस्टल सटाकर मोबाइल, नकदी, सोने की चेन और लॉकेट लूट लिया। इतना ही नहीं, बदमाश कार की चाबी लेकर फरार हो गए थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी।फुटेज से मिली जानकारीःथानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने एनएच-80 पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज में दोनों आरोपितों के चेहरे साफ तौर पर कैद हो गए थे। साथ ही लूटी गई कार को भी एनएच पर आगे-पीछे आते-जाते देखा गया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और दोनों को धर दबोचा। कड़ाई से

सावन की दूसरी सोमवारी पर पंचवदन महादेव मंदिर में उमड़ी आस्था

प्रात: किरण संवाददाता

■ सुबह से जलाभिषेक के लिए लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतार

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। सावन माह की दूसरी सोमवारी पर हवेली खड़गपुर नगर परिषद स्थित प्रसिद्ध पंचवदन महादेव मंदिर में सोमवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और दर्शन के लिए मंदिर परिसर में सुबह से लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

भक्तों ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, पुष्प, धतूरा एवं अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव का विधि-विधान से अभिषेक किया। कई श्रद्धालु व्रत रखकर मंदिर पहुंचे और परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बड़ी संख्या में कांवरिये भी पंचवदन महादेव मंदिर पहुंचे। कई श्रद्धालु पैदल, साइकिल और मोटरसाइकिल से जल लेकर मंदिर पहुंचे और श्रद्धाभाव के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर तक जाने वाले मार्गों पर दिनभर कांवरियों और शिवभक्तों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल तैनात रहा और स्थानीय स्वयंसेवकों ने भी कतारबद्ध दर्शन एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। सावन की दूसरी सोमवारी पर पंचवदन महादेव मंदिर में उमड़ी आस्था ने पूरे हवेली खड़गपुर को शिवमय बना दिया।

डीएम ने सुना आम लोगों की समस्या कार्यवाही का दिया आश्वासन

मुंगेर । आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत सोमवार को समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना ।जन सुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया, जिसमें कई आवेदन प्राप्त हुए, इनमें अधिकांश मामले भूमि विवाद, भूमि अतिक्रमण, दाखिल-खारिज तथा राजस्व संबंधी अन्य मामलों से संबंधित थे। सफियाबाद निवासी मुन्नी देवी ने दबंगों द्वारा जानमाल की क्षति पहुंचाने तथा जबरन उनके जमीन को कब्जा करने की शिकायत की। टेटिया बंबर रूपौहुआ निवासी उषा देवी ने टेटिया बंबर अंचलाधिकारी द्वारा उनके दाखिल खारिज आवेदन को अस्वीकृत करने की शिकायत की। संग्रामपुर सरौना निवासी किसानों ने बेलहरनी नदी के अतिक्रमण को हटाने की मांग की। किसानों ने कहा के अतिक्रमण के कारण उस क्षेत्र के कृषि योग्य भूमि का सिंचाई कार्य प्रभावित हों रहा है। पटना मसौढ़ी खुर्द निवासी सत्यदेव दास ने बिहार पुलिस में कार्यरत अपने बड़े बेटे सत्यानंद दास के आसामयिक निधन के पश्चात मिलने वाले मुआवजे एवं अनुकम्पा के आधार पर मिलने वाली नौकरी दिलाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने प्राप्त सभी आवेदनों की गहनता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बिहार के राज्यपाल एमयू के दीक्षांत समारोह में आएंगे मुंगेर

■ मुंगेर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन की सभी तैयारी कर ली गई है पूर्ण : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन 11 अगस्त को निर्धारित है। समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त), माननीय राज्यपाल, बिहार द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। मौके पर जिला प्रशासन के संबंधित पदाधिकारी, विश्वविद्यालय के अधिकारी तथा अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। इसी क्रम में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने सोमवार को कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने समारोह स्थल पर मंच, बैठने की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय से पूर्व पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रवेश एवं निकास व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने, आवश्यक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं की भी समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि समारोह के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मुंगेर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह जिले के लिए गौरवपूर्ण अवसर है, अतः कार्यक्रम को गरिमापूर्ण, व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी गंभीरता के साथ सुनिश्चित की जाएं।

तीन मुसहरी टोलों को आदर्श ग्राम बनाने की कवायद तेज, आमसभा में विकास का रोडमैप तैयार

➤ सबैया, गोपालीचक और बोरना मुसहरी में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर, स्वच्छता से लेकर शिक्षा-स्वास्थ्य तक सामूहिक प्रयास का संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)। प्रखंड के बंगलबा पंचायत क्षेत्र में विकास की नई पहल की शुरूआत हुई है। पंचायत भवन में सोमवार को आयोजित आमसभा में सबैया मुसहरी, गोपालीचक मुसहरी और बोरना मुसहरी को चरणबद्ध तरीके से आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने को लेकर व्यापक मंथन किया गया। बैठक में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित कर्मियों ने गांवों की मौजूदा समस्याओं पर चर्चा करते हुए विकास का खाका तैयार करने पर जोर दिया। आमसभा की अध्यक्षता बंगलबा पंचायत की मुखिया करमी देवी ने की। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं जरूरतों को प्रमुखता से रखा। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वच्छता, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता बताई। इस दौरान आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि परमानंद मांझी ने आदर्श ग्राम की अवधारणा को लेकर ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी गांव को सिर्फ सड़क और नाली बनाकर आदर्श नहीं बनाया जा सकता, बल्कि इसके लिए स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, शुद्ध पेयजल, बिजली, सड़क, रोजगार और सामाजिक जागरूकता समेत कई क्षेत्रों में एक साथ काम करना होगा।

सैन्य सम्मान के साथ हुआ हवलदार संजीव कुमार का अंतिम संस्कार

5 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि, गूंजे शहीद संजीव कुमार अमर रहें के नारे

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। सेना के एयर डिफेंस रेजीमेंट में तैनात वासुदेवपुर निवासी हवलदार संजीव कुमार, 41 वर्ष का लखनऊ के कमान अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। सेना के जवान उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखकर एंबुलेंस से मुंगेर लेकर पहुंचे। सोमवार को श्मशान घाट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

श्मशान घाट पर सेना के जवानों ने पार्थिव शरीर को सलामी दी। सैन्य सम्मान के बाद उनके पांच वर्षीय बेटे योगेश राज ने पिता को मुखाग्नि दी। मासूम बेटे को चिता को मुखाग्नि देते देख लोगों की आंखें नम हो गईं। इस दौरान लोगों ने ह्यशहीद संजीव कुमार अमर रहें के नारे लगाए।

2004 में हुई थी सेना में भर्ती :

हवलदार संजीव कुमार की सेना में वर्ष 2004 में भर्ती हुई थी। करीब 22 वर्षों तक उन्होंने देश की सेवा की। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग ओडिशा के गोपालपुर में थी। ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने पर पहले इलाज कराया गया और हालत गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के कमान अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

संजीव कुमार अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। बड़ा बेटा योगेश राज 5 वर्ष का और छोटा बेटा करीब 3 वर्ष का है। संजीव कुमार के पिता स्व. ओम प्रकाश मंडल थे। उनके निधन की खबर से वासुदेवपुर और आसपास के इलाके में शोक की लहर है।

गया से पहुंची सैन्य यूनिट :

अंतिम विदाई के लिए *गया से सेना की एक यूनिट भी पहुंची। सैन्य दल ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत पार्थिव शरीर को सलामी दी। इस दौरान सूबेदार किशोर कुमार, नायक सुभाष कुमार निराला, सूबेदार रंजीत सिंह और सूबेदार दीपक चौधरी आदि मौजूद थे।

बिहार सरकार

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विद्युत भवन प्रमंडल संख्या–1
भवन निर्माण विभाग, पटना
Email.ID:- eeeewd1.bcd@gmail.com, Mob-9264293057

शुद्धि–पत्र / आवश्यक सूचना

इस कार्यालय का निविदा आमंत्रण सूचना सं0–26 वर्ष 2026–27 जिसका PN No-008209 (BCD) 2026-27 है, के क्रमांक 2 एवं 5 सभी Golamber में अस्थायी विद्युतीकरण/ साज–सज्जा कार्य दिनांक–14.08.2026 से 15.08.2026 तक कराये जाने हेतु निविदा प्रकाशित की गई थी। जिसे संशोधनोपरांत दिनांक–10.08.2026 से 15.08.2026 तक कराया जाना है।

शेष अन्य पूर्ववत रहेगा।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत भवन प्रमण्डल संख्या–01, पटना

PR- 009631 (BCD) 2026-27

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

संक्षिप्त समाचार

एनीमिया के लिए होम्योपैथी के द्वितीय संस्करण का विमोचन

भोपाल, एजेंसी। एनीमिया के प्रति जनजागरूकता, बचाव, पोषण एवं समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक एवं लेखक प्रो. डॉ. अश्विनी कुमार द्विवेदी (डॉ. ए.के. द्विवेदी) द्वारा लिखित पुस्तक 'एनीमिया के लिए होम्योपैथी' के प्रथम संस्करण का विमोचन लगभग दो वर्ष पूर्व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया था। प्रथम संस्करण को पाठकों, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला और इसकी सभी प्रतियां समाप्त हो गईं। लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए पुस्तक का द्वितीय संस्करण आवश्यक संशोधनों, नवीन जानकारी एवं अतिरिक्त सामग्री के साथ प्रकाशित किया गया है। पुस्तक 'एनीमिया के लिए होम्योपैथी' के द्वितीय संस्करण का विमोचन नई दिल्ली में भारत सरकार के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के द्वारा गरिमामय कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने की। इस अवसर पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई, कार्यपरिषद सदस्य प्रो. डॉ. सखाराम मुजाल्दा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी के अनुसार पुस्तक में अप्लास्टिक एनीमिया, सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, आयरन डेफिशिएंसी एनीमिया एवं विटामिन डेफिशिएंसी एनीमिया सहित एनीमिया के प्रमुख प्रकारों के कारण, लक्षण, बचाव, पोषण एवं भारतीय खानपान से संबंधित उपयोगी जानकारी दी गई है। साथ ही होम्योपैथिक प्रबंधन के दृष्टिकोण पर भी विस्तृत सामग्री प्रस्तुत की गई है।

तेलंगाना में 54 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, चार गिरफ्तार; नागपुर ले जाई जा रही थी खेप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के यदाद्री भुवनागिरी जिले में एक प्रतिबंधित नशीली पदार्थ मेफेड्रोन की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए 27 किलोग्राम अवैध पदार्थ की कीमत 54 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध पदार्थ वितरण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर ले जाया जा रहा था। बिबीनगर पुलिस थाने की एक टीम ने 8 अगस्त को कोंडामडुगु गांव के बाहरी इलाके में एक विशेष आपरेशन चलाया और एक कार को रोका। यदाद्री भुवनागिरी के पुलिस अधीक्षक अक्षांश यादव ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 27 किलोग्राम मेफेड्रोन और दो प्लास्टिक के कैन में नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रासायनिक पदार्थ 40 किलोग्राम एसीटोन बरामद किया। दो महाराष्ट्र के और एक-एक असम और हैदराबाद के चार आरोपितों ने स्वीकार किया कि प्रतिबंधित दवा का निर्माण कोंडामडुगु में 5 से 7 अगस्त के बीच अन्य सहयोगियों की सहायता से अवैध रूप से किया गया था। उनकी स्वीकारोक्ति के आधार पर पुलिस ने प्रयोगशाला पर छापा मारा और दवा के निर्माण में उपयोग होने वाले उपकरण रिएक्टर और सेंट्रीफ्यूज जब्त किए। इन चारों को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इस मामले में प्रयोगशाला का मालिक और मुख्य आरोपित फरार है।

मध्य प्रदेश की डेढ़ वर्षीय धृति शुक्ला ने योग में बनाया विश्व कीर्तिमान

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के कोलार क्षेत्र की डेढ़ वर्षीय बालिका धृति शुक्ला ने अपनी अद्भुत शारीरिक लचक और योग क्षमता से भोपाल का नाम रोशन किया है। अंतरराष्ट्रीय संस्था बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड ने उसे यंगेस्ट चाइल्ड टू डेमोंस्ट्रेट मल्टीपल योग आसन एंड फ्लेक्सिबिलिटी पोज के खिताब से सम्मानित किया है। गौर करने वाली बात यह है कि इतनी कम उम्र में कठिन योगासनों का सहज प्रदर्शन कर धृति ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह सफलता साबित करती है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। धृति की मां डॉ. प्राची शुक्ला योग शिक्षिका हैं, उन्होंने ही धृति की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तेलंगाना में वोटर लिस्ट से कट सकता हैं 71 लाख मतदाताओं का नाम

एसआईआर में फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 10 अगस्त

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत लगभग 71 लाख मतदाताओं की पहचान की गई है, जिनके नाम सूची से हटाए जा सकते हैं। यह संख्या राज्य के कुल 3.38 करोड़ मतदाताओं का लगभग 21 प्रतिशत है। इसका सीधा मतलब है कि राज्य में हर पांच में से कम से कम एक मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से कट सकता है। राज्य में गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त तय की गई है। नौ अगस्त तक केवल 3.2 लाख फॉर्म ही ऐसे थे जिन्हें डिजिटाइज किया जाना बाकी था, जो कि कुल मतदाता सूची का 1 प्रतिशत से भी कम है। इसके पूरे होने पर नामों को हटाने का अंतिम आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। जिन लगभग 71 लाख नामों को अनकलेक्टिबल मानकर हटाने के लिए चिन्हित किया गया है, उनमें से 9.1 लाख मृत मतदाता हैं और 10.3 लाख मतदाता अनुपस्थित या लापता हैं। इसके अलावा, 43

लाख मतदाता स्थायी रूप से दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके हैं, जबकि 6.6 लाख नाम डुप्लीकेट यानी दोहरे मतदाताओं के तौर पर दर्ज पाए गए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि असंग्रहीत श्रेणी में आने वाले सभी मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे। असंग्रहीत फॉर्मों का सबसे बड़ा केंद्र ग्रेटर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में देखा गया है। केवल हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि और रंगारेड्डी जिलों में ही कुल मिलाकर 41.5 लाख असंग्रहीत फॉर्म मिले हैं। यह आंकड़ा राज्य के कुल 70.8 लाख असंग्रहीत फॉर्मों का लगभग 58.6 प्रतिशत है। अगर अलग-अलग बात करें तो हैदराबाद जिले में 18,45,595 असंग्रहीत फॉर्म मिले हैं, जो वहां के कुल मतदाताओं का 38.96 प्रतिशत है और तीनों महानगरों में सबसे अधिक है। वहीं, मेडचल-मलकाजगिरि जिले में 10,62,190 (35.65 प्रतिशत) और रंगारेड्डी जिले में 12,41,188 (33.55 प्रतिशत) फॉर्म जमा न किया गया हैं। इन तीनों जिलों में मिलाकर लगभग 1.14 करोड़ मतदाता हैं, जो राज्य के कुल मतदाताओं का करीब 33.7 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं, लेकिन असंग्रहीत फॉर्मों के मामले में इनकी हिस्सेदारी 58.6 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में नाम कटने की इतनी बड़ी दर के पीछे कई कारण हैं। इनमें मुख्य रूप से लोगों का पलायन, किराएदारों का मकान बदलना, बंद पड़े घर, गेटेड कम्युनिटीज, मृत मतदाता और स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट होना शामिल है।

गृहमंत्री को खुली चुनौती देने वाला हिस्ट्रीशीटर अर्जुन अयांकी गिरफ्तार

कन्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला को इंटरनेट मीडिया के जरिये खुली चुनौती देने और पुलिस अधिकारियों को धमकाने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश अर्जुन अयांकी को रविवार को कन्नूर से गिरफ्तार कर लिया गया। हिस्ट्रीशीटर वह अपराधी होता है जिसका लंबा आपराधिक रिकार्ड होता है तथा जिसका नाम पुलिस थाने के 'हिस्ट्री शीट' (अपराध इतिहास रजिस्टर) में दर्ज होता है। कन्नूर सिटी पुलिस आयुक्त बीवी. विजय भारत रेड्डी ने बताया कि अर्जुन को गिरफ्तार करने ने के लिए पुलिस ने देर रात तक अभियान चलाया। शनिवार सुबह से ही उसकी तलाश की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार अर्जुन को रात करीब 2.30 बजे एक वकील के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। हाल ही में उस पर गृह मंत्री चेन्निथला को चुनौती देने और इंटरनेट मीडिया पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन को बदनाम करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

हाईवे पर मिला खून से लथपथ शव, पुलिस को पत्नी और बेटे पर हत्या का शक

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में पिलरू कस्बे के पास तिरुपति हाईवे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला है। युवक की पहचान 47 वर्षीय सुब्रह्मण्यम के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। लेकिन मृतक के पिता के आरोपों, घर में मिले खून के धब्बों और फुटेज ने मामले का रुख बदल दिया। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के चलते सुब्रह्मण्यम की घर पर ही हत्या की गई और फिर शव को हाईवे पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी उमादेवी और बेटे लोहित को हिरासत में ले लिया है और दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह एक

सुनियोजित हत्या थी।दरअसल, सुब्रह्मण्यम की मौत के बाद उनके पिता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे, बहू या पोते से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। जब वह उनके घर पहुंचे तो दरवाजा बंद था और उमादेवी और उनका बेटा लोहित दोनों गायब थे। इसके बाद पुलिस ने घर और हाईव तक के रास्तों की जांच की। जांच के दौरान खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस अब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। जांच में दोपहिया वाहन की आवाजाही और शव के परिवहन के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। युवक के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि उमादेवी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध था और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

क्या पत्नी का अवैध संबंध बना हत्या का मकसद: पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अवैध संबंध हत्या का मकसद बन सकता था और क्या किसी अन्य व्यक्ति ने शव को ले जाने और ठिकाने लगाने में सहायता की थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शव को जानबूझकर हाईवे पर रखा गया था ताकि मौत को सड़क दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके।

राजस्थान पुलिस जिसे ढूंढ रही थी, सीजेपी के मंच पर बैठा था वह 'वांटेड ठग'

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में जिस झुंझुनूं जिले के अपराधी को पुलिस धोखाधड़ी के आरोप में तलाश रही थी वह नई दिल्ली में जंतर-मंतर हुए आंदोलन में काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मंच पर नजर आया था, हालांकि माहौल बिगड़ने के डर से उसे पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। जानकारी के अनुसार, धोखाधड़ी का आरोपित रामचंद्र पांच दिन तक आंदोलन स्थल पर मौजूद था। झुंझुनूं के चार पुलिसकर्मियों की टीम भी उसकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में ही मौजूद रही, लेकिन माहौल बिगड़ने के भय के कारण उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी। रामचंद्र के खिलाफ फरवरी, 2025 में वाहनों की खरीद-फरोख्त मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। झुंझुनूं कोतवाली पुलिस थाना अधिकारी श्रवण कुमार मील के अनुसार, पुलिस ने रामचंद्र पर बारीकी से निगरानी रखी, मौका देखा कि जैसे ही भीड़ कम हो उसे गिरफ्तार कर लिया जाए, लेकिन मौका नहीं मिला। रामचंद्र ने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर काकरोच जनता पार्टी की कोर कमेटी का सदस्य बता रखा है। फिलहाल रामचंद्र फरार है।

उड़ते प्लेन से बर्फ का टुकड़ा घर की छत तोड़कर बेडरूम में गिरा; बाल-बाल बचा कपल, एयरलाइन को करना पड़ा समझौता

न्यूयार्क , एजेंसी। सोचिए, आप रात में अपने घर में आराम से बैठे हों और अचानक आसमान से बर्फ का

एक बड़ा टुकड़ा आपकी छत तोड़कर सीधे बेडरूम में आ गिरे। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक कपल के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। राहत की बात यह रही कि बर्फ का भारी टुकड़ा उनके बिस्तर के ठीक ऊपर गिरने के बावजूद दोनों की जान बच गई। जांच में दावा सामने आया कि यह बर्फ उड़ते हुए विमान से गिरी थी। इसके बाद कपल ने एयरलाइन के खिलाफ मुकदमा किया और अब कोर्ट के बाहर समझौते के बाद मामला खत्म हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के इंगलवुड में रहने वाले माइकल रीस और लिया फेरारिनी के घर 1 जनवरी 2024 की रात करीब 8 बजे अचानक एक बड़ा बर्फ का टुकड़ा गिरा। घर की छत को तोड़ दिया और सीधे बेडरूम में जा गिरा। उस समय दोनों घर के अंदर मौजूद थे और बर्फ उनके बिस्तर के ठीक ऊपर गिरी। कुछ सेकंड की दूरी से दोनों एक बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। मामले की जांच के बाद सामने आया कि बर्फ का यह टुकड़ा कथित तौर पर एक विमान से गिरा था। बताया गया कि विमान न्यूयॉर्क से लॉस एंजिलिस जा रहा था। हादसे के बाद कपल ने एयरलाइन के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दायर किया और नुकसान की भरपाई की मांग की। मामला अदालत तक पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। हालांकि, समझौते की रकम सार्वजनिक नहीं की गई है। कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, कपल ने घर की छत की मरम्मत के लिए 11 हजार डॉलर से ज्यादा और मानसिक तनाव के इलाज के लिए करीब 5,600 डॉलर का दावा किया था। माइकल रीस ने यह भी दावा किया कि हादसे के बाद मई 2024 से फरवरी 2025 तक वह काम पर नहीं जा सके। इसके चलते उन्होंने करीब 84 हजार डॉलर की आय के नुकसान का दावा किया। कैलिफोर्निया के टॉरेंस सुपीरियर कोर्ट के जज एलन बी. हनीकट ने बुधवार को दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को मंजूरी दे दी। एयरलाइन के वकीलों ने कहा कि समझौता दोनों पक्षों के लिए उचित है। हालांकि, एयरलाइन की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि अगर मामला ट्रायल तक पहुंचता, तो उसके पास अपनी जिम्मेदारी से इनकार करने के लिए मजबूत कानूनी दलीलें थीं। मामले की जांच के दौरान अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने विमान के रखरखाव रिकॉर्ड की जांच की।

तूफान का वीडियो बना रहा था शख्स, अचानक आसमान से आ गिरी बिजली, कैमरे में कैद हुआ खौफनाक पल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो में तूफान के दौरान गोल्फ कोर्स पर वीडियो बनाना एक शख्स को भारी पड़ गया। सिनसिनाटी के पास गोल्फ कोर्स में आंधी-तूफान को कैमरे में रिकॉर्ड कर रहे इस व्यक्ति के पास अचानक बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आ गया। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। राहत की बात यह है कि शख्स की जान बच गई और उसे हाथ में गंभीर नहीं बल्कि ऐसी चोट लगी, जिससे वह ठीक हो रहा है। घटना शुक्रवार को सिनसिनाटी, ओहायो एक गोल्फ कोर्स में हुई। शख्स उस समय आए तेज तूफान को अपने कैमरे में रिकॉर्ड कर रहा था। वायरल वीडियो में दिखाई देता है कि मौसम खराब है और आसपास तूफान का माहौल बना हुआ है। इसी दौरान अचानक बिजली गिरती है और शख्स उसकी चपेट में आ जाता है। घटना इतनी अचानक हुई कि वहां मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुष्टि की कि बिजली की चपेट में आने के बावजूद शख्स बच गया है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है। डेविट के मुताबिक, बिजली

गिरने से उसके हाथ पर चोट आई है, लेकिन चोट जानलेवा नहीं है। उन्होंने इस वीडियो को अपने देखे हुए सबसे हैरान करने वाले वीडियो में से एक बताया। शख्स ने भी घटना के बाद खुद को बेहद भाग्यशाली बताया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हजारों लोगों ने प्रतिक्रिया दी। ज्यादातर लोगों ने लोगों को तूफान के दौरान बाहर न निकलने और खासकर पेड़ों के नीचे खड़े न होने की चेतावनी दी। कई यूजर्स ने कहा कि मौसम की चेतावनी और सायरन को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुछ लोगों ने यह भी याद दिलाया कि तूफान के दौरान पेड़ के नीचे खड़ा होना सुरक्षित नहीं है। बिजली गिरने के मामलों में पेड़ के नीचे खड़ा होना बेहद खतरनाक हो सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, खुले इलाके में अकेला खड़ा पेड़ बिजली के लिए खतरनाक बिंदु बन सकता है। गोल्फ कोर्स विशेष रूप से जोखिम वाले स्थान माने जाते हैं, क्योंकि यहां खुले मैदान ज्यादा होते हैं और सुरक्षित इमारतें कम होती हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 2006 से 2023 के बीच गोल्फ से जुड़ी बिजली गिरने की मौतों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की थी, जिन्होंने पेड़ों के नीचे शरण लेने की कोशिश की थी।

एक्टर से सांसद बने मशहूर बेन जोन्स का निधन, घर पर आया अचानक हार्ट अटैक

लास एंजिल्स, एजेंसी। बेन जोन्स, जिन्होंने .रु. हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स में दो कार्यकाल पूरे करने से पहले सीबीएस की एक्शन सीरीज़ द ड्यूक्स ऑफ़ हैज़र्ड में काम किया था, का 84 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर उनकी पत्नी अल्मा वियाटोर ने फेसबुक पोस्ट के ज़रिए दी। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, घर पर टीवी पर बेसबॉल मैच देखने की तैयारी करते समय उन्हें हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अल्मा की पोस्ट में लिखा था, आज मैंने अपनी ज़िंदगी के प्यार को खो दिया। बेन का ज़बरदस्त हार्ट अटैक से निधन हो गया। वह घर पर अपनी पसंदीदा कुर्सी पर आराम कर रहे थे और ब्रेव्स के आने और यांकीज़ को हराने का इंतज़ार कर रहे थे। बेन की ज़िंदगी बहुत शानदार और भरपूर थी। वह बहुत से लोगों से प्यार करते थे और लोग भी उनसे बहुत प्यार करते थे। उनकी कमी खलेगी। मैं उनसे बहुत ज़्यादा प्यार करती थी।

हैज़र्ड काउंटी स्क्वायर में शेरिफ़ के ऑफ़िस के ठीक सामने स्थित कूटर्स गैराज के मालिक के किरदार में, जोन्स जॉर्जिया में सेट ड्यूक्स ऑफ़ हैज़र्ड के 141 एपिसोड में नज़र आए थे। यह शो जनवरी 1979 से फरवरी 1985 तक सात सीज़न तक चला था। द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, शो की लोकप्रियता से उत्साहित होकर - यह 1979-80 में

नीलसन रेटिंग में दूसरे नंबर पर था, सिर्फ़ डलास से पीछे था जो सीबीएस पर शुक्रवार की रात को इसके बाद आता था - डेमोक्रेट बेन जोन्स ने 1986 में कांग्रेस का चुनाव लड़ा। जॉर्जिया के चौथे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट की सीट के लिए हुए कड़े मुकाबले में वह मौजूदा सांसद पैट स्विंडाल से हार गए।

हालांकि, दो साल बाद, जब स्विंडाल पर मनी लॉन्ड्रर बनकर आए एक अंडरकवर फ़ेडरल एजेंट के साथ अपने लेन-देन के बारे में फ़ेडरल ग्रैंड जूरी से झूठ बोलने का आरोप लगा, तो जोन्स ने भारी अंतर से जीत हासिल की। रीडिस्ट्रिक्टिंग (चुनाव क्षेत्रों के नए सिरे से सीमांकन) की वजह से अपनी सीट गंवाने के बाद, 1994 में न्यूट गिंगरिच ने जोन्स को बुरी तरह हराया। लेकिन, अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जोन्स की ओर से की गई एथिक्स (नैतिक आचरण) संबंधी शिकायत की वजह से ही 1998 में गिंगरिच को हाउस स्पीकर का पद छोड़ना पड़ा था।

2002 में वर्जीनिया में रहते हुए, जोन्स ने कांग्रेस के लिए फिर से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें एरिक कैंटर से हार का सामना करना पड़ा, जो बाद में हाउस में बहुमत दल के नेता बने। बारह साल बाद, जानकारों का कहना था कि जोन्स ने मतदाताओं को जो पत्र लिखकर अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी की तीखी आलोचना की थी, उसी ने प्राइमरी चुनावों में कैंटर की चौंकाने वाली हार में अहम भूमिका निभाई थी।

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशतः शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैसवेल काउंटी के शेरिफ टोनी डर्डन ने बताया कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई, जिनमें कथित हमलावर भी शामिल था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496